गाजा युद्ध

शांति की उम्मीद

गाजा में शांति की उम्मीद बढ़ गई है। 6 महीने से जारी भयानक युद्ध और उसके कारण पैदा मानवीय संकट के बाद अब इज़राइल ने दक्षिण गाजा से अपने सैनिक वापस बुलाने का फैसला किया है। इससे युद्ध की तीव्रता में व्यापक कमी आएगी। 32,000 लोगों की मौत, 75,000 के घायल होने तथा 75 प्रतिशत जनसंख्या के विस्थापित होने के बाद अब इज़राइल ने दक्षिणी गाजा से अपने सैनिक वापस बुलाने की घोषणा की है। इज़राइल और हमास के बीच जारी युद्ध में संभावित महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में यह निर्णय तनाव घटाने के लिए लगातार बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण आया है। दोनों पक्षों के बीच भयानक टकराव में फंसे सिविलियनों को बमबारी का भारी खामियाजा भुगतना पड़ा है तथा वे अकल्पनीय आघात एवं पीड़ा का शिकार हुए हैं। इज़राइल द्वारा अपने सैनिकों को वापस बुलाने के साथ युद्ध के 'मनुष्यों पर प्रभाव' के आंकलन तथा समस्या के टिकाऊ समाधान के प्रयास तत्काल होने चाहिए। युद्ध के दौरान दक्षिण गाजा के सिविलियनों को लगातार हवाई हमलों, बमबारी और जमीनी हमलों का सामना करना पड़ा जिसके कारण असाधारण जन हानि हुई। हमलों की अनियंत्रित प्रकृति ने परिवारों को उजाड़ दिया है, घर खंडहर बन गए हैं और समुदाय विभाजित हुए हैं। युद्ध में अस्पताल भी सुरक्षित नहीं रहे हैं। इज़राइल में गाजा सीमा से सटे समुदायों को हमेशा हमास तथा उससे अलग हुए उग्रवादी समूहों के राकेट हमलों का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही युद्ध ने पहले से मौजूद घाव और हरे किए हैं तथा दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी बढ़ाई है। दशकों से समाधान की प्रतीक्षा कर रही समस्याओं और क्षेत्रीय विवादों ने हिंसा के दुष्चक्र पैदा किए हैं। इससे टकराव का दुष्चक्र तोड़ना तथा दोनों पक्षों के

बीच विश्वास बहाल करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।
इज़राइल द्वारा सैनिकों की वापसी का निर्णय संभवत: अनेक कारकों का नतीजा है जिसमें आंतरिक व बाहरी दबाव शामिल हैं। इनमें दो घटनाओं ने इज़राइल के इस निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। 1 अप्रैल को सहायता कर्मियों पर हुए हमले ने एक प्रेरक का काम किया जिससे अंतरराष्ट्रीय निन्दा व आलोचना बहुत बढ़ गई। इस हमले से व्यापक रूप से लोगों का गुस्सा भड़का और जवाबदेही की मांग की गई। इससे इज़राइल पर सैनिक रणनीति की समीक्षा करने तथा राजनयिक समाधानों को प्राथमिकता देने का दबाव पड़ा। दूसरा, इज़राइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों ने परिवर्तन के लिए घरेलू दबाव डाला। महीनों से जारी ये प्रदर्शन नेतनयाहू के नेतृत्व के प्रति बढ़ती निराशा को अभिव्यक्त करते हैं। इस बीच गाजा गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा है। इसमें व्यापक गरीबी, खाद्य असुरक्षा तथा सफाई व स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं की भारी कमी शामिल हैं। अब रक्तपात से राहत की धुंधली उम्मीद पैदा हुई है। लेकिन स्थाई शांति का रास्ता चुनौतियों से भरा है। ऐसे में इज़राइल और हमास, दोनों को संवाद, लेन-देन तथा समझौते के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए जमीनी मुद्दों का समाधान करना चाहिए। राजनयिक प्रयासों के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। उसे शांति-निर्माण पहलों का समर्थन करने के साथ ही टकराव से प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता देनी चाहिए। इज़राइली सैनिकों की वापसी के साथ ही सभी पक्षों की कठिनाइयां दूर करने के लिए टिकाऊ प्रयास होने चाहिए तथा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हिंसा का दुष्चक्र समाप्त हो।

माफिया की मौत से भाजपा लाभान्वित

माफिया डॉन की मौत पर दु:ख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। इससे उत्तर प्रदेश में भाजपा लाभान्वित हो सकती है।

सिद्धार्थ मिश्रा
(लेखक, राजनीतिक विश्लेषक हैं)

अक्सर कहा जाता है कि कभी-कभी शोर की तुलना में मौन ज्यादा मुखर होता है। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की जेल में हार्ट फेल होने के कारण हुई मौत पर दु:ख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। उसने पूरे क्षेत्र में आतंक का साम्राज्य कायम किया था और अदालतों ने उसे कई मामलों में लंबी सजा दी थी। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्तार अंसारी की मौत से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा को चुनावों में लाभ होगा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से माफिया तत्वों और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और मुख्तार अंसारी को मिली सजा इसका एक प्रमाण है। माफिया डॉन से राजनेता बने मुख्तार अंसारी के पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित मुहम्मदाबाद में अंतिम संस्कार में शोक जताने वालों की संख्या 30,000 या संभवत: इससे भी अधिक थी। इन लोगों ने दिवंगत मुख्तार अंसारी के लिए 'माफिया नहीं, मसीहा हैं' के नारे लगाए।

ऐसी ही भावनायें माफिया से राजनेता बने उत्तर प्रदेश के एक और व्यक्ति अतीक अहमद की हत्या पर भी व्यक्त की गई थीं। इस बीच उत्तर प्रदेश के विपक्षी नेताओं ने जेल में बंद गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। समाजवादी पार्टी-सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कदम आगे बढ़ कर सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। इसी प्रकार अल्पसंख्यक वोटों पर नजर रखने वाली उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी बहुजन समाज पार्टी-बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी इस दृष्टिकोण से अंसारी की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है कि मृतक के परिवारीजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि उसे जहर दिया गया था।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाए हैं कि उत्तर प्रदेश 'सरकारी अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। लेकिन राज्य में रहने वाले बहुत से लोगों की इससे सहमति जरूरी नहीं है। मुख्तार अंसारी दशकों से पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक कुख्यात गैंगस्टर माना जाता था। इस क्षेत्र में अतीत में अन्य गैंगस्टर से राजनेता बने लोग सक्रिय हुए थे। इनमें से कई के साथ उसके संबंध थे, जबकि उस पर कई की हत्या कराने के आरोप भी लगे थे। मुख्तार अंसारी को वर्ष 2005 में हिंसा भड़काने के लिए पहली बार गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद से उसे पंजाब और उत्तर प्रदेश की अनेक जेलों में रखा गया था। अपने राजनीतिक कॅरियर में मुख्तार अंसारी मऊ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहा था। पहली बार उसने बहुजन समाज पार्टी-बसपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता था। इसके बाद उसे बसपा से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बावजूद वह चुनाव जीतता रहा।

2002 और 2007 में उसे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विजय मिली। उसने 2012 में अपनी पार्टी 'कौमी एकता दल' का गठन किया और उससे विधायक बना। इसके बाद उसने अपनी पार्टी का बसपा में विलय कर दिया और पुन: बसपा में शामिल हो गया। 2022 में मुख्तार अंसारी के बेटे ने पिता के स्थान पर चुनाव लड़ा और वह मऊ विधानसभा सीट से विधायक बनने में सफल रहा। मुख्तार अंसारी की मौत पर राहत महसूस करने वाले लोगों का मौन उसे मसीहा मानने और मौत पर शोक मनाने वालों के शोर-शराबे की तुलना में ज्यादा मुखर और महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस बात के कोई संकेत नहीं है कि जेल में बंद माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत में राज्य की कोई संलिप्तता है, पर उसकी मौत से राहत महसूस करने वाले लोग इसका श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर प्रशासन को देते हैं। योगी आदित्यनाथ के प्रशासन ने माफियाओं और अपराधियों को सजा दिलाने का अभियान चलाया है और इसी के चलते मुख्तार समेत अनेक अपराधियों व गैंगस्टरों को लंबी सजा मिली। लोकसभा चुनाव के पहले माफिया मुख्तार अंसारी की मौत ने राजनीतिक परिदृश्य काफी बदल दिया है।

अंसारी को 63 आपराधिक मामलों में आरोपी बनाया गया था जिनमें से 14 हत्या के मामले थे। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने से पहले ये मुकदमे अदालतों में लंबित थे। इसके बाद मुकदमों की सुनवाई में तेजी आई और सितंबर, 2022 के बाद से इन आठ मामलों में मुख्तार अंसारी को सजा मिली। उसके खिलाफ लंबित गंभीर मामलों में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा के तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय की 2005 में हत्या का मुकदमा था। उस पर 1991 में उत्तर प्रदेश के वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के भाई अवधेश राय की हत्या का आरोप भी था। कृष्णानंद राय और अंसारी के बीच क्षेत्र में सरकारी ठेकों पर वर्चस्व कायम करने के लिए टकराव होता रहता था क्योंकि इनसे भारी मुनाफा प्राप्त होता था। सरकारी ठेके प्राप्त करने के लिए आतंक का सहारा लिया जाता था और अपहरण कर फिरौती की धमकियां दी जाती थीं। अपराधी और माफिया गिरोहों के बीच 'गैंग वार' केवल गाजीपुर जिले तक सीमित नहीं थीं, बल्कि इसके तार उत्तर प्रदेश में पूरब के लगभग सभी जिलों तक फैले थे। इसके साथ ही राय और अंसारी गिरोहों के बीच प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी झड़प हुई थी।

देश की सबसे अधिक जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश 545 सदस्यों वाली लोकसभा में 80 सांसद भेजता है जिससे प्रदेश का राजनीतिक महत्व स्पष्ट होता है। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा की प्रबल बहुमत वाली सरकार ने हर प्रकार के अपराधी तत्वों और माफिया तत्वों के खिलाफ शुरू से ही कठोरतम अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश से गैंगस्टरों का पूरी तरह से सफाया करना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों से प्रदेश की कानून-व्यवस्था में जनता का विश्वास बहुत बड़ी सीमा तक बहाल हुआ है। भाजपा सरकार आने के पहले प्रदेश में अक्सर दंगे होते थे और कर्फ्यू लगता था, लेकिन आज यह सब अतीत की बात हो गई है। आज सड़के जाम कर आपराधिक गिरोहों द्वारा बड़े पैमाने पर लूट और डकैती जैसी घटनायें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। कानून व्यवस्था में सुधार तथा प्रदेश की चहुंमुखी आर्थिक प्रगति के चलते योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को 2022 में विधानसभा चुनाव में रिकार्डतोड सफलता मिली। योगी सरकार के सात साल के शासन में माफिया तत्वों के सफाए का भाजपा को भारी लाभ मिलना तय है। मुख्तार अंसारी की मौत ने समाजवादी पार्टी-नीत विपक्ष के लिए स्थितियां ज्यादा कठिन बना दी हैं। सपा और उसके सहयोगियों को और अधिक अल्पसंख्यक वोट मिलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि वे पहले ही उसके पीछे एकजुट हो गए हैं। लेकिन माफिया और अपराधी तत्वों के सफाए ने निश्चित रूप से योगी आदित्यनाथ सरकार की 'प्रभावशीलता' के बारे में कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों में बहुत अच्छा संदेश दिया है। प्रशासन और पुलिस ने विगत वर्षों में अपराधों की जांच के साथ ही वैज्ञानिक प्रमाणों का प्रयोग कर अभियोजन को सटीक बनाया है। इसके परिणामस्वरूप सालों से लंबित आपराधिक मामलों में अदालतें अपराधियों को कठोर सजा दे रही हैं। इससे समाज-विरोधी तत्व गंभीर अपराध करने के मामले में हतोत्साहित भी हुए हैं।

अब भी स्थानीय लोगों के मन में अंसारी के खुले वाहनों में घूमने तथा कर्फ्यू के बावजूद हथियार लहराते और एक खास समुदाय को डराने की छवियां बनी हुई हैं। सरकारी बुलडोजर अंसारी के साम्राज्य के कंक्रीट में ढले स्तंभ ढहा रहे हैं। उसकी मौत से पहले ही ऐसे दृश्यों ने सरकारी मशीनरी में जनता का विश्वास बढ़ा दिया था। योगी आदित्यनाथ के बुलडोजरों ने उन लोगों में भी विश्वास पैदा किया है जो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से भावनात्मक रूप से बहुत प्रभावित नहीं थे। योगी आदित्यनाथ की सरकार सबका साथ, सबका विकास और तुष्टीकरण किसी का नहीं की नीति पर चलती रही है। उसने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी पंथ या समुदाय के साथ पक्षपात नहीं किया है। इन सभी चीजों को देखते हुए मुख्तार अंसारी की मौत भाजपा को उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में निर्णायक लाभ दे सकती है।

कैंसर से जूझते व्यक्तियों की मानसिक दशा

> योग, प्राणायाम और लंबी सांस लेने की तकनीक शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद करते हैं।

रवि वलूरी
(लेखक, रेलवे से संबद्ध हैं)

दादा दादी के पास यूरोप की वार्षिक यात्राओं के लिए दस साल का वीजा था और वे बीमा कराने के लिए मेडिकल जांच से गुजर रहे थे। एक गमगीन मां ने इंग्लैंड और हॉलैंड में अपने बेटों को फोन करके बताया कि उनके पिता कैंसर से पीड़ित हैं। भावनात्मक रूप से परेशान माता-पिता को समझाने के लिए बेटे दौड़ पड़े। लेकिन कैंसर से लड़ने का वीज़ा कहां है?

पिता फिलहाल कीमोथेरेपी और ब्रेविंग रेडिएशन थेरेपी से गुजर रहे हैं। माँ पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा है और वह उच्च रक्तचाप, उच्च शर्करा स्तर, रुक-रुक कर होने वाली खांसी जैसी असंख्य बीमारियों का शिकार हो गई है और एक तरह से मानसिक रूप से परेशान हो गई है। मैं क्यों? कोई भी मरीज यह सवाल पूछेगा और परिवार के लिए यह खबर सुनाना दुखदायी है। कैंसर, जिसे घातक ट्यूमर या घातक नियोप्लाज्म के रूप में भी जाना जाता है, बीमारियों का एक समूह है जिसमें मानव शरीर के अन्य भागों में फैलने और प्रवेश करने की प्रवृत्ति के साथ असामान्य वृद्धि होती है। सूर्य राशि बन जाती है रोगग्रस्त!

जिनेवा स्थित यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर एंड कंट्रोल के 155 देशों में फैले लगभग 800 सदस्य हैं। संस्था ज़ोर देकर कहती है कि बीमारी का शीघ्र पता लगाना और उपशामक उपाय बीमारी को चुनौती दे सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने विश्लेषण किया है कि भारत में कैंसर से लगभग 7 लाख मौतें होती हैं और हर साल लगभग 10 लाख लोग इस बीमारी का शिकार होते हैं। ऑन्कोलॉजिस्टों का दावा है कि महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा और डिम्बग्रंथि कैंसर बेहद प्रचलित है। तम्बाकू का सेवन, धूम्रपान और शराब

का अत्यधिक सेवन अन्य सहायक कारक हैं जो कैंसर में व्यापक वृद्धि का कारण बन रहे हैं।

यूनाइटेड स्टेट्स सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने तम्बाकू के उपयोग को %विकसित देशों में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण रोकथाम योग्य जोखिम और दुनिया भर में समय से पहले मौत का एक महत्वपूर्ण कारण% बताया है। कई देशों ने तम्बाकू की खपत को नियंत्रित करने के लिए उपयोग और बिक्री प्रतिबंधों के साथ-साथ पैकेजिंग पर मुद्रित बोल्ड चेतावनी संदेशों के साथ कड़े उपाय अपनाए हैं। धूम्रपान पर्यावरण को प्रदूषित करने के अलावा स्वरयंत्र और मुंह के कैंसर और उच्च रक्तचाप का कारण बनता है। द्वितीयक धूम्रपान निष्क्रिय धूम्रपान करने वालों के लिए भी उतना ही दुर्बल करने वाला है। डब्ल्यूएचओ का तर्क है कि अविकसित देशों में बेची जाने वाली सिगरेट में टार की मात्रा अधिक होती है और इन्हें फ़िल्टर किए जाने की संभावना कम होती है, जिससे संभावित रूप से तंबाकू और धूम्रपान से संबंधित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

एक चिंतित रोगी प्रार्थना करता है और आशा करता है कि विकास सौम्य हो। हालाँकि, कभी-कभी वे गलत स्थान पर होते हैं और ट्यूमर घातक होता है। मरीज को खबर कैसे दी जाए? रोगी और परिवार को सच्चाई बताने के लिए अत्यधिक कौशल और निपुणता की आवश्यकता होती है क्योंकि दोनों ही अत्यधिक संकट में हैं। ऑस्ट्रेलिया की ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रंजना श्रीवास्तव का मानना है कि खबर को अत्यधिक सावधानी, सावधानी और मानवीय स्पर्श के साथ पेश किया जाना चाहिए। इस घातक बीमारी से निपटने के लिए शीघ्र पता लगाने और शीघ्र इलाज के अलावा जीवनशैली में बदलाव भी मौलिक है।

डॉक्टर यकीनन धूम्रपान को मना करते हैं और मरीज को शराब से परहेज करने की सलाह देते हैं। व्यक्तियों को आहार और व्यायाम का एक कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता है। व्यायाम से एंडोर्फिन निकलता है जिसका मानव शरीर और दिमाग पर एनाल्जेसिक प्रभाव पड़ता है। योग का अभ्यास (एक योग्य चिकित्सक के तहत), प्राणायाम और सुदर्शन क्रिया जैसी श्वास तकनीकें मानव शरीर को विषहरण करने में मदद करती हैं। चाहे रोगी हो या स्वस्थ, मनुष्य को सकारात्मक संगति और विचारों से घिरा रहना चाहिए।

मन को शांत और संतुष्ट रखने का प्रबंधन मानसिक रूप से मजबूत और मजबूत होने में मदद करता है। कैंसर से बचे लोगों और उनके जीवन की कहानियों का प्रेरणादायक साहित्य पढ़ना एक जीवन नौका के रूप में कार्य करता है। समय छोटा हो रहा है। लेकिन हर दिन जब मैं इस कैंसर को चुनौती देती हूं, वह मेरे लिए एक जीत है, करिश्माई अभिनेत्री इंग्रिड बर्गमैन ने कहा।

आप की बात

जल-सेवा

भीषण गर्मी में पशु पक्षियों के लिए पानी का पात्र अवश्य रखे। पक्षियों के लिए दीवार पर या घर मे जल पात्र टांग कर एवं पशुओं के लिए घर के बाहर हौदी या बड़ा जल पात्र भर कर रखा जाए ताकि भीषण गर्मी में उनको जल आसानी से मिल सके। यह जल-सेवा पुनीत कार्य है। पशु पक्षियों को भी धरती पर रहने का उतना ही अधिकार है जितना इंसान का। पशु-पक्षियों में अद्भुत शक्ति होती है जिसका लाभ मनुष्यों को मिल सकता है। वे भूगर्भीय हलचलों जैसे हादसों से सचेत कर देते हैं तथा मालिक के प्रति वफादारी भी निभाते है। पशु-पक्षियों को कैद कर रखना अनुचित है। पक्षियों का अकस्मात ज्यादा संख्या में एकत्रित होकर कोलाहल करना तथा पशुओं के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आना जैसी घटनायें प्रकृति में परिवर्तन का संकेत देती हैं। चंद्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण, आंधी-तूफान, भारी बारिश या भूकंप जैसी घटनाओं का पूर्वानुमान पशु-पक्षियों को मनुष्यों से पहले हो जाता है। उनके व्यवहार के अध्ययन के लिए उनको अपने आसपास रखना, उनके भोजन का प्रबंध करना तथा गर्मियों में उनके लिए जल-सेवा जरूरी है। पशु-पक्षियों के साथ प्राकृतिक परिवेश में रहना मनुष्य को अनेक तनावों से मुक्त कर उसका जीवन सहज बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान करता है।

– **संजय वर्मा,** मनावर

मोदी का आत्मविश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 सालों में किए गए अपने काम को महज एक नमूना और मुख्य भोजन से पहले वाला ऐपेटाइज़र बताया है। उन्होंने ते कहा है कि अभी तो आपके सामने पूरी थाली का भोजन आना बाकी है। मोदी का कथन दिखाता है कि उनके अंदर कितना आत्मविश्वास है। वे आज हर सभा में कहते हैं कि यह 10 साल मात्र ट्रेलर थे, अभी पूरी पिक्चर बाकी है। मोदी का यह आत्मविश्वास जनता में बहुत प्रसन्नता, उम्मीदों तथा भविष्य के प्रति विश्वास भरने का काम करता है। लेकिन अनेक ऐसे विपक्षी नेता मोदी के इस आत्मविश्वास से बहुत भयभीत हैं जिन्होंने राजनीति को अपना घर भरने, जनता को लूटने तथा अपने परिवार को अमीर बनाने का साधन मान लिया था। ऐसे लोगों को निश्चित रूप से भयभीत होना भी चाहिए क्योंकि मोदी बार-बार यह भी कहते हैं कि जिसने जनता का पैसा लूटा है, उसे लौटाना भी पड़ेगा। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि देश में श्रीमती इंदिरा गांधी के बाद सर्वाधिक महत्वपूर्ण नेता की बन गई है। ऐसा लगता है कि आने वाले चुनाव में देश की जनता हर जगह मोदी को ही उम्मीदवार मान कर वोट देगी, भले ही वह अपने पुराने या नए उम्मीदवार से नाराज ही क्यों न हो।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

संतुलित दृष्टिकोण

राजस्थान व गुजरात में अत्यंत दुर्लभ प्रजाति के पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड-सोहन चिड़िया के लिए खतरनाक माने गए सोलर एनर्जी प्रॉजेक्ट से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित रुख अपनाया है। यह पर्यावरण, परिस्थितिकी और विकास को लेकर न्यायपालिका की नई सोच का संकेत करता है। यह शुभ संकेत है कि सुप्रीम कोर्ट अब सिर्फ कानूनी किताबों में ही उलझा हुआ नहीं रहकर देश-काल और परिस्थिति के हिसाब से उचित दृष्टिकोण अपना कर फैसला दे रहा है। ऐसे व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। यदि हम एक पहलू के प्रति ही दूराग्रह रखकर वर्तमान समय की जरूरत को नजरंदाज करेंगे तो वह भी हमारे लिए घातक होगा। सोन चिरैया के अलावा भी कई अन्य पक्षियों की प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं और इसके लिए कोई क्षेत्र विशेष जिम्मेदार नहीं है। अनेक लोगों में बड़ी संख्या में पक्षियों को मार कर अपना भोजन बना लेने की प्रवृत्ति भी बढ़ती जा रही है । इसके चलते भी यह सुंदर पक्षी नष्ट होते जा रहे हैं। भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर को भी मार कर खाने में लोग गुरेज नहीं करते हैं। ऐसे में जीव-जंतुओं की रक्षा और प्रजाति संवर्धन के लिए जागरूकता एवं शाकाहार के पक्ष में अभियान चलाने की जरूरत है।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

शत-प्रतिशत मतदान

भारत सम्पूर्ण विश्व का सबसे बड़ा एक लोकतांत्रिक देश है। यह बात सबको पता है। लेकिन देश का आम नागरिक रोजमर्रा की जिन्दगी में ज्यादा व्यस्त रहने के कारण अपने लोकतांत्रिक अधिकारों पर गौर नहीं करता है। लेकिन अब समय बदल रहा है। हम अपने सभी संविधान प्रदत्त अधिकारों को जानकर उनका उपयोग कर सकते हैं। सरकार चुनने के लिए मतदान करना हमारा सर्वाधिक महत्वपूर्ण अधिकार है। आम चुनाव के रूप में सामने आए इस लोकतंत्र के त्योहार में किसी पार्टी का नेता, कार्यकर्ता या समर्थक बनाने से कई गुना अच्छा होगा कि हर नागरिक मतदाता निष्पक्ष होकर अपना मतदान उसे करे जो उसके और देशहित के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हो। हमें उसे वोट देना चाहिए जो वास्तविक सेवक बनकर पूरे आत्म समर्पण से देश की जनता के लिए कुछ नया करे जिससे सबका भविष्य उज्जवल हो सके। आप सिर्फ मतदाता न बनकर रह जाए बल्कि देश के लोकतंत्र में सामने आएं, नेतृत्व क्षमता विकसित करें तथा समस्याओं के समाधान में योगदान करें। शत-प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

–**अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 7 अंक 67
फरीदाबाद, शनिवार, 13 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रूपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

टेस्ट श्रृंखला में भारतीय हॉकी टीम की लगातार चौथी हार

पेज - 12

पंचम माता स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा अर्चना की जाती है। स्कंदमाता को सृष्टि की पहली प्रसूता स्त्री माना जाता है।
मंत्र- 'या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।'

विस्तृत सामग्री पेज-11

बाजार

सेंसेक्स	75,000	▼	793.25
निफ्टी	22,753	▼	234.40
सोना	71,585	▲	1156 /10 gm
चांदी	82812	▲	1603 /kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 38.00°C
न्यूनतम 24.00°C

क्विक न्यूज

के. कविता की 15 अप्रैल तक रिमांड मिली

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के. कविता को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 15 अप्रैल तक सीबीआइ की कस्टडी में भेजा है। सीबीआइ ने कविता से पूछताछ करने के लिए 5 दिन की रिमांड मांगी थी। सीबीआइ का कहना है कि शराब नीति से जुड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए कविता का सबूतों से सामना कराने की जरूरत है। उन्होंने आप को रिश्वत के भुगतान के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उधर, के कविता के वकील ने सीबीआइ के इस एक्शन को अवैध बताया है। उन्होंने जांच एजेंसी पर मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कविता मनी लॉन्ड्रिंग केस में 26 मार्च से न्यायिक हिरासत में थीं। एजेंसी ने 11 अप्रैल को के. कविता को तिहाड़ जेल में गिरफ्तार किया था। रिमांड मिलने पर कविता को सीबीआइ हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा, जहां उनसे पूछताछ होगी। इससे पहले सीबीआइ ने 6 अप्रैल को तिहाड़ में कविता से पूछताछ की थी।

सिसोदिया ने जमानत के लिए नई याचिका दायर की

नई दिल्ली। आप के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए नई याचिका दायर की है। याचिका में इस बार उन्होंने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने का हवाला दिया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने मनीष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआइ और ईडी को नोटिस जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। मनीष शराब नीति घोटाला केस में तिहाड़ में बंद हैं।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

'मुख्य सचिव और सरकार को जिन पर नाराज होना चाहिए, वे सभी अधिकारी वीवीआइपी हैं'

वातानुकुलित दफ्तरों से बाहर नहीं निकलते अफसर, रहते हैं वीवीआइपी सुरक्षा घेरे में

जिन लोकसेवकों की लापरवाही से गई बच्चों की जान, तो उन पर एफआइआर क्यों न हो

पायनियर समाचार सेवा। महेंद्रगढ़

कनीना-सेहलंग मार्ग पर 11 अप्रैल की सुबह हुए बस हादसे ने एक बार फिर पोल खोल दी है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर हरियाणा के विभिन्न जिलों में प्रशासन बहुत ज्यादा गंभीर नहीं है। अब से पहले भी इसी तरह के कई हादसे घटित हो चुके हैं लेकिन सरकार और अफसरों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। शुक्रवार को मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद इस हादसे के बाद खुद को आक्रामक दिखाते हुए अफसरों को लताड़ लगाते दिखाई दिए लेकिन उनका यह एक्शन सिर्फ लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सिर पर लोकसभा चुनाव न होते तो यह कथित एक्शन भी न लिया जाता। दरअसल, भाजपा सरकार में आइएएस और आइपीएस वीवीआइपी प्रोटोकॉल के तहत सेवाएं दे रहे हैं। यूं कहो कि अब नौकरशाहों की जितनी मौज है, उतनी किसी अन्य की नहीं। जिन जिलों में पुलिस कमिश्नरी है, वहां तैनात सीपी फरियाद लेकर आने वाले पीड़ितों से अपने कार्यालय में वीवीआइपी सुरक्षा घेरे में मिलते हैं। पहले फरियादियों को अपनी शिकायत कार्यालय में बने कैबिन में डायरी करवानी होती है। उस कैबिन में बैठा सब इंस्पेक्टर या इंस्पेक्टर फरियादी द्वारा दी गई शिकायत की संबंधित चौकी-थाने से वैरीफिकेशन करता है, फिर यही कर्मी अपने हिसाब से सीपी को

रिपोर्ट देते हैं। उस रिपोर्ट को सामने रखकर सीपी साहब फरियादियों से मिलते हैं।

उदाहरण के लिए फरीदाबाद सीपी कार्यालय का हाल बताएं देते हैं। यहां पुलिस कमिश्नर अनिल आर्य है। ये अपने कार्यालय के मुख्य दरवाजे के बाहर एक डेक लगाकर उसके सामने खड़े हो जाते हैं। दोनों तरफ ब्लैक कैट कमांडो जैसे सुरक्षाकर्मी उन्हें घेरे रहते हैं, वे एक-एक करके फरियादियों को डेक के सामने भेजते हैं, जहां सीपी उनकी शिकायत पढ़ते हैं, अपने अधिकारी द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट देखते हैं, फिर अपना हुकुम सुनाकर शिकायतकर्ता को भेज दिया जाता है। ज्यादातर शिकायतों को एसीपी, डीसीपी को मार्क किया जाता है, जबकि उन्हीं अधिकारियों की शिकायत लेकर फरियादी सीपी कार्यालय तक आते हैं। ऐसे हालात प्रदेश में अधिकांश एसपी-सीपी कार्यालयों में देखने को मिलता है।

भिवानी में अपनी पत्नी, बेटी, बेटा के साथ जहर निगलने वाला किसान आत्महत्या से पहले पुलिस अफसर से मिलने उसके दफ्तर गया था, लेकिन वह पीड़ित परिवार से नहीं मिला। अंततः परिवार को आत्महत्या ही करनी पड़ी।

प्रदेश में हालात ये है कि अफसर अपने एसी कार्यालयों से बाहर निकलकर थाने-चौकियों में के हालात चेक नहीं करते, ट्रैफिक व्यवस्था, कानून व्यवस्था, बाजार, स्कूल, मॉल, वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा प्रबंधों का जायजा नहीं लेते। प्रदेश में डीजीपी पद से रिटायर्ड एक अधिकारी ने बताया कि थाने, चौकियों में पोस्टिंग के लिए कार्यालय में तैनात एक-दो अधिकारी खेल खेलते रहते हैं। ये अफसर भी उसी खेल में उलझे रहते हैं।

मुख्य सचिव स्तर पर यदि अफसरों को पाठ पढ़ाना है तो उन्हें अपने अधिकारियों को कहना होगा कि वे वीवीआइपी प्रोटोकॉल छोड़कर फरियादियों के साथ निर्भय माहौल में मिलें, उनकी शिकायतों की जांच पड़ताल खुद करें। एसी दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़क नापें और देखें, कानून की कौन-कौन धज्जियां उड़ा रहे हैं। खुद पुलिसवाले धज्जियां उड़ाते दिखाई देंगे, लेकिन ये सब एसी दफ्तरों में बैठकर नहीं दिखाई देने वाला।

बता दें, 11 अप्रैल की सुबह 9.30 बजे कनीना सेहलंग मार्ग पर गांव उन्हानी मोड़ी के पास 38 बच्चों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इनमें छह बच्चों की मौके पर मौत हो गई थी। 25 बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें दो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने केवल बस चालक धर्मेंद्र, प्रिंसिपल दीप्ति, स्कूल संचालक के बड़े बेटे होशियार को गिरफ्तार किया है।

सुबह-सवेरे देखिये स्कूली वाहनों की दशा

जिस वक्त स्कूली बच्चों को ठूंसकर तमाम स्कूली वाहनों में ले जाया जा रहा होता है, उस वक्त पुलिस अफसर, शिक्षा अधिकारी, आरटीओ अधिकारी पूरी तरह नींद से जागे भी नहीं होते। सड़क पर दूर तक पुलिसकर्मी नहीं होते। स्कूली वाहनों की फिटनेस, उसे चलाने वाले ड्राइवर का लाइसेंस, ड्रेस, उनकी मानसिक स्थिति इत्यादि की जांच करने वाले जिम्मेदार विभागीय अधिकारी सड़क पर कहीं नहीं दिखाई देते। कोई हादसा होता है तो उसके बाद कुछ दिन कार्रवाई जैसी हलचल दिखाई देती हैं, लेकिन फिर हाल पुराने ढर्रे पर आ जाता है। यही सच और सत्य है।

बस हादसे से मुख्य सचिव नींद से जागे, घड़ियाली पैंतरे दिखाए

बताया जा रहा है कि महेंद्रगढ़ स्कूल बस हादसे के बाद सरकार अलर्ट हुई है। सरकार के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद भी गहरी निंद्रा से जाग गए। घड़ियाली पैंतरे आजमाएं। उन्होंने वीडियो कान्फ्रेंसिंग की। सभी जिलों के डीसी, सीपी, एसपी को हिदायत देने लगे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए आदेश देते हुए चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक बस को चेक किया जाए, जो भी सुरक्षा वाहन पॉलिसी नियम पूरे नहीं करता उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में डीसी, एसपी एक्शन लें, ताकि हम अपने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। वहीं दूसरी तरफ ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर असीम गोयल ने परिवहन विभाग की मीटिंग में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि हमारे लिए सबसे बड़े शर्म की बात कि हम बच्चों की सुरक्षा करने में नाकामयाब हुए। इन बच्चों का बलिदान जाया नहीं जाना चाहिए। स्कूल वालों के बीच प्रशासन की दहशत दिखाई देनी चाहिए। गलत करने वालों को जूते लगाओ। भले कितना हो बड़ा कनेक्शन वाला क्यों न हो। अगर काम नहीं हुआ तो इनको भी नोटिस दूंगा। साथ ही आईपीसी में केस भी दर्ज करवाऊंगा। बच्चों की जान के प्रति हमारा यही प्रायश्चित है कि हम अब बेस्ट क्वालिटी बस, बेस्ट फैसिलिटी के साथ उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि कितना भी बड़ा दबंग हो, उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। भगवान न करे, लेकिन अगर भविष्य में ऐसा हुआ तो मैनेजमेंट व स्कूल से पहले संबंधित ऑफिसर के खिलाफ कार्रवाई होगी।

हादसों के बाद अधिकारियों पर होनी चाहिए एफआइआर

लोक सेवक यदि अपनी ड्यूटी में कोताही बरतता है, उसकी लापरवाही से यदि कोई हादसा होता है, तब उस पर भी एफआइआर होनी चाहिए। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद को चाहिए कि कनीना बस हादसे में बच्चों की मौत का जिम्मेदार मानते हुए संबंधित सभी अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराएं। जिन्होंने हादसे से संबंधित स्कूल बस को सड़क पर चलने से नहीं रोका, जिस शराबी ड्राइवर की सड़क पर ट्रैफिक कर्मियों द्वारा पहचान नहीं की गई, उनपर एफआइआर दर्ज होनी चाहिए। जिन अभिभावकों ने अपने बच्चों को खोया है, क्या वे सारी जिंदगी इस गम को भूल पाएंगे।

बच्चों की मौत पर अब राजनीति शुरू

पीड़ित परिवारों से मिले दीपेंद्र हुड्डा, प्रशासन को जिम्मेदार बताया

रोहतक। महेंद्रगढ़ जिले के गांव उन्हानी में हुए स्कूल बस एक्सीडेंट के पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा पहुंचे। उन्होंने अपने बच्चों को खोने वाले परिजनों से मिलकर ढांढ़स बंधाया। साथ ही उन्होंने चोटिल छात्रों का हालचाल भी जाना व उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस हादसे की वजह से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पीड़ित परिवारों ने कहा कि यह हादसा नहीं बल्कि हत्या है। क्योंकि अभिभावकों ने कई बार इस ड्राइवर के विरुद्ध शिकायत भी की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उसे अनसुना कर दिया। हादसे के दिन बस ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। यहां तक पता चला है कि एक गांव में लोगों ने ड्राइवर को रोक भी लिया था, उससे बस की चाबी छीन ली थी। लेकिन हैरानी की बात है कि फिर भी स्कूल प्रबंधन ने उसी ड्राइवर से बस चलवाई। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हादसे के लिए ड्राइवर के शराब पीने से लेकर स्कूल प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन की कई स्तर पर हुई लापरवाही जिम्मेदार है। इसलिए जरूरी है पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। ताकि सच्चाई सामने आए और परिजनों को न्याय मिल सके। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दोषियों पर ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जो नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूलों के लिए सबक साबित हो। साथ ही पूरे हरियाणा की स्कूल बसों की सुरक्षा को पूरी तरह रिव्यू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसा कोई हादसा पेश न आए।

कानून का उल्लंघन करने पर केंद्रीय सूचना आयोग का चुनाव आयोग को दिया नोटिस

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना आयोग (सीईसी) ने चुनाव आयोग (ईसी) को नोटिस भेजा है। सीईसी ने चुनाव आयोग पर कानून के उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए जवाब मांगा है। दरअसल, देश के कुछ एमिनेंट पर्सनैलिटीज ने एक आरटीआइ लगाई थी, जिसमें चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया गया था। आयोग ने 30 दिन बीत जाने के बाद भी इस आरटीआइ का जवाब नहीं दिया, सीनियर अधिकारियों ने पहली अपील भी नहीं सुनी, जिस पर सीईसी ने नाराजगी जाहिर की।

पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अधिकारी एमजी देवसहायम ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ईवीएम, वीवीपीएटी और वोट-काउंटिंग प्रोसेस की विश्वसनीयता पर को लेकर एक याचिका दायर की थी। सूचना का अधिकार (आरटीआइ) अधिनियम के तहत चुनाव आयोग के पास आवेदन कर उस पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा। अभ्यावेदन 2 मई 2022 को चुनाव आयोग को भेजा गया था। 22 नवंबर 2022 को दायर आरटीआइ के जरिए देवसहायम उन व्यक्तियों और पब्लिक ट्रिब्यूनल्स के बारे में जानना चाहते थे जिन्हें इस मुद्दे पर आयोजित किसी भी बैठक का विवरण और सभी फाइल भेजी गई थी।

उमर अब्दुल्ला का भाजपा को चैलेंज

'अगर सबकी जमानत जब्त नहीं हुई तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा'

एजेंसी। श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को चैलेंज दिया है। शुक्रवार (12 अप्रैल) को कहा कि भाजपा कश्मीर की तीनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। अगर उनकी जमानत जब्त नहीं हुई तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

उमर ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल है। आज आपातकाल

जैसे हालात हैं, लेकिन इसे आपातकाल नहीं कह सकते। हमारा लोकतंत्र 1975 की इमरजेंसी की तुलना में ज्यादा खतरे में है। उमर ने कहा- बीजेपी आरोप लगाती है कि एनसी-पीडीपी के जम्मू-कश्मीर में अच्छा काम नहीं किया। इस पर रिएक्शन देने की जरूरत नहीं है। लोग इसका जवाब देंगे।

एनसी ने उमर अब्दुल्ला को बारामूला से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, शिया नेता आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी को श्रीनगर से टिकट दिया है। उमर ने कहा- आज लोकतंत्र उस समय की तुलना में ज्यादा खतरे में है। इंदिरा में तब चुनाव कराने का साहस था। उन्होंने चुनाव से पहले किसी को गिरफ्तार नहीं किया था। देखिए आज क्या हो रहा है। जहां भी भाजपा को खतरा महसूस होता है, कुछ एजेंसियों के माध्यम से उम्मीदवारों को गिरफ्तार कर लिया जाता है। अगर यह आपातकाल नहीं है तो विपक्षी नेताओं को रिहा करें और देखें कि लोग उनका समर्थन करते हैं या नहीं।

भारत ने जारी की एडवाइजरी

'नागरिक ईरान-इजराइल न जाएं, वहां दो दिन में इजराइल पर हमला कर सकता है'

अमेरिका बोला- चीन, सऊदी टकराव रुकवाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान-इजराइल में बढ़ते तनाव के बीच भारत समेत पांच देशों ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें नागरिकों को ईरान और इजराइल न जाने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी जारी करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस शामिल हैं। भारत ने शुक्रवार शाम को ट्रैवल एडवाइजरी में कहा है कि सभी भारतीय नागरिक अगली सूचना तक ईरान और इजराइल की यात्रा न करें। विदेश मंत्रालय ने कहा, ईरान या इजराइल में रहने वाले भारतीय वहां के दूतावासों से फौरन संपर्क करें और अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं। सभी अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें और कम से कम बाहर निकलें। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एम्बेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इजराइल को बदला लेने की धमकी दी थी।

भारत ने यह ट्रैवल एडवाइजरी उस वक्त दी है जब अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) ने दावा किया है कि ईरान अगले दो दिन में इजराइल पर हमला कर सकता है। डब्ल्यूएसजे ने शुक्रवार को अमेरिकी इंटेलिजेंस के हवाले से ये जानकारी दी है।

डब्ल्यूएसजे ने रिपोर्ट में ईरानी अधिकारी के हवाले से बताया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई से हमले का प्लान साझा किया गया है। वो इसके मुमकिन असर का आकलन कर रहे हैं। हालांकि, अधिकारी ने ये भी कहा है कि अभी फैसला फाइनल नहीं किया है। वहीं, इजराइल अपने उत्तर और पश्चिम दोनों हिस्सों में ईरान के हमले से निपटने की तैयारी कर रहा है। ईरान-इजराइल में जारी तनाव के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब, चीन, तुर्किये और कई यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की। ब्लिंकन ने सभी देशों से ईरान को हमला न करने के लिए मनाने को कहा है।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- विवाद को बढ़ावा देना किसी के भी हित में नहीं है। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका ने इजराइल में काम करने वाले अपने नागरिकों और खासकर डिप्लोमैट्स के लिए एडवाइजरी जारी की। अमेरिका ने अपनी एम्बेसी के स्टाफ को यरुशलम, तेल अवीव या बीरशेबा शहर से बिना सावधानी के बाहर न जाने को कहा है।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीन, तुर्किये और कई यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की। ब्लिंकन ने सभी देशों से ईरान को हमला न करने के लिए मनाने को कहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीन, तुर्किये और कई यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की। ब्लिंकन ने सभी देशों से ईरान को हमला न करने के लिए मनाने को कहा है।

इजराइल-हमास जंग के 6 महीनों में ऐसा पहली बार है, जब अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए इस तरह की एडवाइजरी जारी की। मिडिल ईस्ट में एक और जंग छिड़ने के आभास के बीच अमेरिका के सेंट्रल कमांड के जनरल माइकल कुरिला गुरुवार को इजराइल पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक वो ईरानी हमले की स्थिति में इजराइल को गाइड करेंगे। उन्होंने इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारियों से मुलाकात की। अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसी ने भी आशंका जताई थी कि एक अप्रैल के हमले के बाद ईरान इजराइल पर जवाबी अटैक कर सकता है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने 10 अप्रैल को कहा था-इजराइल को इस हमले की सजा जरूरी दी जाएगी।

उन्होंने सीरिया में हमारे दूतावास पर हमला किया। यह ईरान की धरती पर हमला करने जैसा ही था। दूसरी तरफ, ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड कैमरन ने भी ईरानी विदेश मंत्री को फोन करके उन्हें विवाद को आगे न बढ़ाने की सलाह दी। इससे पहले गुरुवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान का नाम लिए बिना कहा था कि इजराइल गाजा के अलावा दूसरे मोर्चों पर भी जंग की तैयारी कर रहा है।

मार्च में रिटेल महंगाई घटकर 4.85 फीसद हुई

नई दिल्ली। रिटेल महंगाई मार्च 2024 में घटकर 4.85 फीसद पर आ गई है। इससे पहले फरवरी 2024 में महंगाई 5.09 फीसद रही थी। मार्च में खाने-पीने के सामान की कीमतें घटी है। आरबीआइ की महंगाई को लेकर रेंज 2 फीसद -6 फीसद है।

आदर्श स्थिति में आरबीआइ चाहेगा कि रिटेल महंगाई 4 फीसद पर रहे। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 फीसद है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

पायनियर
हरियाणा, शनिवार, 13 अप्रैल, 2024

अग्रवाल कॉलेज में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता, महासचिव दिनेश कुमार गुप्ता और कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने पिछले सेमेस्टर की विश्वविद्यालय परीक्षा में बेहतर स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। देवेंद्र कुमार गुप्ता ने एमएससी रसायन विज्ञान की मानसी गुप्ता को रसायन विज्ञान प्रथम सेमेस्टर में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 3100 रुपये और बीएससी की जीया शर्मा को यूनिवर्सिटी मेरिट सूची में तीसरा स्थान हासिल करने के लिए 2100 रुपये की पुरस्कार राशि सौंपी। उन्होंने यह भी कहा कि इन दोनों छात्रों को प्रवेश शुल्क में छूट दी जाएगी। देवेंद्र कुमार गुप्ता ने छात्रों की उपलब्धि से बहुत खुश हुए और छात्रों को अपने प्रयास जारी रखने और अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

बीजेपी शासनकाल में बेरोजगारी दर चरम पर है: पूनम चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इनेलो पलवल की महिला जिला प्रधान पूनम चौधरी ने शुक्रवार को पायनियर को दिए अपने इंटरव्यू में कहा है कि देश व प्रदेश की बीजेपी सरकार हर मुद्दे पर पूरी तरह से नाकामयाब रही है। बीजेपी ने सत्ता में आने से पहले जनता से जो वायदे किए थे, उनमें से किसी भी वायदे को पूरा नहीं किया गया। बीजेपी के शासनकाल में बेरोजगारी दर चरम पर है। महंगाई हर रोज आसमान छू रही है। जहां शिक्षा महंगी है, वहीं कानून व्यवस्था का पूरी तरह से दिवालिया पिट गया है। बीजेपी नेताओं द्वारा विकास के लंबे-चौड़े दावे किए जा रहे है। परंतु धरातल पर कोई विकास हुआ दिखाई नहीं देता है। विदेशी पूंजी निवेश बढ़ने के लंबे-चौड़े दावे किए जा रहे हैं। परंतु वास्तव में देश में नाममात्र का ही पूंजी निवेश हुआ है। जिससे रोजगार के अवसर बढ़ने की जगह घटे हैं। लोग आज रोजगार प्राप्त करने के लिए इधर उधर भाग रहे हैं, परंतु रोजगार कहीं पर भी नहीं मिल रहा है। बीजेपी की नीतियों से जनता दुखी व परेशान है। आने वाले लोकसभा चुनाव में जनता बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुकी है। पूनम चौधरी ने बताया कि बीजेपी ने सत्ता में आने से पूर्व प्रति वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वायदा जनता से किया था। परंतु दस साल बीत जाने के बाद भी इस वायदे पर कोई अमल नहीं हुआ है। जिससे देश व प्रदेश में बेरोजगारी एक समस्या के रूप में खड़ी हो गई है। गांवों व शहरों में रोजगार नहीं मिलने युवा परेशान व दुखी हैं। बीजेपी ने सत्ता में आते ही सरकारी विभागों व कंपनियों को निजी हाथों में अपने पसंदीदा सरमायेदारों को बेचना शुरू कर दिया। इससे रोजगार मिलने की जगह लोगों का रोजगार छीनने का काम किया है। पैट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दाम आधे करने के नाम पर बीजेपी सत्ता में आई थी, परंतु इनके दाम आधे करने की जगह दो से तीन गुणा बढ़ा दिए गए। जिसमें महंगाई आसमान छू रही है। लोगों की जरूरत के सामान आटा, तेल, दाल व सब्जियों के दाम काफी महंगे हो गए। जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है। चौधरी ने कहा कि बीजेपी विकास के लंबे-चौड़े दावे कर रही है। परंतु पिछले इनेलो के कार्यकाल में बनी सड़कों, स्कूलों, गांवों की गलियों, चौपालों आदि की मरम्मत कराने में भी सरकार विफल रही है। जिसकी वजह से सड़कों, सरकारी स्कूलों आदि की दयनीय हालात है। उन्होंने बताया कि सीवर लाइनों की सफाई भी नहीं हो रही है। जिससे शहरी क्षेत्रों में जगह जगह गलियों में सीवर का पानी भरा रहता है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासनकाल में शिक्षा कई गुणा महंगी हो गई है। जिससे शिक्षा महिलाओं, ग्रामीणों व गरीबों की पहुंच से बाहर हो रही है। निजी स्कूल बच्चों की स्कूल फीस हर रोज बढ़ा रहे हैं, परंतु सरकार का उनपर कोई कंट्रोल नहीं है। जिससे बच्चे बीच में ही शिक्षा को छोड़ने को मजबूर हैं। बीजेपी ने किसानों की आय दोगुना करने का वायदा किया था। किसानों की आय बढ़ाने की जगह किसानों की खेती में काम आने वाले खाद, बीज, खरपतवार नाशक दवाइयों, डीजल व कृषि उपकरणों के दाम बढ़ा दिए गए हैं। जिससे किसानों पर भार बढ़ गया है। इससे किसानों को एमएसपी के लिए आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। पेंशन को 90 प्रतिशत तक काट दिया है।

नौ साल पहले स्मार्ट सिटी घोषित जिला फरीदाबाद बुनियादी सुविधाओं से वंचित

बीके अस्तपाल में आज भी नहीं है आईसीयू की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

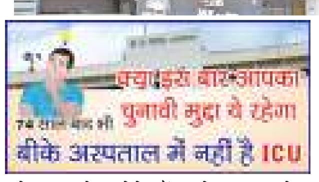

फरीदाबाद के स्मार्ट सिटी बनने के बाद भी यहां के मुख्य सरकारी बीके अस्पताल को आईसीयू की सुविधा नहीं मिली है। इसकी वजह से फरीदाबाद-पलवल जिले के लोगों को गंभीर रूप से बीमार व दुर्घटना आदि में घायल होने पर इलाज में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि आईसीयू सुविधा नहीं होने से हर रोज बीके अस्पताल से दर्जनभर मरीजों को दूसरे शहरों के अस्पतालों में इलाज के लिए रेफर कर दिया जाता है। इनमें से आधे मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही इलाज की कमी की वजह से दम तोड़ देते हैं। जो इलाज के लिए दूसरे शहर पहुंच भी जाते हैं, वे इलाज में लगने वाले पैसे की वजह से आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। लोगों का कहना है कि स्मार्ट सिटी बनने की पहली शर्त उस शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार होता है। परंतु फरीदाबाद के मामले में इस योजना पर आज तक अमल नहीं किया गया है।

लोगों का कहना है कि बीके अस्पताल में बगैर देरी से आईसीयू की सुविधा शुरू की जाए। जिससे लोगों को बेहतर इलाज समय पर मिल सके। फरीदाबाद शहर की अहमियत व रुतबे को देखते हुए भारत सरकार ने इस सिटी को 2015 में स्मार्ट सिटी घोषित किया था। जिससे इस शहर के विकास में चार चांद लग सकें। वहीं यहां के शहरवासियों और आसपास के शहरों, कस्बों और गांवों के लोगों को फरीदाबाद स्मार्ट सिटी में सभी प्रकार की सुविधाएं मिल सकें। परंतु स्मार्ट सिटी घोषित होने के नौ साल बीत जाने के बाद भी यहां के सबसे बड़े व पुराने बीके अस्पताल में आईसीयू की सुविधाएं नहीं दी गई है। बीके अस्पताल में हर रोज सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आते हैं। उनमें से गंभीर मरीजों को बीके अस्पताल से डॉक्टर दिल्ली, रोहतक के अस्पतालों में रेफर कर देते हैं। इनमें से आधे मरीज अधिक खून बहने व समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं।

फरीदाबाद के स्मार्ट सिटी बनने के बाद भी यहां के बीके अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं मिलना स्मार्ट सिटी के चार्ट की शर्तों की ही उल्लघंन है। बीके अस्पताल में तुरंत ही आईसीयू की सुविधा शुरू किया जा सके। जिससे स्मार्ट सिटी के लोगों को बेहतरीन व समय पर इलाज मिल सके।
-रामकुमार

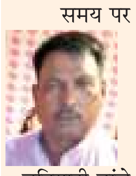

स्मार्ट सिटी बनने की पहली शर्त उस शहर के अस्पतालों में बुनियादी ढांचे में सुधार होता है। परंतु फरीदाबाद के मामले अभी तक इस पर अमल नहीं किया जा रहा है। इससे यहां पर आने वाले मरीजों को इलाज में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।
-सुरेंद्र कुमार

सफाई कर्मचारी बोले: दस साल की नौकरी के बाद भी वेतन दस हजार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही लोग सत्ताधारी व विपक्षी पार्टियों की नीतियों और वायदों पर जमकर चर्चा कर रहे हैं। इस अवसर पर कुछ लोग जहां सत्ताधारी भाजपा के शासनकाल को अच्छा व सुनहरी बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग इस समय को बेकार व जनता के लिए बहुत ही कठिन समय बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि भाजपा के शासन में आने के बाद लोगों की आय में कमी आई है, परंतु मंहगाई बढ़ी है। इसकी वजह से लोगों का जीना दूभर हो गया है। लोगों का कहना है कि सत्ताधारी पार्टी द्वारा विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, परंतु वास्तविकता अलग है। पिछले दस साल के बीजेपी शासनकाल में सड़कों की मरमम्त तक नहीं हुई है, जिससे सड़कों की बुरी हालात है। लोगों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पलवल के हुडा सेक्टर दो के चौक पर फुर्सत के क्षण मिलने पर सफाई कर्मचारी चन्नी का कहना था कि वे दस साल पूर्व नगर परिषद में सफाई के कार्य के लिए लगे थे। उस समय उन्हें दस हजार रुयये प्रति महीना वेतन सफाई करने के लिए दिए जाते थे। परंतु दस साल बीत जाने के बाद भी उनके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। इन पिछले दिनों में खाने-पीने के दामों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इसकी वजह से यह वेतन काफी कम है। उन्होंने बताया कि हरियाणा उच्च न्यायलय ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए पॉलिसी बनाकर उनको पक्का करने के लिए कई बार आदेश सरकार को दिए हैं, परंतु उन पर कोई अमल नहीं हुआ है। कई कच्चे कर्मचारी इस दौरान दम तोड़ चुके हैं। उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी भी नहीं मिली है। दूसरे सुंदरलाल का कहना था कि नगर परिषद में व दूसरे विभागों में सफाई कर्मचारियों के हजारों पद खाली पड़े हैं, परंतु सरकार उनको भर नहीं रही है। इससे सफाई कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ रोष है। वहीं तीसरी कर्मचारी धर्मो का कहना था कि उन्हें नौकरी करते हुए दस साल हो गए। अब सरकार को उनकी नौकरी पक्की करने की तरफ ध्यान देना चाहिए। धर्मो का कहना था कि सत्ता में आने से पूर्व बीजेपी ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वायदा किया था।

निगम कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम मुख्यालय पर म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन फेडरेशन के आह्वान पर टैक्स ब्रांच के पांचों जोन की शनिवार और रविवार को लगाई गई ड्यूटी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व फेडरेशन के प्रधान रमेश कुमार जागलान और मंच का संचालन उद्यान विभाग के प्रधान सुरजीत नागर ने किया। प्रदर्शन के पांचों जोन के टैक्स ब्रांच के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया तथा यूनियन ने कर्मचारियों की समस्याओं का ज्ञापन आयुक्त को देने गए, परंतु उनकी अनुपस्थिति में ज्ञापन संयुक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार को सौंपा। प्रदर्शन में फेडरेशन के वरिष्ठ उपप्रधान शाबिर खान, मैकेनिकल वर्कर यूनियन के प्रधान अतर सिंह भडाना, महासचिव प्रमोद रोहिल्ला, उद्यान विभाग के महासचिव तेजपाल चौधरी, कार्यालय के वरिष्ठ उपप्रधान देवेंद्र पहलवान, शशि अद्याना, रामकिशन बघेल, कर्मचंद बघेल, महेंद्र डागर, संजय चपराना सहित कई अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे। फेडरेशन के प्रधान रमेश कुमार जागलान ने जोर देकर कहा कि सर्वे का काम बाजिद कंपनी को किसी भी हालत में नहीं देने दिया जाएगा, क्योंकि सरकार ने पहले सर्वे का काम याशी कंपनी को सौंपा था, जो बिल्कुल भी ठीक तरह से नहीं हुआ। जिसका खामियाजा नगर निगम कर्मचारियों और जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वे का काम हमारे कर्मचारी बेहतर कर सकते हैं, जिससे नगर निगम का करोड़ों रुपया बचेगा और यह कदम निगम हित में होगा। कर्मचारियों की समस्या का समाधान तीन दिन के अंदर नहीं हुआ तो यूनियन आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएगी।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट मो.नं. -7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक मो. नं. - 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ मो.नं.- 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मो.नं.-9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक, मो. नं. 9910754890
- हितेश सेक्टर-29, फरीदाबाद मो. नं. 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

कि जैसे डूबने वाला किनारा ढूँढना चाहे
कि जैसे कोई प्यासा जल की धारा ढूँढना चाहे
कि जैसे कोई भटका सा मुसाफिर मंज़िलें ढूँढे
मेरा दिल अब भी तेरा ही सहरा सहारा ढूँढना चाहे

देश विदेश की बजाय स्थानीय मुद्दों की बात करने वाले को देंगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कई मुद्दे ऐसे हैं जो चुनावी एजेंडे में नहीं दिखते। स्थानीय स्तर पर जो भी प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं वे प्रचार प्रसार तो जरुर कर रहे हैं, पर सही मायने में जनपद का विकास कौन करेगा इस बात को लेकर मतदाताओं में मंथन जरूर है। लोग किस तरह के प्रत्याशी को चुन कर संसद में भेजना चाहते है और उनकी उम्मीदें क्या है। इसी को लेकर मतदाताओं ने विभिन्न मुद्दों पर बेबाक टिप्पणी की।

मतदान करना सभी का दायित्व है। हर किसी को लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करना चाहिए। तभी हम एक अच्छा शासन दे सकेंगे, जो देश का विकास करने के साथ साथ हर तरह से इसे मजबूत बना सके। **आशा भारद्वाज**

लोकसभा चुनाव में ऐसा प्रतिनिधि चुना जाए जो न केवल क्षेत्र का विकास करे, बल्कि लोगों के समस्याओं को भी दूर कर सके। जो प्रतिनिधि जनता से दूर रहते हैं ऐसे प्रतिनिधियों से जनता को भी दूरी बनानी चाहिए। **हरिओम**

इस चुनाव के शुरूआती दौर में कुछ मुद्दे सुनाई पड़े, पर धीरे-धीरे उन मुद्दों के स्थान पर नेताओं के आरोप व प्रत्यारोप सुनाई पड़ने लगे। इनमें अर्थ, नीति व सामाजिक मुद्दों को जैसे लोग भूल चुके हैं। ऐसे में जो इन मुद्दों से जुड़ा हो, उनके पक्ष में मतदान करना चाहिए। **प्रतिभा सिंगला**

देश की समस्याओं पर कम चर्चा हो रही है। प्रत्याशी कौन सा विकास कार्य करेंगे और कैसे करेंगे यह सब न बताकर मारने, काटने और बांटने की बात कर रहे हैं। **दशरथ शर्मा**

एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के विद्यार्थियों का नामी कंपनियों में चयन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा शुक्रवार को मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान में अध्ययनरत बीसीए, बीबीए, एमवीए, एमबीए, डी फार्मा, बी फार्मा, एम फार्मा, बीएड, एमएड में अध्ययनरत अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. पुनीत गोयल, संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. पूनम गोयल और एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. सुनील दलाल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से आई कंपनियों, बैंकों, अस्पतालों और स्कूलों के नियुक्ति प्राधिकारियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के चेयरमैन डॉ. पुनीत गोयल ने अपने संबोधन में सभी सफल अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुये बताया कि एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के रोजगारपरक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहता है और आगे भी करता रहेगा।

संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. पूनम गोयल ने सभी सफल अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुये बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए, जिससे अपने जीवन लक्षण को प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर संस्थान के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. सुनील दलाल द्वारा संस्था में आने पर सभी कंपनियों का धन्यवाद किया और बच्चों को यह आश्वासन दिया कि आने वाले समय में इस तरह के प्लेसमेंट ड्राइव और भी कराए जाएंगे, ताकि बच्चे पढ़ते हुए ही रोजगार प्राप्त कर सकें। संस्थान में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 1000 के लगभग प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्लेजहैमर ने आरसी इलेवन की टीम को 10 विकेट से हराया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी फरीदाबाद के मैदान पर आरसी इलेवन का मुकाबला स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की टीम के साथ हुआ। आरसी इलेवन की टीम के कप्तान ने टॉस जीता व पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। आरसी इलेवन की तरफ से पारी की शुरुआत विशाल प्रीतम व सुमंत कुमार ने की। विशाल प्रीतम 15 गेंदों में सात रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। सुमन कुमार ने 48 गेंदों में 21 रन की पारी खेली, वे भी प्रांजिल की एक गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। दोनों ओपनरों के पवेलियन लौट जाने के बाद ग्रवित बखेरिया व माहि बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। परंतु वे भी शून्य व पांच रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद बल्लेबाजी के लिए तनिष्क नागर व हिमांशु आर्य बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। तनिष्क नागर ने 25 गेंदों में 11 रन बनाए, वे उदय नागर की एक गेंद पर आउट होकर पवेलियल लौट गए। हिमांशु आर्य ने 45 गेंदों में 20 रन बनाए, वे भी प्रांजिल की एक गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद विशाल चंद्रवंशी व अमित प्रजापति बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। विशाल चंद्रवंशी एक रन के निजी स्कोर पर, वहीं अमित प्रजापति छह रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद विकास मिश्रा व आदित्य पांडे बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। विकास मिश्रा तीन रन पर, वहीं आदित्य पांडे बगैर खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। निखिल दो रन बनाकर नाबाद लौटे।

आरसी इलेवन की पूरी टीम 28.5 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर केवल 107 रन ही बना सकी। स्लेजहैमर की तरफ से प्रांजिल ने 7.5 ओवर में 32 रन देकर पांच विकेट व उदय नाहर ने छह ओवर में 15 रन देकर एक विकेट व आरव दुआ ने तीन ओवर में 15 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। स्लेजहैमर का अन्य कोई गेंदबाज कोई विकेट नहीं ले सका।

स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की टीम की तरफ से पारी की शुरूआत प्रणव राजीव दत्ता व गुरतेज सिंह ने की। प्रणव राजीव दत्ता ने 25 गेंदों में बेहतरीन 52 रन बनाए, वहीं गुरतेज सिंह ने 21 गेंदों में 50 रन बनाए। दोनों ओपनरों की बेहतरीन व टिकाऊ पारी की वजह से स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की टीम ने 7.3 ओवर में ही बगैर कोई विकेट खोए 111 रन बना कर मैच जीत लिया। स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की टीम ने यह मैच 10 विकेट से जीत लिया। आरसी इलेवन की तरफ से विशाल चंद्रवंशी ने दो ओवर में 39 रन, अमित प्रजापति ने तीन ओवर में 24 रन, निखिल ने एक ओवर में 17 रन, ग्रवित बखेरिया ने एक ओवर में 12 रन व प्रिंस राय ने तीन गेंदों में 19 रन दिए। आरसी इलेवन का कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में कामयाब नहीं हुआ। प्रणव राजीव दत्ता के 52 रन बनाने, गुरतेज सिंह द्वारा 50 रन बनाने व सुमंत कुमार द्वारा 21 रन बनाने पर उन्हें बेहतरीन बल्लेबाज चुनाव गया। वहीं प्रांजिल द्वारा पांच विकेट लेने, आरव दुआ द्वारा दो विकेट लेने व उदय नाहर द्वारा एक विकेट लेने पर उन्हें बेहतरीन गेंदबाज की उपाधि दी।

रोटरी क्लब ने वकीलों के लिए लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रोटरी क्लब पलवल परिवार तथा जिला बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान शुक्रवार को यहां जिला बार रूम में नेत्र एवं दंत जांच तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जबकि संयोजन जिला बार एसोसिएशन के उपप्रधान विक्रम वशिष्ठ ने किया। शिविर की अध्यक्षता जिला बार के प्रधान रविंद्र चौहान ने की। शिविर में 198 वकीलों की नेत्र एवं दांतों के अलावा बीपी व शूगर की जांच की गई। जांच के दौरान कई वकीलों को चश्मा का नंबर भी दिया गया। वहीं आंखों में डालने वाली दवा भी निशुल्क दी गई। रक्तदान शिविर में 33 वकीलों ने रक्तदान किया। वकीलों की जांच एबल चेरिटेबल अस्पताल के चिकित्सकों ने की, वहीं अपना रक्त बैंक द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। अतिरिक्त सत्र एवं न्यायाधीश राजेश गर्ग, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत राणा तथा न्यायाधीश पूनम कंवर ने शिविर का अवलोकन कर इस पुनीत कार्य के लिए जिला बार व रोटरी परिवार की सराहना की।

न्यायाधीशों ने कहा कि इस तरह के शिविर समय-समय पर लगते रहने चाहिएं। वकीलों को भी अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी पुनीत का कार्य है। रक्तदान करने से किसी भी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र तेवतिया, सुनील डागर, मनीष भारद्वाज, नंद किशोर, राजकुमार तेवतिया, राजीव लांबा, मुकेश डागर, राजेंद्र बैंसला, हेतराम भारद्वाज सहित काफी संख्या में वकील उपस्थित थे।

डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद ने धूमधाम से मनाया बैसाखी उत्सव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद में बैसाखी पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रो. वीसी रोहित जैनेंद्र जैन व स्कूल की प्रिंसीपल डॉक्टर बिंदु शर्मा ने सभी को बैसाखी की बधाइयां दीं व छात्रों को बैसाखी पर्व से परिचित करवाते हुए बताया कि इसी दिन सन 1699 में सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस दिन किसान खुशी से झूम उठते हैं, क्योंकि उनकी फसल पककर तैयार हो जाती है। सिख समाज भी इस दिन को नववर्ष के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद नन्हे बच्चों ने पंजाबी वेशभूषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल डॉक्टर बिंदु शर्मा ने कहा कि बैसाखी का त्योहार कृषि नववर्ष का प्रतीक है। इस दिन किसान फसल को आशीर्वाद देने और भरपूर फसल देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। किसान आने वाले अच्छे समय के लिए दुआ भी करते हैं। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन पंजाबी नए साल की शुरुआत भी होती है। उन्होंने कहा कि डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद का हमेशा यही प्रयास रहता है कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कृति से जोड़ा जाए और भारतीय परंपरा से अवगत कराया जाए। स्कूल के शिक्षकगणों ने इस उत्सव का स्वागत करते हुए गीत गाते हुए एक दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर बच्चों ने अपनी वैसाखी पर आधारित शिल्पकला का भी प्रदर्शन किया।

अभिनय कौशल से बढ़ते हैं रोजगार के अवसर : ललित परिमू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को अभिनय के गुर सिखा रहे हैं शक्तिमान धारावाहिक के डॉक्टर जयकाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शक्तिमान धारावाहिक में डॉक्टर जयकाल के नाम से मशहूर हुए बॉलीवुड एक्टर ललित परिमू युवाओं को अभिनय कौशल सिखा कर उनके व्यक्तित्व के विकास में लगे हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में शुरू हुई पांच दिवसीय अभिनय योग कार्यशाला में 22 विद्यार्थी अभिनय कला के गुर सीख रहे हैं। ललित परिमू उनको व्यक्तित्व विकास एवं स्वयं के प्रकटीकरण की बारीकियां बता रहे हैं। विद्यार्थी अभिनय के साथ जुड़ कर काफी प्रफुल्लित महसूस कर रहे हैं। ललित परिमू का कहना है कि अभिनय कौशल एक योग है।

इसके माध्यम से व्यक्तित्व का विकास संभव है। यह एक थैरेपी भी है, जिससे अवसाद और मानसिक व्याधियों से मुक्ति पाई जा सकती है। ललित परिमू ने इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अभिनय में हम वह बनते हैं, जो हम वास्तव में नहीं होते हैं। खेल-खेल में हम कुछ और बन जाते हैं। हम अभिनय के माध्यम से खुद को एक्सप्रेस करना सीखते हैं। अपने भाव को बेहतर तरीके से प्रकट करना सीखते हैं। ललित परिमू ने कहा कि अभिनय एक रस है। इससे हमारे मस्तिष्क में अच्छे हार्मोन रिलीज होते हैं और हमें फील गुड होता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को वृक्ष बनाना सिखाया जा रहा है, ताकि वह वृक्ष के भावों, संवेदनाओं और पीड़ा को अनुभूत कर सकें। इसके माध्यम से विद्यार्थी भाव भंगिमाएं सीख रहे हैं और उनको प्रकट कर रहे हैं। अभिनेता ललित परिमू ने बताया कि पर्यावरण पर आधारित उनका नाटक वसुधैव कुटुंकक‌म है। विद्यार्थी कार्यशाला के समापन पर उसका प्रस्तुतिकरण करेंगे।

कार्यशाला में हिस्सा ले रहे समीर वशिष्ठ का कहना है कि हम यहां इमोशन, स्पीच, बॉडी लैंग्वेज से लेकर खुद को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के गुर सीख रहे हैं। खुद को कैसे एक्सप्रेस करना है, यह हमारे वास्तविक जीवन में भी काम आएगा।

मंडी में खरीद के बावजूद नहीं हो रहा उठान

70 हजार क्विंटल हो चुकी खरीद, लिफ्टिंग जीरो, बारिश में नुकसान की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ अनाज मंडी में अब तक 70 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। किसान लगातार फसल लेकर मंडी में पहुंच रहे हैं। बावजूद इसके अभी तक गेहूं का उठान नहीं हो रहा है। मंडी में गेहूं डालने के लिए जगह कम होने से किसान व आढ़ती परेशान हैं।

मार्केट कमेटी सचिव इंद्रपाल का कहना है कि अब तक मंडी में 70 हजार क्विंटल की खरीद हो चुकी है। अभी मंडी से उठान नहीं हो पाया। इसमें लिफ्टिंग एजेंसी की कमी है। मंडी से न के बराबर उठान हुआ है। उन्होंने कहा है कि इस दौरान मौसम का भी बदलाव चल रहा है। मंडी के आढ़तियों को सूचित कर दिया है कि तिरपाल की व्यवस्था कर ली गई है। लेकिन उठान को लेकर संबंधित लिफ्टिंग एजेंसी को कई बार पत्र लिखा जा चुका है। इसके बावजूद भी अभी तक उन्होंने मंडी से एक ट्रक भी पास नहीं किया है। अगर ऐसे में बारिश हो जाती है तो अनाज का काफी नुकसान हो जाएगा।

> फसल की खरीदारी के चलते किसानों को कोई परेशानी नहीं रही है। ट्रांसपोर्टर का टेंडर करके मंजूरी के लिए चंडीगढ़ भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद उठान भी शुरू कर दिया जाएगा।
>
> **-सीमा शर्मा, सरकारी खरीद नोडल अधिकारी व जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक फरीदाबाद**

वहीं फूड एंड सप्लाई डिपार्टमेंट के अधिकारी गिरीश मिश्रा का कहना है टेंडर लेट पास हुआ है। जिसकी वजह से मंडी से अभी उठान नहीं हो पा रहा। अभी ट्रांसपोर्ट और मजदूर की कमी है। इसकी वजह से भी लिफ्टिंग नहीं हो पा रही है। सरकार की तरफ से आदेश हैं कि सभी गाड़ियों में जीपीएस लगाना अनिवार्य है। उसमें भी अभी देरी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मंडी से जल्दी से जल्दी उठान हो, इसके लिए सभी ट्रांसपोर्टेशन को आदेश जारी कर दिया गया है।

उनकी मंडी में हर रोज 10 से 12 किसान ट्रॉली से गेहूं लेकर आ रहे हैं। जिनकी खरीद नमी की जांच करने के बाद की जाती है। खरीद तो हो रही है, लेकिन ट्रांसपोर्टर की ओर से उठान नहीं हो रहा है। इसकी वजह से मंडी में गेहूं का ढेर लगा हुआ है। अभी गेहूं की मात्रा कम है, लेकिन आने वाले 10 दिनों के अंदर यह मात्रा बढ़ाकर 10 गुना हो जाएगी। इसके बाद मंडी में गेहूं को रखने की जगह नहीं रहेगी, जिससे परेशानी बढ़ेगी।

चुनाव के दौरान एग्जिट पोल पर रहेगी पाबंदी

पलवल। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव व 12 राज्यों के 25 विधानसभाओं के उप निर्वाचन के चलते लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा एक के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग की अधिसूचना की उप धारा दो के दृष्टिगत 19 अप्रैल से एक जून 2024 तक कोई भी व्यक्ति और मीडिया किसी भी प्रकार का एग्जिट पोल का आयोजन नहीं कर सकता है। लो.प्र.अ. 1951 की धारा का उल्लंघन करता है तो उसको दो वर्ष तक का कारावास या जुर्माना अथवा दोनों ही दंड दिए जा सकते हैं।

इस बारे में निर्वाचन आयोग की अधिसूचना की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी नेहा सिंह ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ-साथ 12 राज्यों के 25 विधानसभाओं के उप निर्वाचन के चलते 19 अप्रैल को सुबह सात बजे से एक जून को दोपहर शाम 6.30 बजे तक लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क व निर्वाचन आयोग की उप धारा दो के उपबंधों की दृष्टिगत कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा। इसके अलावा किसी निर्गम मत सर्वेक्षण का परिणाम को प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन, प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति में प्रचार नहीं करेगा। अगर कोई भी इसका उल्लांन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महंत ने कार में किया महिला से दुष्कर्म

वीडियो बनाकर दो वर्ष तक शारीरिक शोषण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

घरेलू परेशानी को लेकर शनिधाम पर गई महिला की मुलाकात एक महंत से हुई। आरोप है कि महंत ने नशीला प्रसाद खिलाकर उसे बेहोश कर दिया और फिर कार में दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल किया। इसके बाद दो वर्ष तक उसका शारीरिक शोषण किया।

बहीन थाना पुलिस के अनुसार, दिल्ली के एक सेक्टर की रहने वाली युवती ने कोर्ट में दायर इस्तगासा में कहा है कि वह घरेलू तौर से परेशान थी तो वह कोकिलावन स्थित शनिधाम दर्शन के लिए पहुंची। शनिधाम पर उसकी मुलाकात एक महंत के चोले में मिले जानकीदास नामक से हुई। उसने अपने आपको शनिदेव मंदिर का महंत बताया। उसने उसे सांत्वना दी कि भगवान की भक्ति में आस्था रखने से सब दुख दूर हो जाते हैं।

आरोप है कि 18 जून 2021 को जानकीदास अपनी फॉर्च्युनर कार में चालक संजू के साथ बहीन गांव स्थित माता के दर्शन कराने की बात कहकर अपने साथ ले गया। लेकिन जब गाड़ी होडल-नूंह रोड़ पर पहुंची तो चालक संजू ने गाड़ी को लोहिना गांव की तरफ मोड़ दिया। युवती के पूछने पर महंत ने कहा बहीन गांव का रास्ता यही है।

कुछ आगे चलते ही महंत जानकीदास ने उसे खाने के लिए प्रसाद के रूप में मिठाई दी। उसके खाते ही वह बेहोश हो गई। जब उसे होश आया तो उसके व मंहत के शरीर पर कपड़े नहीं थे। महंत ने उसके साथ सड़क किनारे गाड़ी खड़ी करके दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली।

युवती का कहना है कि उसने विरोध किया तो महंत व उसके ड्राइवर ने अवैध हथियार निकाल कर उसे जान से मारने व ब्लैकमेल करने की धमकी देते हुए उसे होडल हाईवे पर गाड़ी से उतार कर फरार हो गए। डर के कारण इस बारे में किसी को नहीं बताया। इसके बाद आरोपी उसे ब्लैकमेल कर दो वर्ष तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

उसने विरोध किया तो उसके ड्राइवर संजू ने उसे कुछ पैसे देकर शांत रहने को कहा। उसका कहना है कि जब महंत के अत्याचारों से तंग आ गई और मरने को तैयार हो गई तो उसने इसकी शिकायत बहीन थाना पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया और अदालत के आदेश पर बहीन थाना पुलिस ने आरोपी महंत जानकीदास व उसके चालक संजू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

डीएवी पब्लिक स्कूल में आर्य समाज स्थापना दिवस मनाया

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डीएवी पब्लिक स्कूल पलवल के प्राचार्य तरुण प्रकाश ने बताया कि विद्यालय में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के सभी छात्र यज्ञ में उपस्थित हुए। इस अवसर पर उनकी कक्षा अध्यापक एवं अध्यापिकाएं भी अपस्थित रहीं। यज्ञ आचार्य देशराज शुक्ला के ब्रह्मत्व में संपन्न हुआ। यज्ञ द्वारा बच्चों को संदेश दिया गया की 149 वर्ष पूर्व महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना काकडवाडी नामक स्थान पर मुंबई के अंदर डॉक्टर माणिक चंद की वाटिका में की थी। 150वें वर्ष का शुभारंभ है। साथ ही महाराजा वीर विक्रमादित्य के राज्याभिषेक के 2081 वर्ष के प्रारंभ होने पर बच्चों को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। एक अरब 96 करोड़ आठ लाख 53000 125वें वर्ष की सृष्टि दिवस के अवसर पर सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं विद्यालय के प्राचार्य ने सभी अभिभावकों एवं छात्रों को दीं। विद्यालय के धर्म शिक्षक देशराज शुक्ला ने बताया कि आज ही के दिन महर्षि दयानंद सरास्वती ने मुंबई में डॉ माणिक चंद्र की वाटिका में आर्य समाज की स्थापना की थी। उस समय प्रारंभ में आर्य समाज की स्थापना के समय आर्य समाज के 28 नियम बनाए गए थे। आर्य समाज का उद्दश्य था संसार में एक ईश्वर की पूजा, सत्य का ग्रहण, असत्य का त्याग, मानव मात्र की सेवा तथा राष्ट्र सेवा सर्वोच्च था। उसी सोच के करण राष्ट्र स्वतंत्र हुआ। महर्षि दयानंद वो पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वाराज्य शब्द का प्रयोग किया था।

छात्र-छात्राओं को साइबर ठगी से बचने के लिए किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

थाना सेक्टर-58 प्रभारी की टीम पुलिस चौकी सिकरोना ने पंडित एलआर कॉलेज कबूलपुर बांगर में छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड, महिला विरुद्ध अपराध, डायल 112 एप, नशे के दुष्परिणाम एवं लोकसभा चुनाव में मतधिकार का शांतिपूर्ण तरीके से प्रयोग करने के लिए जागरुक किया।

चौकी प्रभारी ने पंडित एलआर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आए दिन साइबर फ्रॉड की वारदात घटित हो रही हैं। साइबर फ्रॉड से संबंधित व्यक्ति के लालच के कारण झांसे में आकर लोग साइब फ्रॉड के शिकार हो रहे हैं। आरोपी व्यक्ति को कुछ मिनट में ही लोन देने के लिए, घर बैठे लोन उपलब्ध करवाने का लालच देती हैं और फर्जी एप डाउनलोड करवाकर, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर, घर बैठे कमाने का लालच, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगाने के नाम पर, वाउचर जीतने के नाम पर, बैंक कर्मी बनकर, विदेश भेजने के नाम पर, जॉब दिलाने के नाम पर, अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड से ब्लैकमेल कर इत्यादी के नाम पर फ्रॉड करते हैं। बचाव में अगर किसी के पास कोई अज्ञात नंबर से कॉल आती है तो उसको अपने बैंक खाते, पैन, आधार कार्ड की निजी जानकारी न दें।

अगर किसी भी विभाग से कॉल आए तो पीड़िम को तुरंत सरकारी नंबर से संपर्क कर जानकारी लेनी चाहिए। किसी भी विदेशी नंबर से कॉल आए तो नजरअंदाज करें। व्हाट्सएप पर अनजान नंबर से विडियो कॉल, कॉल आने पर नजरअंदाज करें। किसी की बहकावे में न आएं, क्योंकि यूट्यूब चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करने पर पैसे नहीं मिलते। इस तरह के मैसेज भेजने वालों के नंबर को ब्लैक लिस्ट में डालें और 1930 पर उनकी रिपोर्टिंग करें।

नशे के दुष्परिणाम के संबंध मे पुलिस टीम ने बताया कि बच्चे पहले तो शौकिया तौर पर नशा करना शुरु कर देते हैं, फिर धीरे-धीरे आदत हो जाती है। फिर नशा की पूर्ति के लिए पैसे के लिए घर पर लडाई-झगड़ा करते हैं। पैसे नहीं मिलने पर चोरी, स्नेचिंग इत्यादि अपराध करने लगते हैं, जिससे बच्चे की खुद की तो जिंदगी बर्बाद होती है, साथ ही परिजन भी परेशान रहते हैं।

इसके साथ ही महिला विरुद्ध अपराध के संबंध में जागरुक करते हुए बताया कि अगर कोई महिला घर या ऑफिस से निकलती है और कोई व्यक्ति उसका पीछा करता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। महिला अपनी सुरक्षा के लिए डायल 112 एप डाउनलोड करें।

कस्टमर केयर अधिकारी बनकर 5.72 लाख रुपये ठगे

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ उपमंडल के छांयसा गांव में जनरल स्टोर चलाने वाले मनोज ने बेटी की पढ़ाई के लिए केनरा बैंक से साढ़े तीन लाख रुपये का लोन लिया था। वह अपनी बेटी को कंप्यूटर साइंस कराना चाहते थे, जिसका पूरे साल का खर्च दो से ढाई लाख रुपये के बीच है, लेकिन शायद उनको अंदाजा नहीं था कि वह इस लोन के चलते वह ठगी का शिकार हो जाएंगे। मनोज से ठग ने बजाज फाइनेंस के कस्टम केयर कर्मचारी बनकर पांच लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित का कहना है कि उनके पास छह लाख रुपये जमा पूंजी थी। वह चाहते तो बेटी की पढ़ाई में इस जमा पूंजी को भी खर्च कर सकते थे, लेकिन फिर उनका हाथ तंग हो जाता था। इसलिए उन्होंने पढ़ाई के कैनरा बैंक से एजुकेशन लोन लिया। साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी गई शिकायत में बताया कि उनका कैनरा बैंक में अकाउंट हैं।

उन्होंने बजाज फाइनेंस से साढ़े तीन लाख रुपये का एजुकेशन लोन लिया हुआ है। पांच दिन पहले मनोज कुमार के पास किसी व्यक्ति का फोन आया।

साइबर ठगी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल प्रभारी इंस्पेक्टर अमित की टीम ने फरीदाबाद में बैठकर इंडिया बुल्स धानी फाइनेंस कंपनी से लोन दिलवाने के नाम पर साइबर फ्रॉड करने वाले तीन आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों द्वारा तमिलनाडु के लोगों से तमिल भाषा में बात कर फरीदाबाद के इंडिया बुल्स धानी फाइनेंस कंपनी से लोन कराने के नाम पर ठगी कर रहे थे। आरोपी तमिल भाषा में फर्जी बैंक अधिकारी, कर्मचारी बनकर लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाते थे। आरोपी व्हाट्सएप के माध्यम से बैंक के फर्जी लोन का लोन अप्रूवल लेटर अलग-अलग नाम के व्यक्तियों के नाम के गलेरी मे है तथा व्हट्सअप के माध्यम लेटर अलग अलग अज्ञात व्यक्तियों को भेजे जाने पाये गए। आरोपियों के खिलाफ सूचना मिलने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

भाजपा के शासनकाल में 10 वर्षों में प्रदेश में हुआ चहुंमुखी विकास: गुर्जर

कहा, तिगांव, पृथला और एनआईटी में रैली को संबोधित करेंगे सीएम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मोदी ने 10 वर्षों में देश में विकास के नये आयाम सेट किए हैं, जिसमें देश आर्थिक तौर पर मजबूत हुआ है। देश में हर ओर मोदी की लहर है और जनता के आशीर्वाद व मोदी के 10 वर्षों के काम के दम पर इस बार भाजपा 400 सीटों पर कमल खिलाएगी और मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद सेक्टर 28 कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ फरीदाबाद की विधानसभाओं में होने वाली विजय संकल्प रैलियों के आयोजन की तैयारियों को लेकर चर्चा के दौरान यह कहा। लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों के निमित्त भाजपा संगठन में लगातार बैठकों का दौर जारी है और इसी कड़ी में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सेक्टर-28 कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में तिगांव विधायक राजेश नागर, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सचिव अजय गौड़, वरिष्ठ उप महापौर देवेंद्र चौधरी, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, पार्षद अजय बैसला, जितेंद्र यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश रेक्सवाल, पार्षद रवि भड़ाना, रवि भड़ाना, जिला उपाध्यक्ष अनिल नागर, महिला मोर्चा अध्यक्ष राजबाला सरदाना, अमित मिश्रा, उमेश सरपंच मंडल अध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

कृष्णपाल गुर्जर ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में फरीदाबाद में होने वाली रैलियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को शाम पांच बजे तिगांव विधानसभा के सेक्टर-31 स्थित दशहरा ग्राउंड और 14 को ही शाम पांच बजे बडखल विधानसभा के एसजीएम नगर स्थित बुद्ध विहार पार्क में विजय संकल्प रैली का आयोजन किया जायेगा। 18 अप्रैल को सुबह 10 बजे पृथला विधानसभा के गदपुरी टोल के पास विजय संकल्प रैली का आयोजन होगा और 19 अप्रैल को शाम पांच बजे एनआईटी विधानसभा स्थित डबुआ अनाज मंडी में विजय संकल्प रैली का आयोजन किया जायेगा, जिसको प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संबोधित करेंगे। 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली तिगांव विधानसभा रैली में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और 14 को ही बड़खल विधानसभा रैली को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल संबोधित करेंगे। इस अवसर पर कृष्णपाल गुर्जर ने रैलियों के आयोजन के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। लोकसभा संयोजक अजय गौड़ ने बैठक में कार्यकर्ताओं से रैलियों के आयोजन के विषय में जानकारी दी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंपी। लोकसभा संयोजक अजय गौड़ ने कहा कि फरीदाबाद लोकसभा की विधानसभाओं में आयोजित होने वाली सभी रैलियों के लिए जनता में उत्साह है और बड़ी संख्या में जनता अपने प्रिय नेताओं को सुनने आएगी। अजय गौड़ ने कहा कि संख्या के मामले में फरीदाबाद में होने वाली सभी विजय संकल्प रैलियां ऐतिहासिक होंगी।

संक्षिप्त समाचार

आयुष एवं बागवानी विभाग ने किसानों को जागरूक किया

पलवल। जिला आयुष अधिकारी डॉ. संजीव कुमार के मार्गदर्शन में आयुष ग्राम बडौली में आयुष विभाग एवं बागवानी उद्यान विभाग पलवल द्वारा संयुक्त तत्वावधान में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। जिला बागवानी उद्यान विभाग से डॉ. योगेश शर्मा ने किसानों को जागरुक करते हुए कहा कि किसानों को आज के समय में खेतों में औषधीय पौधे जैसे एलोवेरा, अश्वगंधा, शतावरी, गुग्गुल आदि का उत्पादन भी करना चाहिए, जिससे फसल चक्र अच्छा रहता है। उन्होंने बताया कि किसानों को फलदार पौधे जैसे आम, अमरूद, जामुन आदि के बाग लगाने की ओर भी ध्यान देना चाहिए। जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। सरकार गैर परंपरागत खेती के लिए सरकार समय समय पर कई योजनाएं चलाती है तथा अनुदान भी देती है। आज के आधुनिक समय में जहां हर तरफ फैक्ट्री तथा व्यवसाय के कारण अच्छी जमीन कम हो रही है, ऐसे में किसानों को पारंपरिक खेती छोड़ खेती के दूसरे स्वरूप को अपनाना चाहिए। जिससे किसानों की आय में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होती है तथा पारंपरिक खेती का नुकसान भी कम होता है। डॉ. उर्वशी ने किसानों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए देसी खानपान अपनाने तथा ऋतु अनुसार भोजन करने के लिए बताया। इस जागरूकता कार्यक्रम में किसानों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि आयुष ग्राम बडौली में किसानों के साथ समन्वय से जागरूकता कायक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं।

शिविर में छात्राओं को दिया योग का प्रशिक्षण

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल व योग समिति अहरवां के संयुक्त तत्वावधान में योगाचार्य गुरमेश सिंह के सानिध्य में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहरवां में योग विज्ञान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन गायत्री महामंत्र के उपरांत योग गुरु मास्टर प्रताप सिंह डागर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रिंसिपल डॉ. मोनिका रानी ने की तथा संयोजन बलवीर सिंह रावत ने किया। शिविर के दौरान योगाचार्य गुरमेश सिंह ने छात्राओं को योगासन में त्रिकोणासन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, पद्मासन, गोमुखासन, पश्चिमोत्तानासन, उत्थित पद्मासन, पदमबकासन, चक्रासन, सर्वांगासन, हलासन, सूत गर्भासन, मयूरासन, शीर्षासन, एक पद सिकंदरासन, पदम सर्वांगासन, करणपिंड आसन, धनुरासन, भुजंगासन, वज्रासन आदि का अभ्यास कराया गया। साथ ही जोगिंग जॉगिंग, सेकंद चालन, हस्त चालन, कट्टी चालन, गिरवा चालन के साथ सूक्ष्म व्यायाम कराए गए। प्राणायाम में भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम विलोम, शीतकारी, शीतली आदि कराए गए। इस अवसर पर ओमवीर, धारा सिंह, अमरचंद, शमशेर सिंह, इंद्रपाल, राकेश, सुरेंद्र कुमार, जगबीर सिंह, उमेश, जगदीश, कामता मंगला, गीता, कल्पना, सुशील, बबली, मंजू स्टाफ सहित सभी ने योग शिविर का लाभ उठाया।.

प्राचार्य ने स्टाफ के अनुसंधान की सराहना की

फरीदाबाद। नेहरू कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर तथा कंप्यूटर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम अहलावत के कुशल निर्देशन में कंप्यूटर विज्ञान के एक्सटेंशन लेक्चरर मिसेज रश्मि गेरा और एमएससी कंप्यूटर विज्ञान के छात्र निशांत भामला ने भारतीय धारात्मक संपत्ति पर एक पेटेंट प्रकाशित किया है। इस पेटेंट में, उन्होंने आईओटी आधारित स्मार्ट कृषि के विषय पर अपने अनुसंधान और नवाचारों को प्रस्तुत किया है। इस पेटेंट के माध्यम से, उन्होंने कृषि क्षेत्र में आईओटी के उपयोग के माध्यम से तकनीकी उन्नति को सुधारने के लिए अपने योगदान को साझा किया है। प्राचार्या तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने रश्मि गेरा और निशांत भामला के अनुसंधान को सराहते हुए, इस पेटेंट को उनकी योगदान की प्रशंसा की।

ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का किया निरीक्षण

पलवल। गत दिनों ओलावृष्टि और बारिश के कारण किसानों की खराब हुई फसल का फरीदाबाद के मंडलायुक्त संजय जून और पलवल जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने बामनीखेड़ा गांव के खेतों में जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेतों में जाकर खराब हुई फसल को देखा और संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। फसल खराबे को लेकर जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने तहसीलदार, कानूनगो और पटवारी को निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द खराब हुई फसल का निरीक्षण कर रिपोर्ट भेंजें, ताकि किसानों को जल्द मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि फसल खराबा की रिपोर्ट तैयार करते समय एक-एक पहलु का ध्यान रखा जाए और स्टीक जानकारी सरकार को उपलब्ध करवाई जाए।

बच्चों को चुनावी पाठशाला लगाकर किया जागरूक

पलवल। डोनर्स क्लब जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदान जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत क्लब ने झाबरनगर स्थित एसवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मतदाता जागरूक अभियान के अंतर्गत चुनावी पाठशाला आयोजित की गयी। इस अवसर पर क्लब के संयोजक विकास मित्तल और सह संयोजक अल्पना मित्तल ने बच्चों को जागरुक करते हुए बताया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का सदुपयोग करेगा। इसलिए प्रत्येक युवा को चाहिए जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो वह अपना तथा अपने परिवार का वोट अवश्य बनवाए और निश्चित तिथि पर पहले मतदान करे और फिर जलपान करे। इसी कड़ी में उन्होंने बच्चों को बताया कि लोकतंत्र में बिना भय, बिना लालच, बिना भेदभाव के अपने मत का सदुपयोग जरुर करें, ताकि लोकतंत्र की स्थिति मजबूत हो सके।

स्कूल के अपने वाहनों व बाहरी वाहनों में

बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी स्कूलों की होगी

कनीना की घटना के बाद निजी स्कूल वाहनों को लेकर हरकत में आई सरकार

हरियाणा के मुख्य सचिव ने प्रदेशभर में स्कूल बसों की जांच के आदेश दिए

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के करीब 500 निजी स्कूलों और उनकी करीब 2600 बसों व अभिभावकों द्वारा अपने स्तर पर बच्चों को स्कूल भेजने वाले वाहनों में बच्चे सुरक्षित रहें, इसके लिए संबंधित प्राइवेट स्कूल प्रबंधक की जिम्मेदारी रहेगी। जिला का एक भी बच्चा असुरक्षित वाहन में घर से स्कूल तक का सफर नहीं करेगा। स्कूली वाहनों में स्कूल जाने वाले बच्चों का सफर सुरक्षित हो, कनीना की घटना के बाद सरकार हरकत में आ गई है।

कनीना की दुखद घटना के बाद सरकार ने निजी स्कूलों के वाहनों की जांच समेत अन्य कई बिन्दुओं की जांच के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद, डीजीपी शत्रुजीत कपूर व शिक्षा विभाग की एसीएस जी. अनुपमा ने प्रदेशभर के जिला उपायुक्तों व अन्य अधिकारियों

गुरुग्राम में निजी स्कूल के वाहनों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी निशांत कुमार यादव।

के साथ बैठक करके स्कूली वाहनों की फिटनेस समेत सभी कमियों पर गंभीरता से काम करने के आदेश दिए। इस दौरान डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि जिला में सभी स्कूली वाहनों और उनके चालकों का व्यापक स्तर पर निरीक्षण किया जाएगा। जो भी स्कूल वाहन सुरक्षित नहीं पाया गया, उसे जब्त कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। अधिकारियों से मुख्य सचिव ने आदेश दिए कि हर एक जिला में स्कूल वाहनों की चेकिंग होनी चाहिए। जो कोई वाहन सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के अनुरूप नहीं पाया जाता है, उसे बंद कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल वाहनों के चालक पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और ड्राईविंग लाईसेंस धारक होने चाहिए। उनकी मेडिकल फिटनेस ठीक होनी चाहिए। कोई भी चालक अप्रशिक्षित या नशे का आदी पाया जाता है तो उसे फौरन स्कूल वाहन से हटाया जाए। डीसी ने बताया कि शनिवार और रविवार को जिला में पांच स्थानों पर उपमंडल के अनुसार प्राइवेट स्कूलों की बसों और वैन की चेकिंग की जाएगी।

स्कूली वाहनों में इन नियमों की करनी होगी पालना : सरकारी नियमों के अनुसार एक स्कूल वाहन में जीपीएस सिस्टम, स्वस्थ व प्रशिक्षित चालक-परिचालक, फस्ट एड बॉक्स, बस पर पीला रंग, स्कूल प्रबंधक के फोन नंबर, बस में सीसीटीवी कैमरा, 50 कि.मी. प्रति घंटा की गति का स्पीड गर्वनर होना आवश्यक है। बस में रंगीन शीशे या पर्दे नहीं लगे होने चाहिए। इस अवसर पर एडीसी हितेश कुमार मीणा, आरटीए सचिव गजेंद्र सिंह, डीईओ कैप्टन इंदु बोकन कसाना, डीईईओ मनीराम आदि उपस्थित रहे।

डीसीपी, एसीपी ने शंकर चौक पर वाटर कूलर का किया शुभारंभ

गुरुग्राम के शंकर चौक पर वाटर कूलर का शुभारंभ करते डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज व एसीपी सुखवीर सिंह।

गुरुग्राम। ट्रैफिक पुलिस गुरुग्राम द्वारा आम आदमी के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए गर्मी के मौसम में शंकर चौक पर लोगों के लिए शीतल पेयजल के लिए वाटर कूलर लगवाया। इसका उद्घाटन डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज एवं एसीपी सुखवीर सिंह ने किया।

इस अवसर पर डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने कहा गर्मी के मौसम में रोड पर चलने वाले लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध होगा। उद्योग विहार में आने जाने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस जगह से हजारों लोग काम करने के लिए निकलते हैं। उन लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पीने का पानी मिलेगा। इसके साथ ही आम आदमी को हर चौक पर पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत हाइवे के किनारे कुछ और प्रमुख चौक-चौराहों पर लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पीने का पानी मिलेगा। इसके पहले यातायात पुलिस द्वारा पीने के पानी के मटके भी रखे गए हैं। अब इसके साथ-साथ ही वाटर कूलर लगाने की शुरुआत की है। इस अवसर पर ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार हाइवे वन प्रभारी ने बताया कि अभी हाइवे पर सरहौल बार्डर, शंकर चौक, इफको चौक, एटलस चौक, सिग्नेचर टावर चौक के पास अभी पानी की व्यवस्था की है। पुलिस प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से यहां पर भी वाटर कूलर लगाए जाने की व्यवस्था की जाएगी। और गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध हो सके। इसके लिए प्रशासन पूर्ण व्यवस्था करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी के मौसम में यातायात करने वाले किसी भी यात्री को कोई परेशानी नहीं हो। इसका भी ख्याल रखा जा रहा है। इस अवसर पर कर्नल बक्शी और निहाल सिंह, सरवन, लक्ष्मण कुमार आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मनाई ईद, गले मिलकर दी एक-दूसरे को मुबारकबाद

सोहना। क्षेत्र के ग्रामीण और शहर में स्थापित मस्जिदों पर ईद की नमाज अमन चैन के वातावरण में पढ़ी गई। सभी मस्जिदों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनी रही। ईद की नजाम पढ़ने के बाद एक दूसरे को गले लगकर बधाइयां दी। गुरुवार को रमजान के माह की आखिरी नमाज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्थित मस्जिदों पर पढ़ी गई। नमाज पढ़ने का समय लगभग सभी मस्जिदों पर सुबह 9 बजे का रहा था। 9 बजे से पहले ही नमाजियों ने मस्जिदों पर पहुंचना शुरू कर दिया। शहर के वार्ड-19 में स्थित सबसे बड़ी और प्राचीन मस्जिद पर सबसे ज्यादा भीड़ थी। इसके अलावा नेहरु बाजार, पुराना लेबर चौक, अंबेडकर बाईपास, रायपुर, सांचौली, धुनेला में बनी मस्जिदों पर नमाज पढ़ी गई। नगर परिषद के गांव धुनेला में एलिवेटेड मार्ग के साथ बनी मस्जिद के सामने खाली परिसर में सैकड़ों की संख्या में नमाज पढ़ी। नमाज पढ़ने के बाद एक दूसरे को गले लगकर मुबारिक बाद दी गई। नमाज पढ़ने से पहले मस्जिदों पर मौलानाओ ने कुर्बान के आधार पर हिंसा को छोड़ अमन चैन के रास्ते पर चलने का संदेश दिया।

पर्यावरण को समर्पित रही महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती

गुरुग्राम में महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 197वीं जयंती पर राहगिरों को पौधे वितरित करने के दौरान कुआं पूजन करने जा रही महिलाओं को पौधे वितरित करते समाज उत्थान न्यास संस्था की सदस्य।

गुरुग्राम। समाज सुधार, पर्यावरण सुधार की बातें सिर्फ भाषणों में ही नहीं होनी चाहिए, इन्हें धरातल पर भी उतारा जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से समाज उत्थान न्यास संस्था गुरुग्राम की ओर से महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 197वीं जयंती को पर्यावरण को समर्पित किया। इस दौरान राहगिरों को 197 पौधे वितरित करके उन्हें हरियाली के लिए प्रेरित किया गया। समाज उत्थान न्यास गुरुग्राम संस्था के पदाधिकारियों की ओर से इस बार महात्मा ज्योतिबा राव फूले की 197वीं जयंती को कुछ अलग तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया था। जयंती उत्सव को पर्यावरण से जोडक़र मनाया गया। इस अवसर पर कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल, भाई मुकेश शर्मा, निवर्तमान मेयर मधु आजाद, प्रसिद्ध उद्योगपति सुरेंदर सैनी, समाजसेवी सुमेर तंवर अतिथि के रूप में पहुंचे। संस्था के संरक्षक सूबे सिंह, सलाहकार बुधराम सैनी, चेयरमैन नरेश कुमार, कोषाध्यक्ष हितेश, महासचिव भाई गौतम, समाज सेवी ओम प्रकाश क्यात, रेवाड़ी जिला भाजपा प्रभारी नीलम सैनी, नानक चंद, मुकेश, कुलवंत, कृष्ण झाड़सा, महेंद्र सिंह, करण सिंह, मुकेश, दुलीचंद समेत अनेक लोगों ने अतिथियों के साथ मिलकर राहगिरों को गमले में लगे पौधे वितरित किए। डा. डीपी गोयल ने कहा कि समाज उत्थान न्यास संस्था के सदस्यों की ओर से महापुरुष महात्मा ज्योतिबा राव फूले जी की 197वीं जयंती के अवसर पर पौधे वितरण का नेक काम किया है। हकीकत में संस्थाओं का उद्देश्य समाज में ऐसी शुरुआत करने का होना चाहिए, जो आगे चलकर सर्व समाज के लिए उदाहरण पेश करें। निवर्तमान मेयर मधु आजाद ने कहा कि पेड़-पौधों के बिना हमारी जीवन शून्य है। जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रसिद्ध उद्योगपति सुरेंदर सैनी ने कहा कि समाज उत्थान न्यास का यह प्रयास जरूर रंग लाएगा।

हरियाणा में बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल बिकी गेहूं की फसल : नवीन गोयल

न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों को दी गई है बड़ी राहत

नवीन गोयल।

गुरुग्राम। व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने प्रदेश के किसानों का बधाई देते हुए कहा कि इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गेहूं के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी के साथ गेहूं की फसल की खरीद शुरू हो गई है। सरकार की ओर से गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपये की बढ़ोतरी करके 2275 रुपये प्रति क्विंटल करना किसानों को बड़ी राहत दी गई। नवीन गोयल ने कहा कि बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ अब मंडियों में गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है। इससे प्रदेश के किसानों के चेहरों पर रोनक है।

उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर के हितों के लिए भाजपा की केंद्र और राज्य में सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। हर कदम पर इनके हितों का विशेष ख्याल रखा गया है। किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में सरकार वर्षों से 2 हजार रुपये मासिक देकर मोदी सरकार ने आर्थिक मदद दी है। मंडियों में व्यापारियों के बीच जाकर सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि हर स्तर पर व्यवस्थाएं बेहतर हैं। व्यापारी भी खुश हैं और किसान भी खुश हैं। पहले दिन गेहूं की फसल बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकी। इससे किसान काफी प्रसन्न नजर आए। नवीन गोयल ने कहा कि 2023-2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को केंद्र सरकार की ओर से गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 110 रुपये की बढ़ोतरी की।

इससे गेहूं खरीद के दाम बढक़र 2125 रुपये प्रति क्विंटल किया गया। अब 2024-25 में न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपये की बढ़ोतरी करके फिर से किसानों को लाभ दिया है। अब न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं की फसल बिकी है। नवीन गोयल ने मंडियों से मिले फीडबैक पर किसानों की मांग का समर्थन करते हुए प्रदेश की मंडियों से गेहूं के उठान को लेकर आग्रह किया है कि बिना देरी के गेहूं का उठान हो जाए, ताकि किसानों की आने वाली फसल में किसी तरह की बाधा ना हो।

फोनपे ने फेवा नव वर्ष महोत्सव में UPI पुश के लिए ईसेवा (eSewa) और नेपाल पोखरा होटल एसोसिएशन के साथ साझेदारी की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फोनपे ने आज घोषणा की है, कि वह Fonepay नेटवर्क पर UPI को लोकप्रिय बनाने के लिए ईसेवा (e-Sewa) और होटल एसोसिएशन ऑफ नेपाल (HAN) पोखरा के साथ साझेदारी की है, जो कि फेवा नव वर्ष महोत्सव का हिस्सा है। यह महोत्सव 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। नव वर्ष का यह उत्सव न केवल पूरे नेपाल के नागरिकों के बीच लोकप्रिय है, बल्कि उन भारतीय पर्यटकों के बीच भी काफी लोकप्रिय है, जो नेपाल की यात्रा करते हैं और उत्सवों का आनंद लेते हैं। पारंपरिक नेपाली व्यंजन और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन परोसने वाले फूड स्टॉलों, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के लाइव संगीत प्रदर्शन, पारंपरिक नेपाली नृत्यों और संगीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों एवं वर्कशॉप के

साथ, यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम नेपाली संस्कृति और स्थानीय पाक कला के बेहतरीन अनुभव का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

इस साल, फोनपे डिजिटल पेमेंट को UPI के जरिए लोकप्रिय बनाने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए फेवा नव वर्ष महोत्सव के दौरान कई गतिविधियों का आयोजन करेगा। फोनपे स्थानीय मर्चेंट के बीच डिजिटल पेमेंट के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों के लिए डिजिटल पेमेंट की सुविधा का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से ऑन ग्राउंड एक्टिवेशन का अभियान चलाएगा। प्रमुख ऑन ग्राउंड और डिजिटल ब्रांडिंग, डिजिटल पेमेंट का उपयोग करने का तरीका दिखाने वाले कियोस्क और कई इंटरैक्टिव एक्टिविटीज के साथ, फोनपे , ईसेवा (eSewa) और HAN पोखरा मिलकर UPI पेमेंट के आसान उपयोग का प्रदर्शन करेंगे। 3,000 से अधिक मर्चेंट इस महोत्सव का हिस्सा होंगे वहीं 100,000 से अधिक विजिटर आने की उम्मीद लगाई जा रही है।

साझेदारी पर बोलते हुए, फोनपे के CEO इंटरनेशनल पेमेंट, रितेश पई कहते हैं, कि ''हम ईसेवा (eSewa) और नेपाल के होटलियर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं, इससे फेवा नव वर्ष महोत्सव में UPI को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। नेपाल में हर साल कई भारतीय विजिटर, इस खूबसूरत जगह के संगीत, भोजन और संस्कृति का अनुभव करने आते हैं।

नगर निगम ने बस स्टैंड व आसपास क्षेत्र में हटाए अतिक्रमण

गुरुग्राम। शहर के बाजारों, सडक़ों व फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

शुक्रवार को निगम टीमों ने स्थानीय बस स्टैंड व आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इसके तहत सडक़ों पर लगी रेहड़ी-पटरी तथा दुकानों के बाहर लगे सामान को हटाने के साथ ही जब्त भी किया गया। निगम टीम ने अतिक्रमण करने वालों को स्पष्ट चेतावनी दी कि दुबारा से अतिक्रमण ना करें अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ के अनुसार अतिक्रमण के कारण सडक़ें तंग हो जाती है, जिससे यातायात जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इसके अलावा, पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है और कई बार सडक़ पर चलने के कारण दुर्घटना होने का भी खतरा बना रहता है।

गुरुग्राम लोकसभा सीट के लिए होने वाले चुनाव में निर्णायक भूमिका में होंगे आठ लाख पूर्वांचली प्रवासी: डॉक्टर अजय तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा क्षेत्र में शहरी मतदाताओं में पूर्वांचली या प्रवासी मतदाता निर्णायक भूमिका में होते हैं। इसके चलते सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार इन आठ लाख प्रवासी मतदाताओं में अपनी पैठ बनाने की कवायद में जुटे गए हैं।

गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र की नौ में से करीब छह विधानसभाओं में ये मतदाता बाहुल्य संख्या में है। करीब आठ लाख मतदाता परिणामत: शहर में हरियाणा की राजनीति के बजाए उत्तर-प्रदेश और बिहार की राजनीति हावी रहती है। चुनाव प्रचार के दौरान ज्यादातर राजनीतिक दल भी इन इलाकों में उत्तर-प्रदेश और बिहार के राजनेताओं या प्रभावशाली व्यक्तियों को मैदान में उतारते हैं। गुरुग्राम, बादशाहपुर, सोहना, पटौदी और रेवाड़ी के अलावा बावल में भी प्रवासी मतदाताओ की संख्या करीब 40 से 50 फीसदी तक हैं। इस शहरो में इन मतदाताओं के मुद्दे स्थानीय होते

हैं। लेकिन इन मतदातओं पर मूल प्रदेश की राजनीतिक दशा ज्यादा हावी रहती है। ऐसे में पूर्वांचल का मतदाता अपने स्थानीय मुद्दो पर ही मतदान करता है।

पूर्वांचलवासियों के मुद्दों का बोलबाला: औद्योगिक नगरी गुरुग्राम समेत 06 विधानसभाओं में पूर्वांचलवासियों की आबादी अधिक होने के कारण इनके मुददे भी चुनावों में हावी रहते हैं। यह बात अलग है, कि चुनाव जीतने के बाद उनके मुददों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। हर बार की तरह इस बार भी प्रवासी लोगों में मतदान को लेकर खासा उत्साह है। इन मतदाताओ पर उनके मूल प्रदेशों की राजनीतिक का असर दिखाई देता है।

गुरुग्राम के प्रवासी लोगो के मुख्य मुद्दे कुछ इस प्रकार हैं। पूर्वांचलवासियों के प्रमुख मुद्दे गुरुग्राम से चलनी चाहिए पटना तक ट्रेन श्रमिक विहार बनने चाहिए सभी वार्डो में छठघाट के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। न्यूनतम वेतन कम से कम 25 हजार रुपये प्रति माह हो सभी औद्योगिक इकाईयों में न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए स्लम बस्तियों को न उजाड़ा जाए देश में एक समान शिक्षा प्रणाली हो जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के खर्च का भार सरकार वहन करें एयरफोर्स स्टेशन के विवादित तीन सौ मीटर दायरे में मकानों के निर्माण पर लगा प्रतिबंध हटाया जाएपीएफ मजदूरों को दिलाया जाए।

एजेंसियों के कारण अच्छी सुविधा देने आ रही बिल्डर को दिक्कत, रेजीडेंट्स परेशान

पिछले तीन सालों में रियल स्टेट में तेजी से विकास हुआ है

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सिक्योरिटी, क्लब हाउस, किड्स प्ले एरिया, ग्रीन एरिया आदि आज कल के खरीदारों की डिमांड है। ऐसे में बिल्डर तो रेजीडेंट्स को टॉप क्लास फेसिलिटीज देने का प्रयास करते है। मगर कुछ एजेंसियों के कारण यह हाँ मुश्किल हो जाता है, जिसके कारण बिल्डर और रेजीडेंट्स दोनों ही परेशान होते है।

अल्ट्रा फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ चंद्रकांत दुबे ने बताया कि बिल्डर और आरडब्लूए इस बात पर बहुत ध्यान देते है, कि रेजीडेंट्स को सारी एमिनिटीज आचे से मिले, हालाँकि इसमें कई बार कुछ एजेंसीज के कारण परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर हाल ही में ग्रेटर नोएडा स्तिथ फ्यूजन होम्स सोसाइटी में गार्ड्स की कंपनी को सही समय पर पेमेंट दी ग्री पर उन्होंने अपने गार्ड्स को समय पर वेतन का भुदगतान नहीं किया जिसके चलते वहाँ के गार्ड्स ने धरना दे दिया। सिक्योरिटी एजेंसी की नजरअंदाजी के कारण बिल्डर और रेजीडेंट्स को परेशान होना पड़ा।

बता दें कि एनसीआर के मुख्य रियल एस्टेट मार्केट नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम है जिसमें ज्यादातर हाई राइज बिल्डिंग का ही निर्माण हो रहा है। अच्छी क्वालिटी का कंस्ट्रक्शन, मॉडर्न एमिनिटीज और बेहतर लोकेशन मुख्य कारण है। जिनके चलते लोगों यहाँ घर खरीदना पसंद करते है।

मंडियों में सरसों, गेहूं का तय समय में उठान नहीं होने पर दर्ज होगी एफआईआर

मंडियों में सरसों व गेहूं की खरीद को लेकर निरीक्षण करते डीसी निशांत कुमार यादव।

संबंधित ट्रांसपोर्टर को डीसी निशांत कुमार यादव की दो टूक

डीसी ने टौदी-जाटौली व फर्रुखनगर अनाज मंडी में लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला की मंडियों में सरसों व गेहूं की आवक का संबधित ट्रांसपोर्टर निर्धारित समय में उठान नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि नियमों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

शुक्रवार को पटौदी-जाटौली मंडी व फर्रुखनगर मंडी का औचक निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने कहा कि फसल बिक्री के दौरान अगर किसानों को परेशानी आती है तो संबंधित अधिकारी कार्यवाही के लिए तैयार रहें। फसल बिक्री के दौरान केवल किसान और उसके लिए की जाने वाले सुविधाएं ही प्राथमिकता है। डीसी निशांत कुमार यादव ने निरीक्षण दौरे में मंडी में उपस्थित किसानों से फसल बिक्री के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। इस दौरान किसानों ने डीसी को बताया कि जिला प्रशासन की ओर से फसल खरीद के दौरान मंडियों में आने वाले किसानों की सुविधा को पूरा ध्यान रखा जा रहा है तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जा रही है। व्यापार मंडल के सदस्यों द्वारा उठाये गए मंडियों में गेंहू व सरसों उठान में आ रही दिक्कत के मुद्दे पर डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

रविवार तक सरसों व गेहूं के उठान की दें रिपोर्ट : उन्होंने पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह को निर्देश दिए कि वे आगामी रविवार की शाम तक दोनों मंडियों में सरसों व गेहूं के उठान की रिपोर्ट डीसी कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। डीसी ने व्यापार मंडल की एक अन्य मांग को स्वीकार कर आगामी सोमवार व मंगलवार को फर्रुखनगर मंडी में सरसों व गेहूं की खरीद को बंद रखने तथा बुधवार से रॉस्टर प्रक्रिया को खत्म कर ओपन मंडी लगाने के निर्देश दिए।

डीसी ने फसल खरीद प्रक्रिया से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को गेट पास प्राप्त करने से लेकर फसल बेचने उपरांत उनके खातों में पैसे आने से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर मार्केटिंग बोर्ड की जोनल एडमिनिस्ट्रेटर मीतू धनखड़, पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, मार्किट कमेटी पटौदी के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी विपिन यादव, मार्किट कमेटी फर्रुखनगर के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी विद्या सागर, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी विनय यादव, हैफेड के डीएम राजेन्द्र गिल, वेयर हाउसिंग के डीएम मनोज पराशर, फर्रुखनगर तहसीलदार नवनीत कौर सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

किरण नादर कला सग्रंहालय द्वारा एक नए दृश्यात्मक पहचान का अनावरण किया गया जो सग्रंहालय को एक जीवतं सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

साल 2010 में राजधानी में जिसकी शरुआत कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक बड़ी कमी को पूरा करने और समकालीन कला एवं उसके अभ्यासों को प्रदर्शित करने के समर्पण से हुई थी, वह पिछले कुछ वर्षों में भारत और दक्षिण एशिया में आधुनिक एवं समकालीन कला को आगे ले।

जाने वाले प्रमुख संस्थान के रूप में अपनी पहचान बना चूका है। किरण नादर कला सग्रंहालय की प्रगति की यह यात्रा-कला और एक व्यापक आम जनता के बीच की दुरी को लगातार कम करने के उनके प्रयासों का परिचायक है, जो कला को सभी के लिए आसान एवं सलुभ बनाने के लिए प्रतिबद्धत हैं। केएनएमए की संस्थापक एवं अध्यक्ष किरण नादर के दूरदर्शी नेतृत्व में

सग्रंहालय ने बातचीत और साझा संवाद के माध्यम से एक गतिशील सांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अपनी सीमाओं एवं क्षमताओं को लगातार आगे बढ़ाया है। नई तरह से खदु को प्रदर्शित करने की यह पहल, दृश्यात्मक रूप से कला और संस्कृति के क्षेत्र में केएनएमए की एक वैश्विक संस्थान की नई पहचान को दर्शाती है, जिसके भीतर सभी प्रकार की मानवीय रचनात्मकता और अभिव्यक्ति शामिल है। केएनएमए की संस्थापक एवं अध्यक्ष किरण नादर कहती हैं, किरण नादर सग्रंहालय का लक्ष्य एक ऐसे गतिशील सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरना है, जो कला के सदंर्भ में सीमाओं और अनुशासनों से परे, एक ऐसे समावेशी वातावरण को बढ़ावा देता है जहाँ सभी प्रकार के दर्शक एक साथ एक जगह पर मौजदू हो सकते हैं। एक तरफ भारत नए अवसरों को बढ़ाने और नर्म शक्ति के प्रतिक के रूप में उभर रहा है, वहीं केएनएमए की नई जगहें बदलाव की परिवर्तनकारी शक्तियों का उपयोग करने की दिशा में एक बहुत बड़े कदम का प्रतिनिधित्व करती है। किरण नादर सग्रंहालय की यह नई दृश्यात्मक पहचना वास्तुशिल्प के विभिन्न रूपों एवं उनके डिजाइन को दर्शाती है।

इंडेल मनी ने नई दिल्ली में नई शाखा की शुरूआत के साथ बढ़ाई अपनी उपस्थिति

वित्त वर्ष 2024-25 में पहली शाखा की शुरूआत

वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली-एनसीआर में 20 और शाखाओं की शुरूआत का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अग्रणी गोल्ड लोन नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) इंडेल मनी ने नई दिल्ली में अपनी नई शाखा के भव्य उद्घाटन की घोषणा की है, चालू वित्त वर्ष में खुलने वाली यह पहली शाखा इस क्षेत्र में इंडेल मनी की रणनीतिक विस्तार योजना को दिखाती है, कंपनी ने पिछली तिमाही में 11 शाखाओं की शुरूआत की थी।

सी-4/19, पहली मंजिल, आचार्य निकेतन, मयूर विहार फेज वन में स्थित शाखा ग्राहकों की विभिन्न वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए गोल्ड लोन सॉल्यूशन की एक व्यापक रेंज की पेशकश करेगी। तेजी से लोन प्रोसेस करने, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, पुनर्भुगतान (रिपेमेंट) के लचीले विकल्प उपलब्ध कराने और ग्राहकों की गोपनीयता सुनिश्चित करने को लेकर अटूट प्रतिबद्धता के साथ इंडेल मनी नई दिल्ली के लोगों और कारोबारियों का पसंदीदा वित्तीय भागीदार बनना चाहती है। इस महत्वपूर्ण डेवलपमेंट को लेकर इंडेल मनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ उमेश मोहनन ने कहा, हम नई शाखा की शुरूआत के साथ दिल्ली-एनसीआर में अपनी उपस्थिति मजबूत करने को लेकर काफी अधिक उत्साहित हैं। यह विस्तार सहज और नवोन्मेषी वित्तीय समाधान पेश करने को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। इससे हमारे ग्राहकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।

दिल्ली-एनसीआर में इंडेल मनी की वृद्धि की रफ्तार राज्य भर में शाखाओं का एक मजबूत नेटवर्क स्थापित करने की इसकी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 20 और शाखाओं की शुरूआत करना है। इससे कंपनी को गोल्ड लोन उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस शाखा की शुरूआत के बाद अब इंडेल मनी ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी और केरल सहित नौ राज्यों में 285 से ज्यादा शाखाओं का परिचालन करती है।

ईद मिलन समारोह में दिखी सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल, मीठी सेवई से अतिथियों का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी जाहिद खान ने अपने नूह निवास स्थान पर ईद के पावन अवसर पर ईद मिलन समारोह हुआ। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में लोग चेयरमैन जाहिद हुसैन के निवास स्थान पर ईद मिलन समारोह में शामिल हुए। वहां पहुंचने पर जाहिद हुसैन ने फूल मालाओं और बुके के साथ स्वागत किया। और लगा लगकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।देश की सांस्कृतिक धरोहर कौमी एकता को मजबूती प्रदान करने तथा सर्व धर्म सद्भाव का पैगाम मुल्क के लोगों को दिया गया। यहां सभी धर्म के लोग एक साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं। दुर्गापूजा, होली, ईद या क्रिसमस भारत की साझी संस्कृति का हिस्सा रही हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी जाहिद हुसैन ने कहा कि यह बहुत पवित्र पर्व है। सभी को ईद की बधाई देते हुए कहा कि सभी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर समय साथ चलेंगे तो राष्ट्र समृद्ध होगा और आपसी प्रेम बढ़ेगा। रमजान का पूरा महीना त्याग और तपस्या का रहा है, यह बहुत पवित्र पर्व है।

हिदू-मुस्लिम-सिख-इसाई सभी एक साथ मिलकर इसे मनाने का संकल्प लें। जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल ने कहा कि हमारा देश विभिन्नताओं में एकता का देश है। हम सभी धर्म सम्प्रदाय के लोग एक साथ मिलजुल कर सभी पर्व त्यौहार मनाते हैं ताकि हमारी एकजुटता और आपसी भाईचारा बना रहे। जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भाजपा सुरेश बघेल ने कहा कि यह देश सभी धर्म व वर्गों का देश है। उन्होंने कहा कि किसी भी मुल्क, समाज व कौम की तरक्की के लिए लोगों में आपसी प्रेम व सद्भाव जरूरी है। एडवोकेट दीपक सतीजा ने कहा कि सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का धर्म है। नगर परिषद चेयरमैन नूह संजय मनोचा ने कहा कि ईद का पर्व आपस में मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ईद उल फितर की बधाई देने में मुकेश वशिष्ठ मीडिया सलाहकार सीएम, पूर्व चेयरमैन विष्णु सिंगल, जिला महामंत्री शिवकुमार बंटी,नगर पार्षद समय सिंह, नियामत,सुमित, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष गंगादास,जिला परिषद सदस्य हरसरण, फिरोजपुर झिरका ब्लॉक समिति वाइस चेयरमैन फतेह मोहम्मद गोपाल पंडित, कृष्ण प्रधान,गोपाल माथुर, ब्लॉक समिति मेंबर वसीम ऊंटका, ब्लॉक समिति मेंबर शौकत निजामपुर जफरुद्दीन बाघोडिया, सरपंच नसीम, आबिद ऊंटका, आरिफ खेडला सरपंच, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुरेश बघेल, मंडल अध्यक्ष हेमराज शर्मा, दीपक सतीजा एडवोकेट अरशद बेंसी,डॉ रवि शर्मा,सलीम मढ़ी, नदीम सलंबा प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी अल्पसंख्यक मोर्चा, बीरबल लाभार्थी जिला संयोजक, यूनुस सरपंच, राजू माथुर, मास्टर सुभाष खेडला, छत्रपाल, छोटेलाल, मुसे खान, आसिफ अली चदेंनी, डॉ. कमरुद्दीन उंटका, वसीम एडवोकेट,नियामत अली, मुशर्रफ एडवोकेट,नासिर इंजीनियर, हाकमुद्दीन ठेकेदार,साबिर मैनेजर, बरकत अली, मदन नगर आदि लोग मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाई ईद

जुमेरात को देशभर में हर्षोल्लास के साथ मुसलमानों का सबसे बड़ा पर ईद उल फितर मनाया गया। ईद उल फितर के अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नए - नए कपड़े वे तरह - तरह की खुशबू के इत्र लगाकर ईदगाह में नमाज अता करने के लिए पहुंचे। शाही ईदगाह में नए - नए कपड़ों से सजे मुसलमान जब नमाज पढ़ने के लिए एक साथ खड़े हुए और एक साथ हजारों हाथों ने मुल्क व दुनिया में अमन व शांति के लिए दुआ मांगी तो नजारा देखने लायक था।

नूंह जिले के पिनगवां कस्बे की जामा मस्जिद के इमाम मौलाना जहीर ने ईदगाह पिनगवां में ईद उल फितर की नमाज अता कराई। नमाज अद करने से पहले मौलाना जहीर ने मुसलमानों को बुराइयों से बचने और अच्छाई के रास्ते पर चलने की सीख दी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि दुनिया व देश में अमन शांति बरकरार रहनी चाहिए। ईद उल फितर अमन व शांति का प्रतीक है। इसके अलावा ईदगाह में नमाज अदा करने आए मुसलमानों ने बातचीत के दौरान कहा की उन्हें ईद उल फितर की नमाज अदा करने से बड़ी खुशी मिलती है। इसके अलावा यह त्यौहार हिंदू - मुस्लिम एकता का प्रतीक है। नूंह जिले में दशकों से हिंदू - मुस्लिम एकता बरकरार रही है। ईद हो या दीपावली हो हिंदू - मुस्लिम दोनों समाज के लोग एक - दूसरे के घर खाना खाने जाते हैं। आपस में मिठाइयां बांटते हैं। यही इस इलाके की सबसे बड़ी पहचान है। भविष्य में भी अमन व शांति बरकरार रहे। इसकी हर संभव कोशिश की जाती है। युवाओं का कहना है कि लोगों को जाति - धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश हो रही है, लेकिन यह इलाका ना कभी बंटा है और ना ऐसी ताकतों को कामयाब होने देगा। नमाज के बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। बाद में टोलियों में दिनभर युवा एक - दूसरे के घर खाना खाने जाते दिखे।

ईद के मौके पर फिलिस्तीन युद्ध प्रभावित बच्चों के लिए जुटाया गया धन

बृहस्पतिवार को पूरे देश में ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।मेवात क्षेत्र में भी अलग-अलग जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान देश के भाईचारा और हिफाजत के लिए भी दुआ मांगी गई।इस दौरान खास बात यह रही की इजराइल- फिलिस्तीन युद्ध में प्रभावित फिलिस्तीन के बच्चों के लिए विशेष दुआएं मांगने के साथ-साथ उनके आर्थिक मदद के लिए धन उठाने का काम एक टीम ने किया। युद्ध प्रभावित बच्चों के लिए धन का जुटाने वाले संस्था से जुड़े लोगों ने बताया कि ईद के खुशी के मौके पर जिस प्रकार हमने अपने बच्चों के लिए अच्छी खरीदारी के लिए खर्च किया है। उसी तर्ज पर एक टीम ने निर्णय लिया कि फिलीस्तीन युद्ध प्रभावित बच्चों के लिए धन जुटा कर मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ मेवात से जुड़े एक युवा तुर्की में एक संस्था के माध्यम से फिलिस्तीन में युद्ध प्रभावित लोगों की जमीन स्तर पर मदद कर रहे हैं। उसी कड़ी में वह भी जुड़े हैं। ईद की नमाज खत्म होने के बाद उन्होंने लोगों से फिलिस्तीन युद्ध प्रभावित बच्चों के लिए मदद मांगी।

भाजपा नेता डॉ महेंद्र गर्ग बने जिला प्रशिक्षण प्रमुख

फिरोजपुर झिरका। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ महेंद्र गर्ग को भाजपा पार्टी के शीर्ष नेताओं ने एक बार फिर उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें जिला प्रशिक्षण प्रमुख की जिम्मेदारी दी है। इससे पहले भी उन्हें दो बार इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा चुके हैं । उनकी नियुक्ति को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है । इसको लेकर डॉक्टर महेंद्र गर्ग कहा कि वह इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, संगठन मंत्री फणींद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल और सभी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार प्रकट करते हैं। डॉ महेंद्र गर्ग को जिला प्रशिक्षण प्रमुख बनाए जाने पर पूर्व मंत्री आजाद मोहम्मद जिला, उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, मंडल अध्यक्ष रमेश आर्य ,पूर्व जिला संयोजक मजदूर प्रकोष्ठ वेदराम सैनी ,पूर्व जिला मंत्री दुलीचंद सैनी ,रतिराम साहू ,अरशद खान, बिजेंद्र कुमार ,सुनील जैन चेयरमैन मार्किट कमेटी आदि काफी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

नवरात्र पर मां दुर्गा देवी मंदिर में जुटे श्रद्धालु

चिराग गोयल। फिरोजपुर झिरका

चैत्र नवरात्र पर्व को लेकर दुर्गा देवी मंदिर में सुबह से ही पूजा अर्चना शुरू हो गई। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं जुटीं। छोटी-छोटी बच्चियों में नवरात्रि पर्व को लेकर उत्साह देखा गया। प्राचीन मंदिरों में शुमार शहर का एकमात्र मां दुर्गा देवी मंदिर क्षेत्र के हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है, जहां नवरात्रों के पावन अवसर पर नौ देवियों की पूजा को लेकर मां दुर्गा देवी मंदिर विकास समिति द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं।

मां दुर्गा देवी मंदिर को रंग बिरंगी लाइटों के साथ-साथ आकर्षक तोरण द्वार से सजाया गया है। मंदिर के प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि श्री दुर्गा देवी मंदिर शहर के ऐतिहासिक किले के बाहर बना हुआ है, जो क्षेत्र के हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है। शहर में एकमात्र दुर्गा देवी का मंदिर है, जो बरसों पुराना है। नवरात्र के समापन के अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल हवन यज्ञ और भंडारे का आयोजन मंदिर समिति की ओर से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भर भंडारे का आयोजन 16 अप्रैल को मंदिर परिसर में किया जा रहा है ।

शहर का मां दुर्गा देवी मंदिर।

मीट की दुकानों को बंद कराने की मांग : सामाजिक संगठन के लोगों का कहना है कि नवरात्र पर्व को देखते हुए प्रशासन को शहर के मुख्य चौक चौराहों पर अवैध रूप से चल रहीं मीट की दुकानों को बंद करवाने की मांग की है, जिससे नवरात्रि पर्व के दौरान लोगों की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे।

वहीं शहर के सामाजिक और बुद्धिजीवी रमेश कामरा, शिव मंदिर अध्यक्ष अनिल गोयल, गौशाला समिति के प्रधान मोहन गोयल एडवोकेट, सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश माहेश्वरी, वार्ड 9 के पार्षद योगेश सैनी का कहना है कि इस बाबत स्थानीय उपमंडल अधिकारी नागरिक और नगर पालिका प्रधान को एक मांग पत्र देकर शहर के मुख्य चौक चौराहों पर चल रहीं अवैध मीट की दुकानों को बंद कराने की मांग की जाएगी।

कोई भी राजनीतिक दल व उम्मीदवार मतदान केंद्र की 200 मीटर की दूरी में नहीं खोल सकता चुनाव कार्यालय

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान कोई भी राजनीतिक दल व उम्मीदवार अपना अस्थाई चुनाव कार्यालय किसी भी मतदान केन्द्र की 200 मीटर की दूरी में नहीं खोल सकता और ऐसे चुनाव कार्यालयों में संबंधित पार्टी का केवल एक झंडा और बैनर ही लगाया जा सकता है।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि अस्थाई चुनाव कार्यालय खोलने के लिए सार्वजनिक एवं निजी जमीन का प्रयोग कब्जे के रूप में ना किया जाए और किसी भी धार्मिक स्थल परिसर में कार्यालय नहीं खोला जाये। कोई भी चुनाव कार्यालय किसी भी शिक्षण संस्थान अथवा अस्पताल के नजदीक भी नहीं खोला जा सकता। सभी राजनीतिक पार्टियों के अस्थाई चुनाव कार्यालयों में संबन्धित पार्टी का चुनाव चिन्ह और फोटोग्राफ वाला केवल एक झंडा और बैनर लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि चुनाव कार्यालय में प्रयोग किये जाने वाला बैनर चार बाई आठ फुट से ज्यादा बड़ा नहीं हो सकता। अगर प्रशासन द्वारा बैनर और होर्डिंग के लिए छोटा आकार निर्धारित किया जाता है तो पार्टियों को उसी साईज के हिसाब से बैनर अथवा होर्डिंग बनवाने होंगे। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा किसी की निजी भूमि, भवन आदि पर उसके मालिक की अनुमति के बिना झंडा, नोटिस, नारे, होर्डिंग और पोस्टर आदि का प्रयोग भी नहीं किया जा सकता है।

तीन माह में करीब तीन करोड़ रुपए के चालान कर नियम तोड़ने वालों को सिखाया सबक

नूंह। नूंह पुलिस द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड हवाबाजी करने, ब्लैक फिल्म लगाकर गाड़ी चलाने, अवैध माईनिंग व ओवरलोड में शामिल वाहनों के साथ-साथ यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ लगातार विशेष अभियान जारी है । जिला नूंह पुलिस द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करते हुये पिछले तीन माह में 37184 वाहनों के चालान करते हुए 544 वाहन इंपाउंड किए।

इन वाहनों में मुख्यत: 53 बुलेट पटाखा मोटरसाइकिल, 32 ब्लैक फिल्म वाहन, रॉन्ग पार्किंग 2750, ओवर स्पीड 53 व 15122 लेन चेंज के साथ - 2 अवैध माईनिंग एवं ओवरलोड में शामिल वाहन है । साथ ही इन पर करीब 03 करोड रुपए का जुर्माना किया गया। पुलिस कप्तान नूंह ने बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड़ कर हवाबाजी करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी केवल नूंह पुलिस चालान ही कर रही है संभल जाएं अन्यथा इस अपराध के लिए मुकदमा का भी प्रावधान है। इसके साथ ही पुलिस कप्तान नूंह ने बुलेट मोटर मोटरसाइकिल के साइलेंसर को मॉडिफाई करने वाले मकैनिकों को भी आगाह करते हुए कहा है कि वह किसी भी प्रकार के साइलेंसर में मॉडिफिकेशन ना करें अन्यथा उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी ।

डीएम की फटकार के बाद सोहना मंडी में भरे बारदाने के कार्य में आई तेजी

पायनियर समाचाचार सेवा। सोहना

स्थानीय अनाज मंडी में पहुंचे हेफेड के डीएम राजेन्द्र गिल ने लदान करने वाले ठेकेदार को फटकार लगाई। डीएम ने ठेकेदार को उठान के कार्य में तेजी न लाने पर ठेका रद्द करने की चेतावनी दी है। जिससे शुक्रवार की सुबह 6 बजे तीन गाड़ियों में सरसों को भरने के बाद गोदाम के लिए रवाना कर दिया।

स्थानीय अनाज मंडी में सरकार के लिए खरीदी गई सरसों का उठाव धीमा होने के किसान और आढ़तियों को हो रही परेशानी का जायजा लेने के लिए हेफेड के डीएम राजेन्द्र गिल ने गुरुवार को दौरा किया। डीएम ने मंडी परिसर में लगे सरसों से भरे बारदाने के चट्टों को देखकर हैरान हो गए। गिल ने मंडी परिसर में ठेकेदार महेन्द्र पाल को मौके पर बुलाते हुए उसे जमकर फटकार लगाई। फटकारल लगाते हुए उठान के कार्य में तेजी लाने के आदेश दिए। उठान में तेजी न लाने पर ठेका रद्द कराने की चेतावनी दे दी है।

डीएम की फटकार के बाद उठान तेज : गुरुवार को डीएम की फटकार के बाद ठेकेदार महेन्द्र पाल ने सरसों के भरे बारदाने का उठाव में तेजी शुरु कर दी है। गुरुवार को ईद होने पर भी दोपहर बाद पल्लेदार(मजदूर) को बुलाकर छह गाडियों में सरसों लदान का कार्य कराया। जिनमें से शुक्रवार की सुबह 6 बजे तीन गाड़ियों को जिला पलवल के गांव गूघेरा के लिए गेट पास काटते हुए रवाना कर दिया।

गेहूं व सरसों की आवक 58 हजार : सरसों की 28 मार्च और गेहूं की सरकारी खरीद 3 अप्रैल से सरकारी खरीद शुरु हुई थी। अब तक गेहूं और सरसों की कुल आवक 58 हजार 89 क्विंटल हो चुकी है। जिसमें से गेहूं का एक भी दाने का उठाव नहीं हुआ है। सरसों का 10 हजार 694 क्विंटल उठाव हुआ है। अभी भी स्थानीय मंडी के परिसर और आढ़तों के सामने 48 हजार क्विंटल सरसों व गेहूं बारदाने में भरे रखे हैं।

आढ़तियों ने लगाएं चट्टे : हेफेड और एसडीएम के आदेशा की पालना करते हुए स्थानीय आढ़तियों ने सरकार के खाते में खरीदा गया गेहूं व सरसों को उठाव होने तक सुरक्षित रखते हुए उनके चट्टे और त्रिपाल लगाने शुरु कर दिए है। ताकि मौसम खराब होने पर सरकार के खाते में खरीदी गई फसल खराब न हो।

> “ **सरकारी** सरसों व गेहूं की खरीद के बाद उसका उठाव करके गोदाम तक पहुंचाने वाले ठेकेदार महेन्द्रपाल को अब तक तीन बार नोटिस दिए गए है। यदि दो दिन में ठेकेदार फसलो का उठाव सही नहीं करता है। उसका ठेका रद् कराने की सिफारिश उच्चाधिकारियों से की जाएगी।
>
> **(मुकेश कुमारी-खरीद अधिकारी हेफेड)**

शहर में तिरंगा लाइटों को ठीक करने की कवायद शुरू, फिर से रंगीन होंगी सड़कें

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद ने शहर के राष्ट्रीय, राज्य तथा सामान्य सड़कों खराब तिरंगा लाइटों को ठीक करने की कवायद शुरु की। परिषद द्वारा किए गए सर्वे में 447 में से 120 के लगभग तिरंगा लाइटें खराब मिली थीं।

शहर की सड़क से लेकर बाजार और राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगी तिरंगा लाइटें मात्र पांच माह में दम तोड़ने लगी। जिससे परिषद प्रशासनिक अधिकारियों पर शहरवासियों ने सवालियां निशान लगाने शुरु कर दिए है। उक्त तिरंगा लाइटें खराब होने की समस्या को मिडिया ने भी प्रकाशन करते हुए नगर परिषद प्रशासन को चेताने का काम किया। परिषद प्रशासन ने मीडिया में खराबें छपने के साथ ही ठेकेदार को को नोटिस देते हुए खराब तिरंगा लाइटों को कराने के आदेश जारी किए गए थे।

नोटिस का हुआ असर : नगर परिषद द्वारा तिरंगा लाइट लगाने वाले ठेकेदार ने नोटिस मिलने के साथ की ठीक करने की कवायद शुरु कर दी है। जिसकी शुरुआत राष्ट्रीय राजमार्ग 919 पलवल-रेवाड़ी राष्ट्रीय मार्ग से की गई है। ठेकेदार ने अपने कर्मचारियों को जल्द से जल्द खराब लाइटों को ठीक करने के आदेश जारी करते हुए उन्हे मरम्मत का सामान उपलब्ध करा दिया है।

सोहना के पलवल मार्ग पर खराब तिरंगा लाइटों को ठीक करते हुए।

कहां-कहां खराब है तिरंगा लाइटें : शहर के शहीद भगत सिह फव्वारा चौक से लेकर चुंगी नंबर एक मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए गुरुग्राम-अलवर, दमदमा मार्ग, नूंह मार्ग, जखोपुर मार्ग, पलवल मार्ग, तावडू मार्ग, सांप की नंगली मार्ग, राम नगर की ढाणी मार्ग, मोहम्मदपुर गूर्जर व सोहना ढाणी मार्ग आदि सड़कों पर तिरंगा लाइटें खराब हो रही हैं।

> **ठेकेदार** ने नोटिस मिलने के साथ ही खराब हो रही तिरंगा लाइटों को ठीक कराने की शुरुआत कर दी है। ठेकेदार की एक टीम हर दिन तिरंगा लाइटों की जांच करेगी। ताकि खराब होने वाली तिरंगा लाइट को तुरन्त प्रभाव से ठीक किया जाए।
>
> **(दिगम्बर सिंह-जेई नगर परिषद)**

कनीना स्कूल बस हादसे के बाद मुख्य सचिव हरियाणा ने वीसी के जरिए सभी डीसी- एसपी की ली बैठक

नूंह। महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में हुए स्कूल बस हादसे में मारे गए तकरीबन आधा दर्जन से अधिक बच्चों के बाद सरकार पूरी तरह से स्कूली वाहनों को लेकर एक्टिव मोड में नजर आने लगी है। शुक्रवार को मुख्य सचिव हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सभी 22 जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कनीना हादसे के बाद चीफ सेक्रेट्री हरियाणा ने वीसी के माध्यम से सभी डीसी - एसपी को दिशा निर्देश दिए हैं कि आप जल्दी से जल्दी जितने भी आपके रजिस्टर्ड व अनरजिस्टर्ड वाहन हैं। जिले के अंदर जो स्कूल के अंतर्गत बच्चों को लाने ले जाने का काम करते हैं। उन सब का फिटनेस चेकिंग करना है, मोटर व्हीकल एक्ट के अंदर जितने भी असुरक्षित वाहन पॉलिसी है। हाई कोर्ट के अंतर्गत दी गई है। उसकी पूरी तरह से जांच करें। प्राइवेट स्कूल

एसोसिएशन से भी इस बारे में बात करें और जो वाहन कण्डम हैं, उसको जल्द बदलें। मोटर व्हीकल एक्ट का विशेष ध्यान रखा जाए, जो गाइडलाइन दी है उसी के हिसाब से काम करें। अगर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं मिली तो कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। चीफ सेक्रेट्री हरियाणा ने 10 दिनों के अंदर सभी रजिस्टर्ड व अन रजिस्टर्ड वाहनों के कागजात चेक करने के आदेश दिए हैं, लेकिन उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा के अनुसार अगले दो दिन में ही जिले के स्कूलों में लगे वाहनों को पूरी तरह से चेक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों - कर्मचारियों को दिशा निर्देश दे दिए गए हैं।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत सीहा ने 110 व 111 नम्बर वाली जोहड़ मछली पालन बारे खुली बोली पर दिनांक 29.04.2024 को प्रातः 11.00 बजे आंगनबाडी केन्द्र पर छोड़ी जाएगी। जिसका विज्ञापन स्थानीय अखबारों में निकलवाया जाता है तथा जमानत राशि 50,000/- रुपये रहेगी। इच्छुक बोलीदाता समय पर पहुंच कर बोली में भाग लें। बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी। जिसकी अवधि आगामी आठ वर्ष होगी।

ग्राम सचिव
कुलदीप

श्रीमती मीनाक्षी देवी
सरपंच ग्राम पंचायत सीहा
खण्ड होडल जिला पलवल

एस.के.फाइनेंस लिमिटेड
(CIN : U65923RJ1994PLC009051)
पंजीकृत कार्यालय: जी 1-2, न्यू मार्केट, खासा कोठी सर्किल, जयपुर- 302001 टोल फ्री: 1800 1039 039
ई-मेल: info@sfkin.in

शाखा कार्यालय स्थानान्तरण करने हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्वसूचित किया जाता है कि कम्पनी प्रबंधक के निर्णयानुसार हम अपनी **यमुनानगर शाखा** को नये पते पर स्थानान्तरित कर रहे हैं:-
पुराना पता- प्लॉट नं.-33, पहली मंजिल, भारतीय स्टेट बैंक के पास, तेजली रोड, रघुनाथपुरी, जगाधरी, यमुना नगर, जिला-यमुना नगर-135001 (हरियाणा)
नया पता - पहली मंजिल, पीएनबी बैंक के पास, गोबिंदपुरी रोड, प्रोफेसर कॉलोनी, मधु चौक, यमुना नगर, हरियाणा- 135001
अतः हम अपने सभी ग्राहकों से अनुरोध करते है कि भविष्य में हमारी किसी भी तरह की लोन सुविधाओं के लिए हमारे नये पते पर संपर्क करें।

आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड
Aavas FINANCIERS LTD — SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA
(पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्या.: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्न सूची के अनुसार ऋणी का खाता एन.पी.ए. होने के कारण निम्न तालिका के अनुसार ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूमिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002'' की धारा 13(2) के अन्तर्गत 60 दिन का नोटिस दिया गया था। नोटिस के अनुसार यदि ऋणी/गारण्टर 60 दिवस के अंदर बकाया ऋण राशी जमा नहीं कराते हैं तो ऋण की वसूली बंधक सम्पत्ति को नीलाम करके की जायेगी। डिमाण्ड नोटिस की तामील ना होने के कारण नोटिस की छायाप्रति बंधक सम्पत्ति पर चस्पा की जा चुकी है। अतः आपको यह सूचित किया जाता है कि नोटिस प्रकाशित दिनांक से 60 दिन के अन्दर-अन्दर निम्न तालिका के अनुसार रुपया तथा भविष्य का ब्याज, वसूली में होने वाला खर्चा जमा कराये अन्यथा एक्ट की धारा 13(4) एवं 14 के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्न सूचि के अनुसार साम्यिक बंधक सम्पत्ति का भौतिक कब्जा लेने एवं इसे नीलामी कर ऋण राशि की वसूली कराने के लिए प्राधिकृत अधिकारी स्वतंत्र होंगे।

ऋणी का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
मोहन लाल, रेखा रानी खाता सं. LNAMB02918-190087921 व LNAMB04319-200124615	10 अप्रैल 2024 ₹ 361449/- व ₹ 200697/- 04 अप्रैल 2024	सम्पत्ति स्थित अन्दर आबादी लाल डोरा, ग्राम सपेरा, तहसील और जिला अम्बाला, हरियाणा **क्षेत्रफल 368 वर्ग गज**
चंदेर देवी, सतपाल राम, सुभाष चंद, सुल्तान राम, सीमा रानी, सतीश कुमार खाता सं. LNKRK00619-200137907	10 अप्रैल 2024 ₹ 1590884/- 04 अप्रैल 2024	प्लॉट नं. 41 पर बना मकान, स्थित खेरी मारकंडा तह थानेसर जिला कुरूक्षेत्र हरियाणा -136118 **क्षेत्रफल 116.66 वर्ग गज**
परमजीत कौर, लखमीर सिंह खाता सं. LNSIR03520-210174160 व LNSIR09821-220218113	10 अप्रैल 2024 ₹ 709666/- व ₹ 291686/- 04 अप्रैल 2024	आवासीय संपत्ति स्थित खेवत नं. 210 खेतोनी नं. 310 खसरा नं. 439 (2-0), झोरारा रोही, कलनवाली, सिरसा विक्रय विलेख दिनांक 11/02/2021, पंजीकरण नं. 4087, तह. कालांवाली, जिला सिरसा, हरियाणा **क्षेत्रफल 2505 वर्ग फीट**
गुरमीत-गुरमीत, संदीप कौर खाता सं. LNYMN16822-230235045	10 अप्रैल 2024 ₹ 255053/- 04 अप्रैल 2024	प्लॉट/मकान, बियरिंग यू डी आई नं. **57703NBLS2000R00940,** स्थित आबादी देह, गांव भंभोली, तहसील जगाधरी, जिला यमुनानगर हरियाणा **क्षेत्रफल 39.704 वर्ग मीटर**
सुरिंदर सुरिंदर, सविता देवी खाता सं. LNYMN02922-230259632	10 अप्रैल 2024 ₹ 741366/- 04 अप्रैल 2024	प्लॉट/मकान, बियरिंग यूडीआई नं. **57783SS3B3000R0378A,** माप 75 669 वर्ग मीटर, ग्राम खजूरी, तहसील जगाधरी, जिला यमुनानगर, हरियाणा की स्थित आबादी **क्षेत्रफल 75.669 वर्ग मीटर**
सुरिंदर सुरिंदर, सविता देवी खाता सं. LNYMN03722-230259288 व LNYMN09822-230274298	10 अप्रैल 2024 ₹ 541061/- व ₹ 103766/- 04 अप्रैल 2024	कॉमर्शियल शॉप, माप 01 मरला 03 सरसई यानी 38.75 वर्ग गज, जिसमें खेवत/खतोनी नं. 112/196, खसरा नं. 37//3/2 (3-18) 8/702 शेयर यानी 08 सरसई और खेवत/खटोनी नं. शामिल हैं। 113/197 (अब खेवत/खतौनी नं. 122/206), खसरा नं. 35//23/2/2 (2-3) 1/189 हिस्सा यानी 02 सरसई और (अब खेवत/खतौनी नं. 123/207), खसरा नं. 37//3/1 (2-1) 1/189 हिस्सा यानी 02 सरसई, कुल जमीन 01 मरला 03 सरसई, स्थित एचबी नं. 158, तहसील- जगाधरी, जिला-यमुना नगर हरियाणा **क्षेत्रफल 38.75 वर्ग गज**
निशा रहेलू, जसविंदर सिंह रहेलू खाता सं. LNPJR03622-230280088	10 अप्रैल 2024 ₹ 1062539/- 04 अप्रैल 2024	संपत्ति की माप 00 बीघा 02 बिस्वा 12 बिस्वा, खेवत/खतौनी नं. 126/244 में शामिल, खसरा नं. 185(1-1) के तहत, कित्ता 01 रकबा 01 बीघा 01 बिस्वा हिस्सा 2/420 की सीमा तक यानी 00 बीघा 00 बिस्वा 02 बिस्वासी, खेवत/खतौनी नं. 127/245, खसरा नं. 183(2-8) के अंतर्गत, कित्ता 01 रकबा 02 बीघा 08 बिस्वा हिस्सा 1/192 की सीमा तक अर्थात 00 बीघा 00 बिस्वा 05 बिस्वासी, खेवत/खतौनी नं. 128/ 246, खसरा नं. 186(12-9) के अंतर्गत, कित्ता 01 रकबा 12 बीघा 09 बिस्वा हिस्सा, 19/4980 की सीमा तक अर्थात 00 बीघा 00 बिस्वा 19 बिस्वासी, कुल भूमि माप 00 बीघा 02 बिस्वा 12 बिस्वासी, स्थित ग्राम- बिटना, हदबस्त नं. 153, तहसील कालका और जिला- पंचकुला, हरियाणा **क्षेत्रफल 00 बीघा 02 बिस्वा 12 बिसवाई**
संजय कुमार, गंगा प्रसाद सह, सरस्वतीदेवी खाता सं. LNFAR02217-180070475	10 अप्रैल 2024 ₹ 1037417/- 04 अप्रैल 2024	आवासीय प्लॉट का हिस्सा खेवत नं. 724/868, मुस नं. 42, किला नं. 23/1 स्थित ऊंचा गांव (विजय नगर), तहसील-बल्लभगढ़, जिला-फरीदाबाद, हरियाणा **क्षेत्रफल 66 वर्ग गज**

स्थान : जयपुर — दिनांक 13.04.2024 — प्राधिकृत अधिकारी आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

मणिपुर संकट

समाधान पर बहस

मणिपुर संकट के समाधान के उपयुक्त उपायों पर बहस चल रही है। अपनी एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार, दोनों के 'समय पर हस्तक्षेप' ने स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। लेकिन संकट के कारण अनेक लोगों की जानें गईं तथा संपत्ति का नुकसान हुआ। इसके कारण विपक्ष ने दोनों सरकारों की आलोचना की थी कि उन्होंने समुचित संवेदनशीलता नहीं दिखाई। मणिपुर में लंबे समय से अनेक सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे बने हुए थे, जिनमें नस्ली तनाव, विद्रोह तथा ज्यादा स्वायत्ता की मांगें शामिल हैं। इसके कारण राज्य में लंबे समय से सेना उपस्थित रही है, जिसे अनेक स्थानीय लोग पसंद नहीं करते थे। मणिपुर का हालिया संकट सांप्रदायिक झड़पों से पैदा हुआ था, जिसके कारण बाद में हुई हिंसा ने पहले से मौजूद चुनौतियों को और गहरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी के कथन का अर्थ है कि सरकार ने तत्काल हस्तक्षेप किया तथा वह प्रभावी रहा। वास्तव में, सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप तथा अतिरिक्त बलों की तैनाती से कानून-व्यवस्था को बड़ी सीमा तक सुधारने में मदद मिली। केन्द्र और राज्य में दोनों जगह भाजपा सरकारें होने के कारण समन्वय तेजी से हुआ, सरकारों ने अपने सारे संसाधन लगाए तथा तनाव घटाने के लिए विभिन्न पक्षों के बीच संवाद विकसित किया गया। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि मणिपुर की समस्या बहुत जटिल तथा लंबे समय से व्याप्त थी और यह राज्य व केन्द्र सरकार को अतीत से विरासत में मिली थी, लेकिन इसके समाधान के गंभीर प्रयास किए गए।

प्रधानमंत्री का यह कथन सही है कि केन्द्र व राज्य सरकारों ने संकट समाधान के कदम तेजी से उठाए। हिंसा व अराजकता से निपटने के लिए फौरन सेना बुलाई गई। इसके साथ ही राजनेताओं ने फौरन सभी पक्षों से समावेशी संवाद विकसित करने के यथासंभव प्रयास किए। स्थिति का आंकलन करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा किया और वहां कई दिन रह कर व्यवस्थायें सुधारने में सहायता की।

गृह मंत्री ने खासकर विभिन्न समुदायों के साथ संवाद विकसित करने के प्रयास किए और इनको काफी सफलता भी मिली। इसके बाद केंद्र के कई कैबिनेट मंत्रियों ने भी राज्य का दौरा कर उपयुक्त कदम उठाने में राज्य सरकार की सहायता की। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा कर एक फैसले से पैदा गलतफहमियां दूर करने में भी सफलता पाई जो मणिपुर में हिंसा का प्रमुख कारण थी। विडंबना है कि विपक्षी पार्टियां मोटेतौर से मणिपुर हिंसा का चुनावी लाभ उठाने के उद्देश्य से राज्य के दो प्रमुख समुदायों के बीच मतभेद बढ़ाने में लिप्त रहीं। कुछ विपक्षी दलों की 'वोटबैंक' नीति के कारण जहां विदेशी घुसपैठियों तथा उनमें शामिल हथियारों व नशीले पदार्थों के तस्करों को बढ़ावा दिया गया, वहीं एक समुदाय को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सरकारी व वन विभाग की जमीनों पर अवैध कब्जे के लिए प्रोत्साहित किया गया। राज्य में भाजपा सरकार ने शुरू से ही अवैध कब्जे, अवैध घुसपैठियों और तस्करों के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं। राज्य और केन्द्र सरकारों के प्रयास से मणिपुर में विभिन्न समुदायों के बीच सार्थक संवाद विकसित करने के साथ ही समस्याओं के स्थाई समाधान तथा राज्य की दूरगामी प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य की जनता अब धीरे-धीरे जमीनी यथार्थ समझ रही है।

माफिया के सफाए के नफा और नुकसान

माफिया डॉन की मौत पर दुःख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। इससे उत्तर प्रदेश में भाजपा लाभान्वित हो सकती है।

सुधीर हिंदवान
(लेखक, प्रोफेसर हैं)

अक्सर कहा जाता है कि कभी-कभी शोर की तुलना में मौन ज्यादा मुखर होता है। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की जेल में हार्ट फेल होने के कारण हुई मौत पर दुःख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। उसने पूरे क्षेत्र में आतंक का साम्राज्य कायम किया था और अदालतों ने उसे कई मामलों में लंबी सजा दी थी। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्तार अंसारी की मौत से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा को चुनावों में लाभ होगा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से माफिया तत्वों और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और मुख्तार अंसारी को मिली सजा इसका एक प्रमाण है। माफिया डॉन से राजनेता बने मुख्तार अंसारी के पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित मुहम्मदाबाद में अंतिम संस्कार में शोक जताने वालों की संख्या 30,000 या संभवत: इससे भी अधिक थी।

इन लोगों ने दिवंगत मुख्तार अंसारी के लिए 'माफिया नहीं, मसीहा हैं' के नारे लगाए। ऐसी ही भावनायें माफिया से राजनेता बने उत्तर प्रदेश के एक और व्यक्ति अतीक अहमद की हत्या पर भी व्यक्त की गई थीं। इस बीच उत्तर प्रदेश के विपक्षी नेताओं ने जेल में बंद गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। समाजवादी पार्टी-सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कदम आगे बढ़ कर सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। इसी प्रकार अल्पसंख्यक वोटों पर नजर रखने वाली उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी बहुजन समाज पार्टी-बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी इस दृष्टिकोण से अंसारी की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है कि मृतक के परिवारीजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि उसे जहर दिया गया था।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाए हैं कि उत्तर प्रदेश 'सरकारी अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। लेकिन राज्य में रहने वाले बहुत से लोगों की इससे सहमति जरूरी नहीं है। मुख्तार अंसारी दशकों से पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक कुख्यात गैंगस्टर माना जाता था। इस क्षेत्र में अतीत में अन्य गैंगस्टर से राजनेता बने लोग सक्रिय हुए थे। इनमें से कई के साथ उसके संबंध थे, जबकि उस पर कई की हत्या कराने के आरोप भी लगे थे। मुख्तार अंसारी को वर्ष 2005 में हिंसा भड़काने के लिए पहली बार गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद से उसे पंजाब और उत्तर प्रदेश की अनेक जेलों में रखा गया था। अपने राजनीतिक कैरियर में मुख्तार अंसारी मऊ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहा था। पहली बार उसने बहुजन समाज पार्टी-बसपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता था। इसके बाद उसे बसपा से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बावजूद वह चुनाव जीतता रहा।

2002 और 2007 में उसे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विजय मिली। उसने 2012 में अपनी पार्टी 'कौमी एकता दल' का गठन किया और उससे विधायक बना। इसके बाद उसने अपनी पार्टी का बसपा में विलय कर दिया और पुन: बसपा में शामिल हो गया। 2022 में मुख्तार अंसारी के बेटे ने पिता के स्थान पर चुनाव लड़ा और वह मऊ विधानसभा सीट से विधायक बनने में सफल रहा। मुख्तार अंसारी की मौत पर राहत महसूस करने वाले लोगों का मौन उसे मसीहा मानने और मौत पर शोक मनाने वालों के शोर-शराबे की तुलना में ज्यादा मुखर और महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस बात के कोई संकेत नहीं है कि जेल में बंद माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत में राज्य की कोई संलिप्तता है, पर उसकी मौत से राहत महसूस करने वाले लोग इसका श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर प्रशासन को देते हैं। योगी आदित्यनाथ के प्रशासन ने माफियाओं और अपराधियों को सजा दिलाने का अभियान चलाया है और इसी के चलते मुख्तार समेत अनेक अपराधियों व गैंगस्टरों को लंबी सजा मिली। लोकसभा चुनाव के पहले माफिया मुख्तार अंसारी की मौत ने राजनीतिक परिदृश्य काफी बदल दिया है।

अंसारी को 63 आपराधिक मामलों में आरोपी बनाया गया था जिनमें से 14 हत्या के मामले थे। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने से पहले ये मुकदमे अदालतों में लंबित थे। इसके बाद मुकदमों की सुनवाई में तेजी आई और सितंबर, 2022 के बाद से इन आठ मामलों में मुख्तार अंसारी को सजा मिली। उसके खिलाफ लंबित गंभीर मामलों में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा के तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय की 2005 में हत्या का मुकदमा था।

उस पर 1991 में उत्तर प्रदेश के वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के भाई अवधेश राय की हत्या का आरोप भी था। कृष्णानंद राय और अंसारी के बीच क्षेत्र में सरकारी ठेकों पर वर्चस्व कायम करने के लिए टकराव होता रहता था क्योंकि इनसे भारी मुनाफा प्राप्त होता था। सरकारी ठेके प्राप्त करने के लिए आतंक का सहारा लिया जाता था और अपहरण कर फिरौती की धमकियां दी जाती थीं। अपराधी और माफिया गिरोहों के बीच 'गैंग वार' केवल गाजीपुर जिले तक सीमित नहीं थीं, बल्कि इसके तार उत्तर प्रदेश में पूरब के लगभग सभी जिलों तक फैले थे। इसके साथ ही राय और अंसारी गिरोहों के बीच प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी झड़पें हुई थीं।

देश की सबसे अधिक जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश 545 सदस्यों वाली लोकसभा में 80 सांसद भेजता है जिससे प्रदेश का राजनीतिक महत्व स्पष्ट होता है। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा की प्रबल बहुमत वाली सरकार ने हर प्रकार के अपराधी तत्वों और माफिया तत्वों के खिलाफ शुरू से ही कठोरतम अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश से गैंगस्टरों का पूरी तरह से सफाया करना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों से प्रदेश की कानून-व्यवस्था में जनता का विश्वास बहुत बड़ी सीमा तक बहाल हुआ है। भाजपा सरकार आने के पहले प्रदेश में अक्सर दंगे होते थे और कर्फ्यू लगता था, लेकिन आज यह सब अतीत की बात हो गई है। आज सड़के जाम कर आपराधिक गिरोहों द्वारा बड़े पैमाने पर लूट और डकैती जैसी घटनायें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। कानून व्यवस्था में सुधार तथा प्रदेश की चहुंमुखी आर्थिक प्रगति के चलते योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को 2022 में विधानसभा चुनाव में रिकार्डतोड सफलता मिली। योगी सरकार के सात साल के शासन में माफिया तत्वों के सफाए का भाजपा को भारी लाभ मिलना तय है। मुख्तार अंसारी की मौत ने समाजवादी पार्टी-नीत विपक्ष के लिए स्थितियां ज्यादा कठिन बना दी हैं। सपा और उसके सहयोगियों को और अधिक अल्पसंख्यक वोट मिलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि वे पहले ही उसके पीछे एकजुट हो गए हैं,लेकिन माफिया और अपराधी तत्वों के सफाए ने निश्चित रूप से योगी आदित्यनाथ सरकार की 'प्रभावशीलता' के बारे में कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों में बहुत अच्छा संदेश दिया है। प्रशासन और पुलिस ने विगत वर्षों में अपराधों की जांच के साथ ही वैज्ञानिक प्रमाणों का प्रयोग कर अभियोजन को सटीक बनाया है। इसके परिणामस्वरूप सालों से लंबित आपराधिक मामलों में अदालतें अपराधियों को कठोर सजा दे रही हैं। इससे समाज-विरोधी तत्व गंभीर अपराध करने के मामले में हतोत्साहित भी हुए हैं।

अब भी स्थानीय लोगों के मन में अंसारी के खुले वाहनों में घूमने तथा कर्फ्यू के बावजूद हथियार लहराते और एक खास समुदाय को डराने की छवियां बनी हुई हैं। सरकारी बुलडोजर अंसारी के साम्राज्य के कंक्रीट में दबे स्तंभ ढहा रहे हैं। उसकी मौत से पहले ही ऐसे दृश्यों ने सरकारी मशीनरी में जनता का विश्वास बढ़ा दिया था। योगी आदित्यनाथ के बुलडोजरों ने उन लोगों में भी विश्वास पैदा किया है जो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से भावनात्मक रूप से बहुत प्रभावित नहीं थे। योगी आदित्यनाथ की सरकार सबका साथ, सबका विकास और तुष्टीकरण किसी का नहीं की नीति पर चलती रही है। उसने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी पंथ या समुदाय के साथ पक्षपात नहीं किया है। इन सभी चीजों को देखते हुए मुख्तार अंसारी की मौत भाजपा को उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में निर्णायक लाभ दे सकती है।

शांति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है!

> ऐसे व्यक्तियों और देशों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जो सोचते हैं कि दुष्टता, धूर्तता और दुर्गुण सदाचार से श्रेष्ठ हैं और हिंसा अहिंसा से श्रेष्ठ है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

आज दुनिया में शांति नहीं होने का कारण यह है कि कई राष्ट्र और अधिकांश व्यक्ति अपने अंतर-वैयक्तिक, अंतर-सांप्रदायिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिक व्यवस्था की सर्वोच्चता से इनकार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों और देशों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो सोचते हैं कि दुष्टता, धूर्तता और दुर्गुण सदाचार से श्रेष्ठ हैं और हिंसा अहिंसा से श्रेष्ठ है। कुछ संपूर्ण समाज या राष्ट्र सोचते हैं कि मनुष्य केवल एक जानवर है, जो भौतिक प्रगति और सुख-सुविधाओं के लिए लालायित रहता है।

उनका मानना है कि मनुष्य केवल इंद्रिय संतुष्टि से संतुष्ट है और वह एक जानवर है जो संवेदना से संवेदना की ओर जीता है! वे साक्ष्य को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, अर्थात् मनुष्य के पास विवेक है और उसकी उच्च आकांक्षाएं हैं, जैसे कि शांति, शांति और आनंद की आकांक्षा। यहां तक कि सबसे अपमानित व्यक्ति भी सांत्वना, संतुष्टि और शांति की आंतरिक आकांक्षा रखता है। हालांकि, वे यह महसूस करने में विफल रहते हैं कि शांति, संतुष्टि और आनंद शारीरिक कोशिकाओं के गुण नहीं हैं; वे नैतिक महानता की स्थिति में सचेतन आत्म के गुण हैं।

अपनी भौतिकवादी सोच और दृष्टिकोण के कारण विद्वानों ने समाज को वह दिया जिसे इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या कहा जाता है। मनुष्य और इतिहास के इस दृष्टिकोण को इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों और सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय और प्रचारित किया गया है। परिणाम यह है कि आधुनिक मनुष्य नैतिक कानून की सर्वोच्चता में विश्वास नहीं करता। इसलिए, मनुष्य ने अपनी समस्याओं पर मानवीय मूल्यों को लागू करना बंद कर दिया है।

उदाहरण के लिए, परमाणु हथियारों की समस्या को लें। निरस्त्रीकरण लाने के लिए कई आंदोलन और सम्मेलन हुए हैं। निरस्त्रीकरण के लिए बातचीत में या परमाणु हथियारों में कमी के लिए बातचीत में, एकमात्र गुण जो सामने लाया जाता है वह है रास्ते का डर और परिणामी विनाश। बातचीत खराब होती है और वे वास्तविक निरस्त्रीकरण की ओर नहीं ले जाती क्योंकि समस्या पर कोई नैतिक मूल्य नहीं लाया जाता है। नैतिक जिम्मेदारी की भावना का अभाव, वास्तव में, आधुनिक सभ्यता का सबसे भयावह पहलू है। मनुष्य की संपूर्ण आधुनिक सोच नैतिक जिम्मेदारी की कमी की विशेषता है। एक मनोचिकित्सक, आज समझाएगा कि एक व्यक्ति ने इसलिए हत्या कर दी क्योंकि जब वह छोटा लड़का था तो उसके पिता ने उसे छड़ी से पीटा था, जिसके कारण उसे मानसिक विकार हो गया था! तो, जिम्मेदारी उस पिता की है जिसने अपने बेटे के साथ क्रूरता की! कई अन्य रूपों में, यह रवैया कि मैं जिम्मेदार नहीं हूं, आधुनिक जीवन के हर पहलू में चलता है। इसने जीवन की नैतिक गुणवत्ता को कमजोर कर दिया है। इसलिए, यदि अब हम विश्व शांति चाहते हैं, तो वास्तविक प्रयास मनुष्य को नैतिक जिम्मेदारी का एहसास कराने में निहित है। मनुष्य को यह एहसास होना चाहिए कि इन्हें खत्म करना उसकी नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि ये न केवल उसके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी अशांति का कारण बनते हैं।

आज हम लोगों को धर्म के नाम पर लोगों की हत्या करते हुए देखते हैं, लेकिन क्या कभी किसी धर्म ने अपने अनुयायियों को निर्दोष लोगों की हत्या करना सिखाया है? मानव जाति या विभिन्न सभ्यताओं या देशों के इतिहास इस सच्चाई के गवाह हैं कि संपत्ति का मूल्य अमूल्य और अनगिनत मात्रा में है और पिछले 2000 वर्षों के दौरान असहिष्णुता के बूचड़खाने में लाखों लोग मारे गए हैं, क्योंकि असहिष्णुता एक आहत अहंकार से उत्पन्न हुई थी।, एक अधूरा स्वार्थी उद्देश्य या संकीर्णता जो अलग-अलग विचारों, अलग-अलग जीवनशैली, अलग-अलग संस्कृतियों और अलग-अलग स्वार्थों के अस्तित्व को बर्दाश्त नहीं कर सकती। क्या कोई गणना या कल्पना कर सकता है कि असहिष्णुता के कारण कितने परिवारों ने अपनी शांति और सद्भाव खो दिया और कितने शहर और सभ्यताएं बर्बाद हो गईं? यदि केवल यह गुण, जिसे सहिष्णुता कहा जाता है, बरकरार रखा गया होता - सभी या कई अन्य गुण भी जीवित रहते, क्योंकि, जब सहिष्णुता खो जाती है, तो मनुष्य अपना धैर्य, आत्म-नियंत्रण, अहिंसा की भावना आदि खो देता है।

इसलिए, यदि ऐसा नहीं है बहुत देर हो चुकी है, यदि अब भी जो लोग निर्दोष लोगों की हत्या कर रहे हैं वे इस गुण का पालन करना शुरू कर दें तो मानव जाति को युद्धों के संकट से बचाया जा सकता है।

आप की बात

बंगाल का हाल

पश्चिम बंगाल में संदेशखाली के बाद अब एक बड़े अपराधी को पकड़ने गई ईडी की टीम पर भीड़ द्वारा फिर से हमले की घटना सामने आई है। ममता बनर्जी सरकार का रूख शुरू से ही केंद्रीय संस्थानों व केन्द्रीय बलों के खिलाफ आक्रामक रहा है। तृणमूल सरकार अपने निहित राजनीतिक व चुनावी स्वार्थों तथा वोट बैंक राजनीति के कारण अपराधी तत्वों को खुलकर अराजकता फैलाने का मौका देती है। ममता बनर्जी द्वारा अराजक तत्वों को समर्थन के अनेक उदाहरण अतीत में सामने आए हैं। वे एक समय अपराधियों को संरक्षण देने वाले दोषी अधिकारियों को बचाने के लिए धरने तक पर बैठ गई थीं। उनका यह रवैया भारत के संघीय ढांचे को तहस-नहस करने वाला है। चुनाव में तो तृणमूल कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता खुल्लमखुल्ला गुंडागर्दी व हिंसा पर आमादा हो जाते हैं। वे मतदाताओं को धमका कर चुनाव जीतने की पूरी कोशिश करते हैं। सरकार की शह पर ही पश्चिम बंगाल पुलिस के कुछ जवान और अधिकारी केंद्रीय एजेंसी को सहयोग देने के बजाय उनके कार्य में रोड़े डालने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसे में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाना भी चुनाव आयोग के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है जो दिन पर दिन गंभीर होती जा रही है।

–सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

ग्लोबल वार्मिंग

धरती का तापमान अब उन देशों में भी बढ़ने लगा है जिन्हें हम पहले ठंडा देश कहते थे। साल 2022 में पूरे यूरोप में 70 हजार लोगों की मृत्यु लू लगने एवं गर्मियों से पैदा बीमारियों के कारण हुई थी। वह सिलसिला आज भी जारी है। इसी कारण दुनिया भर में पानी की कमी बढ़ती जा रही है। इससे एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के कुछ भागों में खेती-बाड़ी असंभव हो गई है। यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी के अनुसार, दुनिया ने अब तक के सबसे गर्म मार्च का अनुभव किया है। एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है जो 1991-2020 के औसत से 0.70 डिग्री और 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.58 डिग्री ऊपर है। यदि यही स्थिति बनी रही तो इस ब्रह्मांड में एकमात्र जीवन वाला हमारा धरती ग्रह न केवल मनुष्यों, बल्कि अनेक जीवों और वनस्पतियों के जीने योग्य नहीं रहेगा। विडंबना है कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए समुचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। विकसित देश अपनी उपभोक्तावादी जीवनशैली बनाए रखने तथा उसे और मजबूत करने के लिए सारी धरती पर बोझ बन रहे हैं। इसका खामियाजा एशिया और अफ्रीका के गरीबों को भुगतना पड़ता है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

अपराधियों का महिमामंडन

देश में पनप रही अपराधियों के महिमामंडन की प्रवृत्ति चिंतनीय है। माफिया डान मुख्तार अंसारी के जनाजे में उमड़ी भीड़ और मुस्लिम वोट के लालच में उनको माफिया के बजाय मसीहा बताने वाले राजनेताओं के व्यवहार से अपराधियों का महिमामंडन होता है। एक समय था जब अपराधियों के साथ खडे होने में राजनेता संकोच करते थे, लेकिन आज लूट, हत्या व बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने वालों को भी धर्म या जाति के चश्मे से देखने वाले उन्हें नायक का दर्जा दे देते हैं। ऐसे अपराधियों को नायक बनाने में इलेक्ट्रॉनिक एवं इंटरनेट मीडिया के एक हिस्से की भी महती भूमिका है। वे ऐसे तत्वों को व्यापक कवरेज देकर एक प्रकार से समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को हवा देते हैं। राजनीति के अपराधीकरण से आगे जाकर अब अपराधियों का राजनीतिकरण होने लगा है। हालांकि, देश के बड़े हिस्से में यह प्रवृत्ति पिछले कुछ वर्षों में कमजोर पड़ी है, पर अक्सर ऐसे दबंग व जघन्य अपराधों के आरोपियों को आज भी टिकट देने में संकोच नहीं करते हैं और इसका बचाव भी करते हैं। इस प्रवृत्ति को कठोरता से कुचलने में आम जनता की सबसे बड़ी भूमिका है, बशर्ते कि सरकार व प्रशासन उसे इसका अवसर देने को तैयार हो।

– विमलेश पगारिया, बदनावर

चुनावी सरगर्मी

संसद में सबसे अधिक सांसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश की चुनावी सरगर्मी पर सबकी निगाहें रहती हैं। भाजपा ने न केवल अपने अधिकांश उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं बल्कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की चुनावी रैलियां भी शुरू हो गयी हैं। कांग्रेस तो एकदम निष्क्रिय दिखाई दे रही है, जबकि सपा अपनी तरफ से भाजपा को टक्कर देने के भरसक प्रयास कर रही है। मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरगर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। अनेक सीटों पर बसपा विपक्षी इंडिया गठबंधन के साथ राजग को भी संकट में डाल सकती है। हालांकि, उनसे सपा और कांग्रेस को ज्यादा नुकसान हो सकता है। प्रदेश में सपा भाजपा को मजबूत टक्कर देने के प्रयास जरूर कर रही है, लेकिन 2019 में सपा, बसपा व रालोद एकजुट होकर भी भाजपा को 62 के आंकड़े से नीचे नहीं ला पाए थे। इस बार रालोद भाजपा के साथ है और बसपा अलग है। ऐसे में भाजपा भले ही सभी 80 सीटें न जीत सके, पर उसकी संख्या निश्चित रूप से 2019 से अधिक होगी और वह 2014 का आंकड़ा भी प्राप्त कर सकती है, जब पूरे विपक्ष को 7 सीटें मिली थीं।

- बाल गोविंद, नोएडा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

अरविंद शर्मा बिना पर्ची व खर्ची और दीपेंद्र अपने पिता भूपेंद्र हुड्डा के शासनकाल को लेकर लोकसभा के रण में आमने सामने

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

दीपेंद्र हुड्डा ने अरविंद शर्मा के विरोध करने वालों से क्यों जताई नाराजगी

लोकसभा चुनाव में अभी तक वो उफान तो नहीं है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने अपनी अपनी चुनावी बिसात बिछाते हुए अपना अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिये हैं। चुनाव प्रचार में कहीं ड़ोर टू ड़ोर कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं तो कहीं लोगों को पार्टी में शामिल करने के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस नेताओं के समर्थक अपने अपने हिसाब से चुनावों की रणनीति तय कर रही है।

भाजपा के सांसद अरविंद शर्मा जहां प्रदेश में दस साल से शासन कर रही भाजपा सरकार की बिना पर्ची और खर्ची व मोदी की गांरटी लेकर मैदान में है तो वहीं दीपेंद्र हुड्डा भी अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के शासन काल के नंबर वन हरियाणा के दावे को लेकर चुनावी रण में पसीना बहा रहे हैं। अपने चुनाव प्रचार में जहां अरविंद शर्मा को मोदी की गारंटी और मनोहर लाल सरकार में बिना पर्ची और खर्ची का फायदा मिलता नजर आ रहा है तो वहीं उनकी लोगों के बीच कम जाने के उलाहने भी मिल रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा के चुनाव प्रचार में समर्थकों की भीड़ तो है लेकिन उन समर्थकों के विरोधी भी है जो यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी इन दस लोगों के कामों को प्राथमिकता दी जायेगी, ऐसे में हमारी वोट का क्या फायदा है कांग्रेस को देने को। दीपेंद्र हुड्डा अपनी

अरविंद शर्मा

दीपेंद्र हुड्डा

जनसभाओं में लोगों को यह कहते जरूर हैं कि रोहतक लोकसभा चुनाव का हरियाणा में आने वाले समय में वोटर तय करेगा कि सरकार किसकी बनेगी, लेकिन दीपेंद्र कांग्रेस का घोषणा पत्र बताने की अपेक्षा अपने पिता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान कर रहे हैं।

वहीं सांसद अरविंद शर्मा केंद्र के नीतियों के साथ साथ प्रदेश सरकार की नीतियों के सहारे चुनाव में दिनोंदिन आगे की तरफ जाते दिख रहे हैं। भले ही एक सप्ताह में उनके कई कार्यक्रमों में उनका विरोध भी हुआ, लेकिन अपने इस विरोध से पार पाते हुए जिस प्रकार उन्होंने महम हलके में भारी रैली कर हुड्डा परिवार व उनके रणनीतिकारों को चेता दिया है कि अरविंद शर्मा का जितना विरोध किया जायेगा, भाजपा का प्रत्याशी उतनी ही बढ़त बना लेगा। याद रहे कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रमेश कौशिक का सोनीपत लोकसभा में जितना विरोध हुआ था, शायद उतना विरोध हरियाणा में किसी भी प्रत्याशी का नहीं हुआ था और जिन जिन स्थानों पर रमेश कौशिक का विरोध हुआ था, भाजपा प्रत्याशी उन उन बूथों पर अन्य बूथों की अपेक्षा ज्यादा वोटों से विजयी हुए थे। बता दें कि महम रैली की सफलता के बाद शायद दीपेंद्र हुड्डा और उसकी टीम को यह ज्ञात हो गया लगता है कि विरोध की पोल खुल गई है और उन्होंने बाकायदा प्रेस के सामने यह कहना पड़ा कि लोकतंत्र में इस प्रकार का विरोध नहीं करना चाहिए। विरोध की इस राजनीतिक चाल में कांग्रेस फंस न जाये और रोहतक लोकसभा चुनाव में हुड्डा परिवार किसी प्रकार का कोई रिस्क नहीं लेना चाहता, लेकिन फिर भी हुड्डा परिवार अपनी इस पारंपरिक सीट को लेकर आश्वस्त नहीं है, क्योंकि मोदी की गांरटी और मनोहर लाल की बिना पर्ची और खर्ची का अंडर करंट जातिगत आंकड़ों की भूल भुलैया करने का काम कर रहा है। कांग्रेस के नेताओं की हतोत्साहिता से स्पष्ट होता जा रहा है कि अन्य सीटों की भांति कांग्रेस रोहतक से भी उस मजबूत स्थिती में नहीं है। बेरी में कांग्रेस के आयोजन में भीड़ कम होना और रघुबीर कादयान के बिगड़े बोल भी हुड्डा परिवार के लिए भविष्य में परेशानी का सबब बनने वाले होंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी और उसकी टीम जिस प्रकार हिंदुत्व का विरोध कर रही है, उसका खामियाजा हरियाणा जैसे प्रदेश में पड़ना स्वभाविक है क्योंकि हरियाणा प्रदेश ही एक ऐसा प्रदेश है जिसमें राम ही उनके आराध्य हैं।

कार्यकर्ताओं की मेहनत पार्टी को लोकसभा चुनाव में बनाएगी विजयी

भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : सुशील रिंकू

कार्यकर्ता ही है किसी भी सगठंन का आधार : राजेश बाघा

लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत तय : केडी भंडारी

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

भारतीय जनता पार्टी मंडल-1 के अध्यक्ष राजेश मल्होत्रा की अध्यक्षता में लोकसभा चुनावों को लेकर शक्ति केंद्र, बूथ अध्यक्षों की बैठक भाजपा लोकसभा चुनाव कार्यालय विजय रिजॉर्ट मकसूदां में संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील

शर्मा, सांसद और भाजपा उम्मीदीवार सुशील रिंकू, प्रदेश उपाध्यक्ष केडी भंडारी और राजेश बाघा विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस अवसर पर सुशील शर्मा ने कहा कि भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की मेहनत ही इस बार लोकसभा चुनाव में पार्टी को विजयी बनायेगी। उन्होंने कहा कि जलांधर का रुका हुआ विकास भाजपा के बगैर कोई नहीं कर सकता। सुशील रिंकू ने कहा कि लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार की विकासशील नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने का कार्य हमारा कार्यकर्ता करेगा। उन्होंने कहा कि जलांधर के लोगों ने इस बार भाजपा को जिताने का मन बना लिया है। राजेश बाघा ने कहा कि किसी भी सगठंन को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ता ही आधार होता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में जीत का श्रेय हमारे मेहनती कार्यकर्ताओं को जायेगा, जो दिन रात पार्टी के लिए मेहनत कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा का किसी से कोई मुकाबला नहीं है तथा इस बार यह सीट जीत कर पार्टी इतिहास बनायेगी। केडी भंडारी ने कहा कि लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत तय है। उन्होंने कहा कि जालंधर लोकसभा में भाजपा सबसे मजबूत पार्टी बनकर उभरेगी तथा पार्टी को आगामी चुनावों में विजय का परचम लहराने से कोई नहीं रोक सकता।

स्कूल बसों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के वायदे पर खरी नहीं उतरी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना के उन्हांना गांव के निकट गुरुवार सुबह स्कूल बस पलटने से बच्चो की मौत के बाद राज्य सरकार सख्ती दिखा रही है। स्कूल की मान्यता रद्द करने की बात की जा रही है। लेकिन सरकार पिछले साल हाईकोर्ट में दिए गए अपने ही हलफनामे को लागू करने में नाकाम रही है। सरकार को उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर इस बात की जांच करवाना चाहिए कि आखिर हलफनामा क्यों लागू नहीं किया जा सका।

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में हलफनामा दायर कर भरोसा दिलाया था कि स्कूली बच्चों के परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सरकार ने स्कूली बसों की जांच के लिए कमेटी का गठन करने की बात भी हलफनामे में कही थी। इस कमेटी में तकनीकी विशेषज्ञ, मोटर वाहन इंस्पेक्टर, पुलिस व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शामिल करने का दावा किया गया था, लेकिन महेंद्रगढ़ हादसे ने स्कूल शिक्षा और परिवहन विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली की सच्चाई की पोल खोलकर रख दी।

हरियाणा सरकार ने हाई कोर्ट में दायर हलफनामे में बताया था कि राज्य के स्कूलों के बच्चों को परेशानी से बचाने के लिए स्कूली बसों की रूट पर जांच न करते हुए स्कूलों में जांच की जा रही है। समय समय पर नियमों के खिलाफ चल रही बसों की जांच का प्रावधान किया गया है तथा चालान काटकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।हरियाणा सरकार के इस जवाब पर विश्वास करते हुए हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए याची पक्ष को छूट दी थी कि अगर उसे सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के खिलाफ कोई शिकायत है तो वह संबंधित अथारिटी को शिकायत दर्ज करवा सकता है। इस मामले में दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि निगरानी के अभाव में स्कूल बसों के साथ हादसों की संख्या बढ़ रही है। भिवानी के बाल क्रांति ट्रस्ट की ओर से दाखिल जनहित याचिका में बताया गया था कि वर्ष 2014 में स्कूल बस दुर्घटना में कई मासूमों की जान चली गई थी। हाईकोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए पंजाब और हरियाणा दोनों राज्य सरकारों को ठोस नीति बनाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। हाई कोर्ट के आदेश पर हरियाणा और पंजाब दोनों सरकारों ने नीति बनाने की बात कही थी। हरियाणा पंजाब ने इसी तरह की पॉलिसी बनाकर इसे लागू किया था। इस पॉलिसी के तहत राज्य और जिला स्तर पर समितियां गठित कर समय-समय पर बसों की जांच करने का प्रावधान किया गया। इन बसों में मासूमों की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध करने की व्यवस्था की गई। याचिकाकर्ता के बताया कि यह नीति बनाने के बावजूद इसे लागू नहीं किया जा रहा है। निगरानी न होने के चलते हादसों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

आडवाणी से मिले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, बधाई दी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित होने पर उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर बधाई दी। दत्तात्रेय ने देश के प्रति आडवाणी के अमूल्य योगदान को मान्यता देने और उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने के लिए भारत सरकार को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि, मैं ऐसे महान व्यक्तित्व वाले दिग्गज से मिलकर बहुत प्रसन्न और धन्य महसूस कर रहा हूं। दिल्ली में आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात करने के पश्चात दत्तात्रेय ने कहा कि हमने पुरानी यादों को ताजा करते हुए चर्चा की और संस्मरण सांझे किए। हमने अस्सी के दशक के अंत से लेकर 2014 तक देश को विकसित करने के लिए साथ बिताए

गए अपने सफर की बातों को भी साझा किया और वे इस दौरान की बेहतरीन यादों पर मुस्कुराए और हंसे। राज्यपाल ने कहा कि आडवाणी के योगदान ने आधुनिक भारत के विकास के परिदृश्य को महत्वपूर्ण आकार दिया है और उन्होंने महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान किया तथा देश को सही दिशा में ले जाने में एक राजनेता की अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। दत्तात्रेय ने आडवाणी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की, ताकि उनकी गरिमामय उपस्थिति युवा नेताओं को राष्ट्र निर्माण के सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करती रहे।

घर बैठे डाउनलोड करें फोटोयुक्त डिजिटल वोटर कार्ड : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ते दौर में चुनाव आयोग ने भी चुनाव से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य ऑनलाइन कर दिए हैं। चुनाव आयोग ने देशभर में डिजिटल मतदाता पहचान पत्र या इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो आईडी कार्ड यानी ई-ईपीआईसी की सुविधा शुरु कर रखी है।

डीसी ने कहा कि अगर मतदाता की वोटर आईडी कहीं गुम गया है या फिर वह वोटर कार्ड की डिजिटल कॉपी सहेज कर रखना चाहता है तो वोटर हेल्पलाइन एप या फिर चुनाव आयोग की वेबसाइट से अपना वोटर कार्ड आसानी से मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड कर सकते हैं। खास

डिजिटल कार्ड को ऐसे करें डाउनलोड

- राष्ट्रीय मतदाता पोर्टल पर विजिट करें।
- नए यूजर को पहले रजिस्टर करना होगा।
- अब ई-ईपीआईसी डाउनलोड करने के विकल्प पर क्लिक करें।
- इसके बाद ई-ईपीआईसी नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर को दर्ज करें।
- अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा।
- इसके बाद ई-ईपीआईसी डाउनलोड का विकल्प सामने होगा।

बात ये है कि डिजिटल वोटर कार्ड ई-ईपीआईसी को डिजी लॉकर में भी अपलोड किया जा सकता है। इसके अलावा इसे प्रिंट भी कराया जा सकता है। ई-ईपीआईसी वोटर कार्ड ओरिजिनल वोटर आईडी कार्ड का एक नॉन-एडिटेबल पीडीएफ वर्जन है। वोटर आईडी के पीडीएफ वर्जन को भी आइडेंटिटी के साथ एड्रेस प्रूफ के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस डिजिटल आईडी प्रूफ को

आसानी से एक्सेस करने के लिए मोबाइल फोन या डिजीलॉकर में स्टोर करके रखा जा सकता है।

आबकारी पॉलिसी की सख्ती से करें पालना : राजन

कैथल। कलेक्टर-कम-अतिरिक्त आबकारी व कराधान आयुक्त आशुतोष राजन ने आबकारी कार्यालय का दौरा किया व आगामी लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शराब लाईसेंस धारक सहित अन्य संबंधित स्टाफ की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई जाए व शराब तस्करी की शिकायतों के लिए जिले में स्पेशल कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाए। शराब की बिक्री, परिवहन व रटोरेज को लेकर नियमो में किसी प्रकार की लापरवाही होने पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ने आबकारी विभाग द्वारा स्थापित नाकों का ब्योरा लिया।

संत थॉमस स्कूल जगाधरी में वैसाखी का पर्व धूम-धाम व हर्षोल्लास से मनाया

पायनियर समाचार सेवा। जगाधरी

संत थॉमस स्कूल के प्रांगण में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. चांदना लाल की अध्यक्षता में वैसाखी का त्योहार धूम-धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान गुरमीत सिंह चावला शामिल हुए, जिन्हें जूनियर जसपाल भट्‌टी के रूप में भी जाना जाता है, जिन्होंने टोटल धमाल, फाइटर, द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर जैसी बड़ी फिल्मों में अभिनय द्वारा दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। मंच का संचालन श्रीमती सारिका भार्गव व सोनाक्षी भगत द्वारा किया गया। सोनाक्षी ने प्रांगण में उपस्थित प्रधानाचार्या मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों एवं सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत छठी कक्षा के करनजोत द्वारा गत्तका से हुई। इस अवसर पर दसवीं कक्षा के

विद्यार्थी नमनजोत सिंह ने हमें बैसाखी के इतिहास व बैसाखी के महत्व को बताया। इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने भांगड़ा प्रस्तुत कर सबका मनोरंजन किया। मुख्य अतिथि गुरमीत सिंह चावला के विद्यालय प्रांगण में पधारते ही सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह व हर्षोल्लास से तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। मुख्य अतीथि गुरमीत सिंह चावला ने भी पूरे दिल से बच्चों का उत्साह बढ़ाया व उनका मार्ग दर्शन करते हुए उन्हें जीवन में अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रेरणा दी।

इस अवसर पर रंग 2023 नवनिर्माण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता जोकि मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर व इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स द्वारा आयोजित हुई थी, जिन विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लेकर जीत प्राप्त की, उनके परिणामों की जानकारी देते हुए, उन्हें विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया जिनमें 1. कक्षा चतुर्थ के सार्थक बाली ने स्वर्ण पदक , कक्षा नौवीं की ज्ञान कौर ने स्वर्ण पदक , कक्षा बाहरवीं-मेडिकल की गंगा कौर ने रजत पदक, कक्षा दसवीं के पराग काम्बोज ने कांस्य पदक और कक्षा ग्यारवीं के भौमिक ने कांस्य पदक प्राप्त कर जीत हासिल की।

2. कक्षा पांचवीं के राघव वर्मा व सान्या, कक्षा छठी की शेरोन व काशवी, कक्षा आठवीं की मन्नत कांबोज व हरी सिंह, कक्षा दसवीं की भाविका ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

3. कक्षा छठी की जसनूर व प्रभनूर , कक्षा सातवीं की जशनदीप कौर , कक्षा ग्यारवीं की अर्शिया जॉन (रचनात्मक लेखन) व क्षयर्ष को भागीदारी प्रमाण पत्र हुआ।

4. इस अवसर पर विद्यालय की दो अध्यापिकाओं विद्या बाली और पूनम भंडारी को विद्यालय ने बड़े आदर के साथ सम्मानित किया जिन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है।

विद्या बाली ने संगीत की धुन पर कम समय में (5 मिनट, 12 सेकेंड) ने चित्र बनाकर इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज़ करवाके विद्यालय व अपने परिवार का नाम गर्व से ऊंचा किया। इसी प्रकार पूनम भंडारी को ग्लोबल एजुकेशन लीडर अवॉर्ड 2023, वर्ल्ड टीचर डे के दिन अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. चांदना लाल ने विद्यालय में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, मुख्य अतिथि, सभी विद्यार्थियों व सभी नगरवासियों को वैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संविधान को विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाया

करनाल। मानव सेवा संघ में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा कल्याण मंच द्वारा समानता दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बलराम शर्मा ने की। कार्यक्रम में पहुंचने पर युवा मंच के अध्यक्ष रजत कुमार, उपाध्यक्ष करण आजाद व महासचिव अरुण कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए डॉ. बलराम शर्मा ने कहा कि बाबा साहब समाज में न्याय,समानता एवं अधिकारों के समर्थक थे। उन्होंने दलित, पिछड़े एवं गरीबों के लिए अनेक योजनाएं बनाकर उन्हें अमली जामा पहनाया। महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया। संविधान निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए भारतीय संविधान को विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाया। धर्मनिरपेक्ष राज्य का समर्थन किया तथा उन्होंने हमेशा अपने विचारों में मौलिक अधिकारों एवं श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दी थी। डॉ. बलराम शर्मा ने कहा कि बाबा साहब भारत में लोकतंत्र को स्थापित करने वाले महापुरुषों में से एक थे। कार्यक्रम में मंच संचालक अरुण कुमार व रजत कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा कल्याण मंच के पदाधिकारीयो ने मुख्य अतिथि को समृति चिन्ह देकर धन्यवाद किया। इस अवसर पर अध्यक्ष रजत कुमार, उपाध्यक्ष करण आजाद, महासचिव अरुण कुमार, महासचिव राहुल भारती, सचिव प्रदीप चौधरी, सचिव साहिल खोखर एवं सदस्य राकेश रॉकी, मुकेश चौधरी, पार्षद सागर चड्ढा, प्रदीप कुमार, सुरेंद्र कुमार, पुनीत कुमार, मनीष मवि, केशव, जस्टिन व भारी संख्या में युवा मौजूद रहे।

दैनिक जीवन के कार्य गणित के बिना अधूरे हैं

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज में गणित विभाग द्वारा कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंहुचे प्राचार्य डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि दैनिक जीवन में हर समय गणित की आवश्कता होती है। गणित विषय सब विषयों में अपनी अलग ही पहचान रखता है। प्राचार्य ने कहा कि गणित विषय में पारंगत विद्यार्थी को रोजगार की प्राप्ति कोई बड़ी बात नहीं है, उनका क्षेत्र बहुत विस्तृत और व्यापक है। गणित के विशेषज्ञ बनकर विद्यार्थी नए नए सिद्धातों और शोध करके दुनिया में नाम कमा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि उन्हे इस तरह की गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। प्राचार्य डॉ. सैनी ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने से ही मनोबल बढ़ता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने वास्तविक उदेश्य के लिए पढ़ाई करे। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन के कार्य गणित के बिना अधूरे है। उन्होंने विभाग के शिक्षकों से भी कहा कि गणित को लेकर जिस तरह का हववा समाज में बना हुआ है कि यह बहुत मुश्किल विषय है आप सभी अपने विद्यार्थियों के स्तर पर जाकर इसको रुचिकर बनाने का काम करें। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में 18 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें सभी ने गणित विषय पर अपनी स्वंय रचित कविता सुनाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी बीसीए द्वितीय वर्ष, संजना एमएससी फाइनल ने दूसरा तथा तीसरा स्थान जीया बीसीए द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णयाक मंडल की भूमिका डॉ. अनीता शर्मा, डॉ. रमा गर्ग ने निभाई। इस मौके पर डॉ. रमा गर्ग, डॉ. ज्योति मदान, प्रो. अमरेश राणा, प्रो. रजनी, प्रो. टीना व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

केएमवी में मनाया गया बैसाखी का त्योहार

जालंधर। भारत की विरासत एवं ऑटोनॉमस संस्था, कन्या महा विद्यालय, जालंधर के द्वारा छात्राओं को विभिन्न पहलुओं की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए सदा गंभीर प्रयत्न किए जाते रहते हैं, ताकि उनके ज्ञान एवं शिक्षा के दायरे को और अधिक विशाल करने के साथ-साथ परंपरा तथा आधुनिकता के सुमेल को बाखूबी समझाया जा सके। इसी श्रृंखला में विद्यालय के सोशियोलॉजी विभाग के द्वारा बैसाखी का दिवस मनाते हुए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। छात्राओं ने बढ़-चढ़कर इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए बैसाखी के त्योहार की शुरुआत, महत्व आदि को बेहद शानदार तथा रंग-बिरंगे पोस्टर्स में दर्शाया. चिकिरशा शर्मा, हरलीन, पलक, राजवीर, शगुन, विशाखा आदि जैसी छात्राओं की ओर से पोस्टर्स में दिखाई गई रचनात्मकता को सभी के द्वारा बेहद से रहा गया। विद्यालय प्रिंसिपल प्रो. अतिमा शर्मा द्विवेदी ने सभी को बैसाखी के त्योहार की मुबारकबाद देते हुए कहा कि ऐसे त्योहार सभी को आपस में मिल बैठकर खुशियां सांझा करने का जहां एक अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। वहीं साथ ही हर्षोल्लास से ओत-प्रोत होकर सभी अपने दैनिक जीवन में आगे बढ़ते हुए सामाजिक निर्माण में अपना योगदान डालते हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सोशियोलॉजी विभाग से गीतिका द्वारा किए गए प्रयत्नों की प्रशंसा की।

अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर की नारेबाजी

सोनीपत। छात्र अभिभावक संघ की अध्यक्ष प्रवेश कुमारी के नेतृत्व में अभिभावकों ने आरटीई के तहत स्कूलों में बेंचों के दाखिले में आ रही परेशानी व प्राइवेट स्कूलों द्वारा कॉपी-किताबें व मंहगी ड्रेस को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर अभिभावकों ने संघ के पदाधिकारी के साथ मिलकर बीजेपी सरकार, शिक्षा मंत्री के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया से मिलकर मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में आरटीई को लेकर कुछ मांगे रखी गई थीं। जिसमें आरटीई को पूरी तरह से लागू करने, सोनीपत में कौन सा स्कूल किस क्लास से शुरू होता है, यह जानकारी दी जाए। आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों में कितने फॉर्म जमा हो चुके हैं, इसकी जानकारी दी जाए। प्राइवेट स्कूलों की कॉपी किताबें और महंगी ड्रेसों का धंधा बंद करवाया जाए। कॉपी-किताबों की कीमत कम करवाई जाए, आरटीई लास्ट डेट 15 अप्रैल 2024 है, जिसे आगे बढ़ाया जाए। शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करने वालों में अभिभावक सुनीता, बिना ,राधा, संदीप, विपिन, पूजा, काजल, राजेश, श्वेता, पिंकी, हेमा, बबलू इत्यादि शामिल रहे।

मां भद्रकाली शक्तिपीठ में भक्तों ने की मां के कुष्मांडा स्वरूप की पूजा अर्चना

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा मां भद्रकाली जी को गुलाबी वस्त्रों में सजा कर कुष्मांडा स्वरूप में की गई। सर्वप्रथम मंगला आरती मंदिर की

मुख्य पुजारिन शिमला देवी द्वारा की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश सिंघल कुरुक्षेत्र पहुंचे। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने बताया कि मां कुष्मांडा को ब्रह्मांड की रचनाकार कहा गया है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष ,बाण, कमल पुष्प, कलश, चक्र और गदा है। आठवें हाथ में सभी सिद्धियाँ और निधियों को देने वाली माला है। देवी के हाथों में जो अमृत कलश है वह अपने भक्तों को दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य का वर देती है। मां सिंह की सवारी करती हैं जो धर्म का प्रतीक है। पीठाध्यक्ष ने बताया कि भगवत पुराण के अनुसार माता कुष्मांडा का यह स्वरूप देवी पार्वती के विवाह के बाद से लेकर कार्तिकेय के जन्म के बीच का है।

इस रूप में देवी संपूर्ण सृष्टि को धारण करने वाली है। मान्यता है कि संतान की इच्छा रखने वालों भक्तों को मां की उपासना करनी चाहिए। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने कहा कि हम सभी को अपने सनातन धर्म की जानकारी, इनके पीछे की कहानी और समृद्ध विरासत का ज्ञान होना चाहिए। मंदिर में शक्ति त्रिशूल पर भी मन्नत का धागा बांधने वालो की भारी भीड़ देखी गई। लाल

मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु

ध्वज को अपने घर पर लगाने के लिए ले जाने वालों और अपने घरों व कालोनियों में जागरण कराने वाले श्रद्धालु भी मां की ज्योति मंदिर से प्रज्वलित करवाने के लिए काफी संख्या में शक्तिपीठ पहुंचे। माँ भद्रकाली जी के प्रिय शनिवार के दिन माँ का सचित्र स्वर्णिम अनमोल खजाना भी सभी भक्तों में मुख्य पुजारिन शिमला देवी द्वारा प्रसाद में आशीर्वाद स्वरूप वितरित किया जाएगा। यह खजाना सिफ्र नवरात्रि में शनिवार को ही वितरित होता है। इस बार खजाने में एक तरफ मां भद्रकाली जी का चित्र व एक तरफ मां सती के दांये गुल्फ चरण के दर्शन हो सकेंगे। यह खजाना सभी भक्त अपने घरों में पूजा में रख सकेंगे। इस अवसर पर नरेंद्र वालिया, जीवन मौदगिल, एम के मौदगिल, संजीव मित्तल, ऋषि तोमर, बलवान, सुरेंद्र द्विवेदी, निकुंज शर्मा, देवेंद्र गर्ग हाबड़ी, रामपाल लाठर, हाकम चौधरी, अनिल मास्टर आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने लगा रखे थे भ्रष्टाचार के उद्योग भाजपा ने लगाई रोक : मनोहर लाल खट्टर

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कांग्रेस के राज में था गला-सड़ा सिस्टम, भाजपा सरकार ने सिस्टम को सुधारा : मनोहर लाल

भाजपा शासन में जीएसटी से व्यापारियों को मिली राहतः पूर्व मुख्यमंत्री

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में बीबीसी के नाम से एक उद्योग स्थापित कर रखा था जिसका अर्थ था बदलियां, भर्ती और सीएलयू उद्योग। इस उद्योग के नाम पर मोटी कमाई की जा रही थी, लेकिन भाजपा ने सत्ता में आने के बाद इस उद्योग को पूरी तरह से बंद कर दिया।

पहले शिक्षकों की बदलियां ऑनलाइन की गई और अब हरियाणा के सभी चार लाख कर्मचारी ऑनलाइन तबादले करवा पाएंगे। भाजपा सरकार ने नौकरियां मेरिट के आधार पर दी और सीएलयू के सिस्टम को पूरी तरह से पारदर्शी बनाने का काम किया। अब किसी भी काम के लिए किसी भी व्यक्ति को एक रुपया भी खर्च नहीं करना पड़ता। मनोहर लाल शुक्रवार को यहां बरवाला कपास मंडी में हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रणजीत चौटाला के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास किसी सीट के लिए दावेदार ही नहीं है और अगर कहीं पर दावेदार हैं तो वहां उनके बीच इतनी लड़ाई है कि कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पा रही है, जिस कारण मैदान अभी तक खाली है। जब तक कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करेगी तब तक जनता अपना मन बना चुकी होगी और चार जून को बीजेपी हरियाणा की सभी लोकसभा और करनाल विधानसभा बड़े अंतराल से जीतेगी।

मनोहर लाल ने कहा कि 10 साल नरेंद्र मोदी और साढ़े नौ साल हरियाणा की सरकार ने सिस्टम बदलने का काम किया। किसानों को पहले अपनी जमीन की फर्द लेने के लिए तहसीलदार और पटवारी के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन सरकार ने इस सिस्टम को बदलकर इसे भी ऑनलाइन कर दिया। लोगों को राशन कार्ड बनवाने के लिए चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे ऑनलाइन किया। मरे हुए आदमियों की बुढ़ापा पेंशन कुछ लोग खा रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार ने उस पर अंकुश लगाने का काम किया और अब सरकार ने उस चोरी को रोक कर विदुर और कुंवारों की पेंशन शुरू की है। उन्होंने कहा कि 2015 से पहले प्रदेश में केरोसिन के टैंकर आते थे और पेट्रोल और डीजल में मिलाकर उसे बेचा जाता था जिससे लोगों को भारी दिक्कतें होती थी। भाजपा सरकार ने प्रदेश को केरोसिन फ्री प्रदेश बनाने का काम किया। जीएसटी लागू की जिसका कुछ दिन तो विरोध हुआ, लेकिन आज जीएसटी के कारण देश प्रदेश व्यापारी और आम जनता सभी का भला हो रहा है। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में इंस्पेक्टरी राज खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने गरीबों महिलाओं और युवाओं का बहुत ध्यान रखा है।

सरकार 14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही :प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार 14 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। पूरे देश में कोई भी राज्य ऐसा नहीं है जो इतनी फसलें खरीद करती हो। किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब की तरफ से किसानों का आंदोलन उठना है साबित करता है।

लोकसभा आम चुनाव के दौरान एग्जिट पोल पर रहेगी पाबंदी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

भारत चुनाव आयोग ने जारी की अधिसूचना

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि भारत चुनाव आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव व 12 रा'यों के 25 विधानसभाओं के उपचुनाव के चलते लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा एक व भारत आयोग की अधिसूचना की उप धारा 2 के दृष्टिगत 19 अप्रैल 2024 से एक जून 2024 तक कोई भी व्यक्ति और मीडिया किसी भी प्रकार का एग्जिट पोल का आयोजन नहीं कर सकता है। लोप्रअ 1951 की धारा का उल्लंघन करता है तो उसको दो वर्ष तक का कारावास या जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना की जानकारी देते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन करना सभी का कर्तव्य है। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ-साथ 12 रा'यों के 25 विधानसभाओं के उप निर्वाचन के चलते 19 अप्रैल 2024 को पूर्वाहन सात बजे से एक जून 2024 अपराहन साढ़े छह बजे तक लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क व भारत निर्वाचन आयोग की उप धारा दो के उपबंधों के दृष्टिगत कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा। इसके अलावा किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम को प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन, प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति में प्रचार नहीं करेगा। अगर कोई भी लोप्रअ 1951 की धारा का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उल्लंघन करने वाले को दो वर्ष तक का कारावास या जुर्माना अथवा दोनो की दंड दिए जा सकते हैं।

उपायुक्त ने कहा कि अधिसूचना के अनुसार साधारण निर्वाचन व उप निर्वाचनों की दशा में यह अवधि मतदान के पहले दिन के संबंध में मतदान के लिए नियत समय के आरंभ होने से शुरू होगी और सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने के आधे घंटे तक जारी रहेगी। परंतु भिन्न-भिन्न दिनों पर एक साथ कराए जाने वाले अनेक उप-निर्वाचनों की दशा में, यह अवधि मतदान के पहले दिन के संबंध में मतदान के लिए निर्धारित समय के आरंभ होने से शुरू होगी। कोई व्यक्ति, जो इस धारा के उपबंधों का उल्लंघन करेगा तो ऐसी अवधि के दौरान दो वर्ष तक कारावास या जुर्माना अथवा दोनों दंडनीय होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग उक्त धारा की उप-धारा (2) के उपबंधों के दृष्टिगत, 19 अप्रैल 2024 (शुक्रवार) को पूर्वाहन सात बजे तथा एक जून, 2024 (शनिवार) को अपराहन छह बजे के बीच की अवधि के रूप में अधिसूचित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बैसाखी के समय आकाश में विशाखा नक्षत्र होता

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में बैसाखी का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा प्री -नर्सरी से द्वितीय के विद्यार्थियों ने रंग बिरंगी पगड़ियां पहन कर सेल्फी करवाई तथा पंजाबी गीतों पर नृत्य का आंनद लिया। विद्यार्थियों को पंजाबी संस्कृति से परिचित करवाने की थीम को ध्यान में रखकर विद्यालय में सुंदर सजावट की गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष सभा के अंतर्गत अध्यापिका स्नेह ने कहा कि बैसाखी कृषि से जुड़ा हुआ एक त्योहार है, जिसे पंजाब और हरियाणा में काफी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सिख नववर्ष के रूप में भी मनाया जाता है। सिख समुदाय में बैसाखी का त्योहार खालसा पंथ के स्थापना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा ने सभी को बैसाखी की बधाई देते हुए कहा कि बैसाखी के समय आकाश में विशाखा नक्षत्र होता है। विशाखा नक्षत्र पूर्णिमा में होने के कारण इस माह को बैसाख कहते हैं। वैशाख माह के पहले दिन को बैसाखी कहा गया है। इस दिन सूर्य मेष राशि में गोचर करते हैं जिस कारण इसे मेष संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या रिद्धिमा, मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा, अध्यापिका मंजीत, स्वाति, सीमा, नैंसी, पायल, हरिंदर, सोनिया, गरिमा, परमज्योति, नीतू, रिहाना, मधु, पूनम, आशा, अंजलि, रीना, अध्यापक, सुनील, जसमेर, इशांत, शक्ति प्रकाश सहित स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।

डीएवी कॉलेज जालंधर की छात्रा ने यूनिवर्सिटी टॉप किया

जालंधर। एमएससी गणित तृतीय सेमेस्टर की अंजला अरोड़ा ने 451/500 अंक प्राप्त करके विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और साक्षी ने 417/500 अंक प्राप्त करके सूची में तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने विभागाध्यक्ष डॉ. एसके तुली, विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों को उनके भविष्य के उद्यमों के लिए को बधाई देते हुए कहा कि डीएवी कॉलेज अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कॉलेज मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से उन्हें वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। विभागाध्यक्ष डॉ. एसके तुली ने छात्रों को संस्थान का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी और उनकी सफलता को संकाय सदस्यों और उनके माता-पिता को समर्पित किया। दोनों छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों व अभिभावकों को दिया।

गीता विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाया बैसाखी पर्व

शाहाबाद मारकंडा। गीता विद्या मंदिर शाहाबाद में बैसाखी पर्व मनाया गया। वंदना सत्र के बाद माई चंद ने बैसाखी के पर्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को बताया कि बैसाखी का पर्व हिंदुओं और सिखों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन खालसा पंथ की स्थापना हुई थी। फसलों की कटाई भी इसी दिन से शुरू की जाती है। उन्होंने बच्चों को जलियांवाला बाग हत्याकांड की भी जानकारी दी। विद्यालय की प्राचार्य निशा गोयल ने बच्चों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन के बारे में बताया। इस अवसर पर समस्त विद्यार्थी और विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

आईजी कॉलेज में एक दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

कैथल। इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में एनएसएस की दोनों यूनिट्स द्वारा एक दिवसीय कैंप बेहतर पर्यावरण के लिए युवा उप-विषय के तहत आयोजित किया गया। कैंप में पेड़ों के रोपण और उनके संरक्षण को लेकर उन्हें जागरूक किया गया। साथ ही वोट के महत्व पर आधारित एक वाद-विवाद प्रतियोगिता भी रखी गई। कैंप के दौरान छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान राम बहादुर खुरानिया ने कहा कि चुनाव किसी भी लोकतांत्रिक समाज का एक महत्वपूर्ण और आवश्यक पहलू है जिसकी वजह से ही आम आदमी अपनी इच्छानुसार इमानदार और नेक प्रतिनिधि को चुन सकता है और देश को अच्छी सरकार मिल सकती है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर आरती गर्ग ने वोट के प्रति सभी को जागरूक करते हुए कहा कि मतदाता का यह फर्ज बनता है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करे। इस अवसर पर सांयकालीन सत्र की प्राचार्या प्रभारी श्वेता तंवर व महाविद्यालय स्टाफ से एनएनएस इंचार्ज हेमलता, रेनू बाला व छवि इत्यादि उपस्थित रहे।

प्रशासन जिला स्तर पर स्कूलों के व्हीकल की जांच करें

सोनीपत। महेंद्रगढ़ के उन्हानी गांव के नजदीक गुरुवार स्कूल बस चालक की लापरवाही से हुए हादसे में छह बच्चों की मौत व 15 बच्चों की घायल होने की खबर ने प्रदेश के शिक्षा व ट्रांसपोर्ट विभाग की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। इसी को मध्येनजर रखते हुए कांग्रेस पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई के लीगल सेल के प्रदेश चेयरमैन एडवोकेट सौरभ सचदेवा द्वारा शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा को सिटी मजिस्ट्रेट पूजा कुमारी के मार्फत मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें मुख्य रूप से जिले के सभी स्कूलों के व्हीकल की जांच, ड्राइवर व कंडक्टर का लाइसेंस आदि की जिला स्तरीय जांच कर जिला प्रशासन व संबंधित स्कूल की वेबसाइट पर जांच रिपोर्ट सार्वजानिक करना, एक्सीडेंट में पीड़ितों को मुआवजा राशि व नियमों का उल्लंघन कर रहे स्कूल के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। सचदेवा ने कहा कि विद्यार्थी देश की धरोहर हैं। स्कूल प्रशासन की लापरवाही से छह परिवारों ने अपने घर के चिराग खो दिए हैं। एनएसयूआई हरियाणा इस घटना की पूर्ण रूप से निंदा करती है, यदि जल्द मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेश स्तर पर विद्यार्थी की रक्षा के लिए आंदोलन किया जाएगा। मौके पर एडवोकेट सुरेंदर मलिक, एडवोकेट अजय आंतिल, एडवोकेट गौरव सरोहा, एडवोकेट अनुज, एडवोकेट साहिल राणा, एडवोकेट निशांत, एडवोकेट अजित चौहान, एडवोकेट नवीन चौहान आदि मौजूद रहे।

चुनाव आयोग की हिदायतों की अवहेलना पर की जाएगी कार्रवाई : मनोज कुमार

यमुनानगर। भारत चुनाव आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव व 12 राज्यों के 25 विधानसभाओं के उप चुनाव के चलते लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क की उपधारा एक व भारत आयोग की अधिसूचना की उप धारा 2 के दृष्टिगत 19 अप्रैल 2024 से एक जून 2024 तक कोई भी व्यक्ति और मीडिया किसी भी प्रकार का एग्जिट पोल का आयोजन नहीं कर सकता है। लो.प्र.अ. 1951 की धारा का उल्लंघन करता है तो उसको दो वर्ष तक का कारावास या जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना की जानकारी देते हुए बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन करना सभी का कर्तव्य है। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ-साथ 12 राज्यों के 25 विधानसभाओं के उप निर्वाचन के चलते 19 अप्रैल 2024 को पूर्वाहन सात बजे से 1 जून 2024 अपराहन साढ़े छह बजे तक लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क व भारत निर्वाचन आयोग की उप धारा दो के उपबंधों के दृष्टिगत कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा। इसके अलावा किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम को प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन, प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति में प्रचार नहीं करेगा। अगर कोई भी लो.प्र.अ. 1951 की धारा का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कारवाई अमल में लाई जाएगी। उल्लंघन करने वाले को दो वर्ष तक का कारावास या जुर्माना अथवा दोनो की दंड दिए जा सकते हैं।

अमेजन फैशन के नए कैम्पेन फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल में दिखाई देंगे अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अमेजन फैशन ने अपने नए कैम्पेन, फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल को लॉन्च करने की घोषणा की है। अमेजन के इस नए कैम्पेन में बॉलीवुड स्टार अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर पहली बार एक साथ दिखाई देंगे।

कपड़े, जूते, घड़ियां और एक्सेसरीज आदि आपके लुक को और भी बेहतरीन बनाते हैं। इस कैम्पेन में अमेजन को इन सभी की खरीदारी के लिए एक वन-स्टॉप ऑनलाइन डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया गया है। अमेजन पर आपको सिर्फ टॉप ब्रांडों की सलाह ही नहीं मिलती, बल्कि यहां वियर इट विथ जैसे फीचर्स और इज़ी रिटर्न, फास्ट डिलीवरी, नो कन्वीनिएंस फीस आदि जैसे सुविधाजनक फीचर्स का फायदा मिलता है। यह कैम्पेन फैशन के शौकीनों को इस बात का विश्वास दिलाता है कि अमेजन फैशन उनके लिए आगे भी फैशनेबल कपड़े खरीदना आसान बनाता रहेगा। इसके साथ ही अमेजन फैशन की कोशिश है कि वह ग्राहकों के लिए फैशन को नए सिरे से परिभाषित करने और खरीदारी के उनके अनुभव को और भी आसान बनाए। यह कैम्पेन मीडिया मॉन्क द्वारा तैयार किया गया है। यह कैम्पेन हाल ही में टीवी, आउटडोर, डिजिटल वीडियो और सोशल मीडिया पर लाइव हुआ है। प्रज्ञा शर्मा, डायरेक्टर-कंज्यूमर मार्केटिंग, अमेजन इंडिया ने कहा हम अपना नया कैम्पेन, फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल पेश करते हुए बहुत ही उत्साहित हैं।

इस कैम्पेन का उद्देश्य अमेजन फैशन को फैशन के शौकीनों के लिए वन-स्टॉप ऑनलाइन डेस्टिनेशन बनाना है। कपड़ों, जूतों, घड़ियों, एक्सेसरीज़ आदि के विशाल संग्रह के साथ, अमेजन ग्राहकों को टॉप ब्रांडों के सुझावों जैसे वियर इट विथ जैसे फीचर्स के साथ अपने लुक को आसानी से संवारने में मदद करता है। आसान रिटर्न, बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के तेज डिलीवरी जैसे खास फीचर्स के साथ, हम फैशन शॉपिंग के अनुभव को लगातार बेहतरीन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्कूल बस हादसे के तीनों अभियुक्तों का पांच दिन का रिमांड

चंडीगढ़। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल क्षेत्र के उन्हानी के पास सड़क हादसे में छह बच्चों की मौत के मामले में बस चालक, स्कूल प्रिंसिपल और सचिव को कनीना कोर्ट में पेश किया गया। जहां से तीनों को पांच दिन के रिमांड पर भेज दिया गया है। अब 17 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मेनका सिंह के न्यायालय में तीनों को पेश किया गया था। जहां तीनों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। बस ओवरटेक कराते समय पेड़ से टकरा कर पलट गई थी। बस में सवार छह बच्चों की मौत हो गई थी, वहीं अन्य बच्चे घायल हो गए थे। मामले में कार्रवाई के लिए एसपी के निर्देशानुसार गठित टीमों ने बस चालक धर्मेंद्र वासी सेहलंग, स्कूल प्रिंसिपल दीप्ति और स्कूल के सचिव को गिरफ्तार किया था।

शहत गिल के उत्साहवर्धक पॉप सिंगल, ''हुलारे'' की बीट्स को महसूस करें

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

उभरती हुई पॉप आईकन, शहत गिल अपना उत्साहवर्धक पंजाबी ट्रैक लेकर आई हैं। उन्होंने बहुत ही सुगमता से प्रभावशाली लिरिक्स को आकर्षक बीट्स के साथ मिश्रित कर ऐसा बेहतरीन ट्रैक बनाया है, जिसमें आत्मविश्वास के साथ स्टाईल झलक रहा है। उनका पहला गीत 'पागल ए' फीट पैंथर जून 2023 में रिली? किया गया था, जिसे उत्तर भारत के लोगों ने बहुत पसंद किया। कंपोजर और लिरिसिस्ट तरनजीत सिंह और मनप्रीत सिंह उर्फ कप्तान ने इस गीत के हर नोट में अपना पूरा अनुभव और रचनात्मकता डाल दिए हैं। इस डायनामिक ट्रैक के साथ शहत गिल ने म्यू?क वीडियो में अपना आत्मविश्वास और आकर्षण पूरे वैभव के साथ पेश करके बहुत ही सुंदर दृश्य निर्मित किए हैं। इसके आकर्षक विज़्युअल और डायनामिक

कोरियोग्राफी ने मिलकर उनकी प्रभावशाली उपस्थिति का जश्न मनाते हुए बहुत ही दिलचस्प विज़्युअल और ऑडियो अनुभव उत्पन्न किया है। इसकी तीव्र धुन और मंत्रमुग्ध कर देने वाली लय के साथ यह ट्रैक पंजाबी पॉप म्यूजिक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाएगा, जो उद्योग में एक उभरते हुए सितारे के रूप में शहत गिल की पहचान को मजबूत करेगा।अपने इस नए गीत के बारे में शहत ने कहा, ''सबसे पहले मैं अपने पहले गीत पागल ए को दर्शकों से मिले प्यार व स्नेह के लिए उन्हें धन्यवाद देती हूं। 'हुलारे' एक डायनामिक गीत है, जिसके हर पहलू में आत्मविश्वास झलक रहा है। पंजाबी संगीत जो इच्छाशक्ति और स्वैग जगाता है, वह अतुलनीय है, और 'हुलारे' के साथ मैं चाहती हूँ कि हर कोई उस आत्मविश्वास को महसूस करे। मैं यह गीत दर्शकों द्वारा सुने जाने और इसके लिए उनका स्नेह पाने के लिए बहुत रोमांचित हूँ।''

वैनिश ने बच्चों की यूनीफॉर्म में वैनिश द डिफरेंस के लिए शुरू किया नया कैम्पेन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / फरीदाबाद

'मेक यूनीफॉर्म्स, यूनीफॉर्म अगेन है कैम्पेन का लक्ष्य

दिग्गज फैब्रिक स्टेन रिमूवल ब्रांड और प्रीमियम लॉन्ड्री एडिटिव वैनिश ने अपने नए फैब्रिक व्हाइटनर, वैनिश क्रिस्टल व्हाइट के लिए वैनिश द डिफरेंस कैम्पेन लॉन्च किया है।'मेक यूनीफॉर्म्स, यूनीफॉर्म अगेन मिशन के साथ, कैम्पेन अभियान का उद्देश्य इस बात को प्रदर्शित करना है कि यूनीफॉर्म की चमक में अंतर बच्चों के लिए किसी भी मौके को खोने का कारण न बने।

स्कूल की यूनीफॉर्म इसलिए तय की जाती है कि सभी छात्रों के साथ एक समान व्यवहार हो। कोई छात्र किस पृष्ठभूमि का है, इस बात की परवाह किए बिना यूनीफॉर्म सभी के साथ समानता की भावना को बढ़ावा देती है। लगभग सभी स्कूलों में कम से कम एक यूनीफॉर्म सफेद रंग की होती ही है, जो अक्सर कुछ धुलाई के बाद अपनी चमक खो देती है। इस बात पर अक्सर माता-पिता का ध्यान नहीं जाता और अक्सर वे इसे महत्वहीन मान सकते हैं। लेकिन, फीकी वर्दी बच्चे पर काफी प्रभाव डाल सकती है। अपने साथियों की तुलना में फीकी यूनीफॉर्म के कारण बच्चा कई बड़े अवसरों से चूक सकता है। इस कैम्पेन में, मेकिंग यूनीफॉर्म्स, यूनीफॉर्म अगेन के संदेश के साथ वैनिश इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि यूनीफॉर्म भी किसी बच्चे के लिए मौका खोने का कारण नहीं बननी चाहिए।

सौरभ जैन, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, हाइजीन, रेकिट - साउथ एशिया ने कहा, वैनिश, अपने क्रांतिकारी फॉर्मूलेशन के साथ, ग्राहकों को उनके परिधान से जुड़ी समस्याओं का समाधान पेश करना चाहता है। वैनिश की कोशिश है कि कपड़े लंबे समय तक चलें, चमकदार दिखें और हमेशा सफेद बने रहें। वैनिश द डिफरेंस के साथ हमारा प्रयास है कि बच्चे की यूनीफॉर्म दिखने में कैसी है, इस झंझट के बिना हर बच्चे को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। हम आपसे मेक यूनीफॉर्म्स, यूनीफॉर्म अगेन और सभी छात्रों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए हमारे साथ जुड़ने का आग्रह करते हैं।

इस कैम्पेन का कॉन्सेप्ट हवास वर्ल्डवाइड इंडिया ने तैयार किया है। यूनीफॉर्म का उद्देश्य बच्चे की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना होता है। इस कैम्पेन में शामिल एड फिल्म यूनीफॉर्म के इसी वास्तविक उद्देश्य पर फोकस करती है। एड फिल्म में दिखाया गया है।

अदालत ने शहीद की पत्नी के मामले में महाराष्ट्र सरकार से नाखुशी जताई

यदि मुख्यमंत्री निर्णय लेने में असमर्थ हैं तो राज्य सरकार 17 अप्रैल तक हलफनामा दाखिल करे, इसके बाद हलफनाम के अनुसार मुद्दे से निपटेगी

एजेंसी। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने जम्मू कश्मीर में शहीद हुए सेना के एक मेजर की पत्नी को पूर्व सैनिकों के लिए महाराष्ट्र सरकार की नीति के तहत लाभ देने पर निर्णय लेने में विफल रहने को लेकर शुक्रवार को राज्य सरकार के प्रति अप्रसन्नता जताई।

न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदोश पूनीवाला की एक खंडपीठ ने कहा कि वह अदालत द्वारा मुख्यमंत्री को मामले को विशेष मामला मानने का आदेश दिए जाने के बावजूद सरकार के रुख से अप्रसन्न और आश्चर्यचकित है। अदालत दिवंगत मेजर अनुज सूद की पत्नी आकृति सूद द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 2019 और 2020 के दो सरकारी प्रस्तावों के तहत पूर्व सैनिकों के लिए (मौद्रिक) लाभ का अनुरोध किया गया था। मेजर सूद 2 मई, 2020 को जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों से नागरिक बंधकों को बचाते समय शहीद हो गए थे और उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। राज्य सरकार ने दलील दी है कि केवल

महाराष्ट्र में पैदा हुए या 15 वर्षों तक लगातार राज्य में रहने वाले लोग ही मौद्रिक लाभ और भत्ते के पात्र हैं।

शुक्रवार को, सरकारी वकील पी पी काकड़े ने पीठ को सूचित किया कि सूद को लाभ नहीं दिया जा सकता क्योंकि वह राज्य के अधिवासी नहीं थे। काकडे ने कहा, हमें एक उचित नीतिगत निर्णय लेने की जरूरत है जिसके लिए हमें मंत्रिमंडल से संपर्क करने की जरूरत है। मंत्रिमंडल बैठक अभी नहीं हो रही। हालांकि, पीठ ने इस पर अप्रसन्नता जताते हुए कहा कि हर बार निर्णय न लेने के लिए कोई न कोई कारण दिया जाता है। अदालत ने कहा, आप (सरकार) ऐसे मामले से निपट रहे हैं...किसी ने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया है और आप ऐसा कर रहे हैं। हम खुश नहीं हैं।

पीठ ने कहा कि उसने राज्य के सर्वोच्च प्राधिकारी (मुख्यमंत्री) को मामले को एक विशेष मामले के रूप में विचार करने और उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति कुलकर्णी ने कहा, हमने मुख्यमंत्री से निर्णय लेने का अनुरोध किया था। उन्हें निर्णय लेना चाहिए था। यदि वह निर्णय नहीं ले सकते या निर्णय लेना उनके लिए बहुत अनुचित था, तो हमें बताएं, हम इससे निपटेंगे। उन्होंने कहा, अब आप (जिम्मेदारी से) भाग नहीं सकते। अब आप कह रहे हैं कि मंत्रिमंडल को देखना होगा। मंत्रिमंडल की बैठक नहीं हो रही है। यह ठीक नहीं है। हमें सरकार से बहुत बेहतर की उम्मीद थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सरकार ने मौखिक रूप से कहा है कि सूद को विशेषाधिकार नीति के तहत लाभ नहीं दिया जा सकता। पीठ ने कहा, हम इस रुख से काफी हैरान हैं। हमने राज्य के सर्वोच्च प्राधिकारी से निर्णय लेने के लिए कहा था।

यदि मुख्यमंत्री निर्णय लेने में असमर्थ हैं तो राज्य सरकार एक हलफनामा दाखिल करे। इसने सरकार को 17 अप्रैल तक एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि वह उसके अनुसार मुद्दे से निपटेगी। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि परिवार पिछले 15 वर्षों से महाराष्ट्र में रह रहा है, जैसा कि उसके दिवंगत पति की इच्छा थी, जो हमेशा पुणे में रहना चाहते थे।

बेंगलुरु कैफे विस्फोट के आरोपियों की मेडिकल जांच कराई गई

कोलकाता। बेंगलुरु कैफे विस्फोट मामले के दो आरोपियों की मेडिकल जांच शुक्रवार को यहां एक मेट्रोपॉलिटन अदालत में पेश करने से पहले एक सरकारी अस्पताल में कराई गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के एक वकील ने कहा कि उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए बैंकशाल अदालत ले जाया गया।

दोनों आरोपियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। पूर्व मेदिनीपुर के एसपी भट्टाचार्य ने कहा कि दोनों को एनआईए और पश्चिम बंगाल पुलिस के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया।

बरी करने का निर्णय एक और दृष्टिकोण के आधार पर नहीं पलटें अदालत : न्यायालय

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अपीलीय अदालत आरोपी को बरी करने के आदेश को केवल इस आधार पर नहीं पलट सकती कि मामले में एक और दृष्टिकोण संभव है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अपीलीय अदालत जब तक इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचती कि बरी करने का फैसला साक्ष्य के विरूद्ध है, फैसले में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

पीठ ने कहा, अपीलीय अदालत बरी करने के आदेश को केवल इस आधार पर नहीं पलट सकती कि एक और दृष्टिकोण संभव है। दूसरे शब्दों में, बरी करने का फैसला साक्ष्य के विरूद्ध पाया जाना चाहिए। जब तक अपीलीय अदालत इस तरह के निष्कर्ष पर नहीं पहुंचती है, बरी करने के आदेश में कोई हस्तक्षेप नहीं किया

जा सकता।

शीर्ष अदालत ने हत्या के एक मामले में अपील पर फैसला करते हुए यह कहा। मामले में बरी करने संबंधी निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय ने पलट दिया था। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि यह एक स्थापित कानून है कि बरी किए जाने के खिलाफ अपील पर फैसला करने के दौरान अपीलीय अदालत को साक्ष्य को ध्यान में रखना होगा। शीर्ष अदालत ने कहा, उच्च न्यायालय ने इस स्थापित सिद्धांत की अनदेखी की कि बरी करने का आदेश आरोपी के बेगुनाह होने की पूर्वधारणा को और मजबूत करता है। फैसले पर गौर करने के बाद, हमने पाया कि उच्च न्यायालय ने मुख्य बिंदु पर विचार नहीं किया।

पीठ ने कहा कि सांविधिक प्रावधानों के अभाव में, इस मामले में आरोपी पर तार्किक संदेह से परे दोष साबित करने का दायित्व अभियोजन पर था। इसने कहा कि इस तरह उच्च न्यायालय का निष्कर्ष पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण था और यह देश के कानून के प्रतिकूल है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के पास ऐसी कोई वजह नहीं थी कि बरी करने के आदेश को पलटा जाए।

शीर्ष अदालत ने कहा, हम 14 दिसंबर 2018 के उच्च न्यायालय के फैसले और आदेश को निरस्त करते हैं और अपीलकर्ताओं की दोषसिद्धि रद्द करते हैं। निचली अदालत के पांच जुलाई 1997 के फैसले और आदेश को बहाल किया जाता है। यह मामला एक पिता-पुत्र से संबद्ध है, जिन पर गुजरात में पंजाभाई नाम के व्यक्ति की हत्या को लेकर मुकदमा चलाया गया था। यह घटना 17 सितंबर 1996 को हुई थी।

अजमेर में बहुमंजिला भवन में लगी आग, जनहानि नहीं

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में क्लॉक टावर थाना क्षेत्र के हौजरी बाजार में एक बहुमंजिला भवन के तलघर के एसी के गोदाम में आग लग गई। पुलिस के अनुसार इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि आग बाजार के एक तीन मंजिला भवन के भूमि तल स्थित एसी में गैस भरने वाले गोदाम में लगी थी जिस पर 50 दमकलों की मदद से काबू पाने का प्रयास जारी है। पुरोहित ने बताया कि आग में कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आग संभवत: एसी में गैस भरने वाले गोदाम में रातभर एसी के चालू रह जाने के कारण किसी तकनीकी खराबी के चलते लगी है। उनका कहना है कि कारणों का स्पष्ट खुलासा आग पर पूरी तरह काबू पाने का बाद हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि आग ने आसपास की 14 कपड़ों की दुकानों को भी चपेट में लिया। आग पर लगभग 95 प्रतिशत काबू पा लिया गया है। आग से एसी गोदाम में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया।

न्यायालय ने पूर्व सैनिक को 1.54 करोड़ मुआवजे के खिलाफ याचिका खारिज की

पीठ ने कहा कि पिछले साल 26 सितंबर को सुनाए गए फैसले में ऐसी कोई त्रुटि नहीं है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2002 में संक्रमित खून चढ़ाने के चलते एचआईवी का शिकार हुए एक पूर्व सैनिक को 1.54 करोड़ रुपए का मुआवजा अदा करने का वायुसेना को निर्देश देने संबंधी शीर्ष अदालत के फैसले का पुनरीक्षण किए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि पिछले साल 26 सितंबर को सुनाए गए फैसले में ऐसी कोई त्रुटि नहीं है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए। पीठ ने तीन अप्रैल के अपने आदेश में कहा, हमने 26 सितंबर, 2023 के फैसले और आदेश के पुनरीक्षण के लिए अनुरोध के समर्थन में दिए गए आधार सहित पुनरीक्षण याचिका का अध्ययन किया। फैसले और आदेश में ऐसी कोई त्रुटि नहीं है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए।

न्यायालय ने सांबा के सैन्य अस्पताल के कमांडिंग ऑफिसर द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए कहा, इसके अलावा, याचिका में दावा की गई राहत प्रदान करने के लिए कोई अन्य पर्याप्त आधार स्थापित नहीं

किया गया है। इसलिए पुनरीक्षण याचिका खारिज की जाती है। पूर्व सैनिक, 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन पराक्रम के दौरान अस्वस्थ हो गए थे और उन्हें सांबा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें एक यूनिट खून चढ़ाया गया था।

शीर्ष अदालत ने सितंबर में सुनाए अपने फैसले में कहा था कि अपीलकर्ता (पूर्व सैनिक) मुआवजे का हकदार है। चिकित्सकीय लापरवाही बरते जाने के कारण मुआवजे के रूप में 1,54,73,000 रुपए अदा करने के लिए प्रतिवादी उत्तरदायी है। न्यायालय ने कहा था कि यह राशि वायुसेना द्वारा छह महीनों के अंदर अपीलकर्ता को अदा की जाए। शीर्ष अदालत ने वायुसेना के पूर्व कर्मी की अपील पर यह फैसला सुनाया था, जिन्होंने मुआवजे के लिए उनके दावे को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी।

पाकिस्तानियों को अपनी नियति बदलने के लिए नई शुरुआत करनी होगी : पूर्व राष्ट्रपति अल्वी

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कहा कि पाकिस्तान के लोगों को अपनी नियति बदलने के लिए बीती ताहि बिसार के एक नई शुरुआत करनी होगी। अल्वी 2018 से मार्च 2024 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रहे इस देश की वर्तमान स्थिति की बृहस्पतिवार को आलोचना की। अल्वी (74) ने एक्स पर लिखा कुछ लोगों का यह तर्क कि यह पहले भी हो चुका है और दूसरों ने भी ऐसा ही किया है तर्कसंगत नहीं है। यह प्रतिगामी सोच है, जिसमें आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी नियति बदलने के लिए बीती ताहि बिसार के एक नई शुरुआत करनी होगी।

अल्वी ने कहा, यह कौन करेगा? यह कौन कर सकता है? क्या यह संभव है? मुझे लगता है कि ऐसा हो सकता है, क्योंकि हमारे पास क्षमता है

और यह गरीब लेकिन मेहनती देश निश्चित रूप से बेहतर का हकदार है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, राजनीति और न्यायपालिका की गिरती हालत की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि देश की संस्थाओं पर गहरा दबाव है और उन्हें पक्षपाती रुख अपनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अल्वी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी हैं और 2018 में राष्ट्रपति बनने से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने कहा कि चुराए गए जनादेश के साथ संसद में पूरी तरह से राजनीतिक तमाशा किया जा रहा है। खान और उनकी पार्टी पीटीआई ने लगातार कहा है कि आठ फरवरी के आम चुनावों के नतीजे में धांधली हुई थी और पाकिस्तान सेना ने सत्ता संभालने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का साथ दिया है।

छिंदवाड़ा की जनता बाहरी को बाहर कर जीत सुनिश्चित करेगी : यादव

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि छिंदवाड़ा की जनता ने आगामी लोकसभा चुनाव में बाहरी को बाहर करने और स्थानीय उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने का मन बना लिया है। भाजपा ने छिंदवाड़ा जिला इकाई के अध्यक्ष विवेक बंटी साहू को छिंदवाड़ा से कांग्रेस के मौजूदा सांसद नकुलनाथ के खिलाफ मैदान में उतारा है, जहां से उनके पिता कमल नाथ नौ बार जीत चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ नहीं है। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह केवल एक ही परिवार के उम्मीदवार को मैदान में उतारती है लेकिन इस बार, छिंदवाड़ा के लोगों ने बाहरी व्यक्ति को बाहर भेजने और स्थानीय उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने का फैसला किया है।

यादव एक समारोह में उपस्थित थे जहां पूर्व कांग्रेस विधायक पारुल

साहू और छिंदवाड़ा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष अमित सक्सेना अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि एक तरफ पार्टी ने राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया तथा दूसरी ओर, वह चुनाव में जीत के लिए दुआ मांग रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, इससे पता चलता है कि वह (सिंह) चुनाव में अपनी हार का बहाना ढूंढ रहे हैं, जो निश्चित है। पिछले सप्ताह राजगढ़ में अपने अभियान के दौरान, सिंह ने कहा था कि यदि लगभग 400 उम्मीदवार चुनाव लड़ते है तो मतपत्रों के माध्यम से चुनाव कराया जा सकता है।

इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी जाएंगे पोप फ्रांसिस

वेटिकन सिटी। वेटिकन ने शुक्रवार को घोषणा की कि पोप फ्रांसिस इंडोनेशिया, पूर्वी तिमोर, पापुआ न्यू गिनी और सिंगापुर की यात्रा करेंगे, जो पोप रहते उनके कार्यकाल की सबसे लंबी यात्रा होगी। वेटिकन ने 2 से 13 सितंबर के बीच होने वाली यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि 87 वर्षीय पोप जकार्ता, इंडोनेशिया, पोर्ट मोरेसबी और वानिमो, पापुआ न्यू गिनी, डिली, पूर्वी तिमोर और सिंगापुर की यात्रा करेंगे। यात्रा का और ब्योरा बाद में जारी किया जाएगा।

पोप फ्रांसिस को पिछले साल ब्रोंकाइटिस की समस्या गंभीर होने के बाद दुबई की अपनी यात्रा निरस्त करनी पड़ी थी। वह घुटनों की समस्या के कारण करीब दो साल से व्हीलचेयर का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यात्रा करना अब और मुश्किल हो गया है। ऐसे में आगामी यात्रा उनकी सेहत, शारीरिक तंदुरुस्ती और सक्रियता की बानगी पेश कर सकती है।

मणिपुर: प्राथमिकी रद्द करने के आग्रह वाली याचिका पर विचार से इनकार

जातीय झड़पों के विरुद्ध आमरण अनशन करने पर दर्ज हुए थे केस

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने एक तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) कार्यकर्ता की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है, जिसमें मणिपुर में जातीय झड़पों के विरुद्ध आमरण अनशन करने पर उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय पीठ ने, हालांकि, कार्यकर्ता मालेम थोंगम को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए मणिपुर उच्च न्यायालय का रुख करने की छूट दे दी। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता को दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 482 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए मणिपुर उच्च न्यायालय का रुख करने की छूट होगी। इसलिए, हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। थोंगम ने 22 फरवरी को दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी भूख हड़ताल शुरू की। वह 27 फरवरी को दिल्ली से मणिपुर के लिए रवाना हुई, जहां उसने इंफाल के कांगला पश्चिमी गेट पर अपनी भूख हड़ताल जारी रखी। मणिपुर पुलिस ने दो मार्च को थोंगम को आत्महत्या के प्रयास और समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार किया, लेकिन पांच मार्च को उसे रिहा कर दिया गय। एक दिन बाद, उसे सार्वजनिक स्थल पर विरोध करने के आरोप में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले साल मई में उच्च न्यायालय के उस आदेश के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें राज्य सरकार को गैर-आदिवासी मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इस आदेश के कारण पूर्वोत्तर राज्य में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा हुईं। पिछले साल तीन मई को बहुसंख्यक मेइती समुदाय को एसटी दर्जा दिए जाने के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद हिंसा भड़क उठी थी। हिंसा में अब तक 170 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

सीलमपुर में व्यक्ति के सिर में गोली मारी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्व दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 35 वर्ष के एक व्यक्ति को एक अज्ञात व्यक्ति ने शुक्रवार को करीब से सिर में गोली मार दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) जॉय तिर्की ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित शाहनवाज को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया और बाद में उसे लोक नायक अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि शाहनवाज पेशे से एक श्रमिक है। डीसीपी ने कहा कि पुलिस को शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे कबीर मार्केट में एक व्यक्ति के सिर में गोली मारे जाने के संबंध में पीसीआर कॉल मिली।

रबर की नौका में चार महिला प्रवासियों के शव मिले

मैड्रिड। दक्षिण-पूर्व स्पेन के तट के पास रबर की नाव में चार महिलाओं के शव मिले हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिणपूर्व शहर मर्सिया के सरकारी कार्यालय ने कहा कि तट रक्षकों द्वारा देखे जाने के बाद नाव को शुक्रवार तड़के समुद्री बचाव सेवाओं द्वारा कार्टाजेना के बंदरगाह पर खींचकर लाया गया। उसने कहा कि महिलाएं उत्तरी अफ्रीकी मूल की प्रतीत होती हैं और ए प्रवासी हो सकती हैं जो स्पेन पहुंचने की कोशिश कर रही हों। उत्तर पश्चिमी अफ्रीका से स्पेन पहुंचने के लिए प्रवासी ऐसी नावों का अक्सर उपयोग करते हैं।

अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार

प्रौद्योगिकी सहयोग पर चर्चा के अलावा अमेरिका-भारत संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने की करेंगे कोशिश

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन अगले सप्ताह भारत यात्रा पर जाएंगे, जहां वह भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मुलाकात करें भारत-प्रशांत पर विचार विमर्श करेंगे तथा प्रौद्योगिकी सहयोग पर चर्चा करने के अलावा अमेरिका-भारत संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने पर भी करेंगे। उम्मीद है कि सुलिवन महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों (आईसीईटी) पर पहल के वास्ते वार्षिक समीक्षा बैठक के लिए डोभाल से मिल सकते हैं। इससे पहले इस साल फरवरी में उनकी भारत यात्रा अन्य वैश्विक प्रतिबद्धताओं के कारण रद्द हो गई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के एक करीबी सहयोगी की भारत यात्रा

विदेश सचिव विनय क्वात्रा की यात्रा के तुरंत बाद होगी। क्वात्रा अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के लिए अमेरिका में हैं। क्वात्रा रक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बातचीत भी कर रहे हैं। व्हाइट हाउस प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी यात्रा की तारीख की घोषणा किए बिना कहा, सुलिवन हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने, हिंद-प्रशांत पर विचारों का आदान प्रदान करने और प्रौद्योगिकी सहयोग में अगले कदमों के बारे में बात करने के लिए अगले सप्ताह भारत में होंगे। हमें लगता है कि अमेरिका-भारत संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए ए सभी प्रभावी, विवेकपूर्ण तत्व हैं।

वह बुधवार को जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो की आधिकारिक यात्रा पर एक एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। किशिदा 9 अप्रैल से अमेरिका की यात्रा पर हैं। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से पूछा गया कि पूर्वी एशिया में संधि सहयोगियों के साथ गहरी होती सैन्य, रक्षा और सुरक्षा साझेदारी के संदर्भ में अमेरिका भारत के बारे में क्या सोचता है और क्या अमेरिका भारत को इस तंत्र के हिस्से के रूप में देखता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यदि आप राष्ट्रपति से सवाल करें, तो जिन चीजों पर उन्हें सबसे अधिक गर्व है, उनमें से एक अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंध बनाने के उनके प्रयास हैं। और मेरा मानना है कि हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर दोनों में और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख मुद्दों पर, अमेरिका और भारत पहले से कहीं अधिक निकटता से मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं बस इतना कहूंगा कि मुझे लगता है कि अमेरिका-भारत संबंध काफी हद तक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं और सुरक्षा, खुफिया, प्रौद्योगिकी, लोगों के बीच संबंध - हर संभव क्षेत्र में हमारे जुड़ाव का स्तर उत्कृष्ट रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को बताया था कि बाइडन प्रशासन अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका-भारत संबंधों में एक नया अध्याय शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारी सेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त अभ्यास, सूचना-साझाकरण और अन्य परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं। ऑस्टिन ने कहा, भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाकर, हम व्यापक हिंद-प्रशांत में शक्ति का अधिक स्थिर संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अमेरिका और भारत के बीच बढ़ती साझेदारी हमारे सहयोगियों एवं भागीदारों के व्यापक तंत्र के प्रयासों का समर्थन करे, विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच चतुष्पक्षीय (क्वाडिलेट्रल) सुरक्षा वार्ता।

पंजाब सीएम 15 अप्रैल को तिहाड़ में केजरीवाल से मुलाकात करेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान 15 अप्रैल को तिहाड़ जेल में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जेल अधिकारियों ने बताया कि यह मुलाकात दोपहर बाद कड़ी सुरक्षा के बीच मुलाकात जंगला के अंदर होगी, क्योंकि मान को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है। मुलाकात जंगला लोहे की जाली होती है, जिसमें आगंतुक और कैदी आमने-सामने बैठकर एक दूसरे से बातचीत कर सकते हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से उनकी पत्नी सुनीता और उनके पूर्व निजी सचिव बिभव कुमार ने उनसे तीन बार जेल में मुलाकात की है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मान की संभावित मुलाकात के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जेल, दिल्ली पुलिस एवं पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को चर्चा की।

महानिदेशक (तिहाड़) संजय बेनीवाल के नेतृत्व में हुई बैठक में पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एके पांडेय और एक सहायक पुलिस आयुक्त उपस्थित थे। एक जेल अधिकारी ने बताया कि तिहाड़ में उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) के कार्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे यह बैठक शुरू हुई और दोपहर बाद करीब तीन बजे समाप्त हुई। मान और केजरीवाल की मुलाकात के लिए दिल्ली जेल नियमावली के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था तथा सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए यह बैठक की गई।

नोएडा में फ्लैट खरीदार रजिस्ट्री करने में उदासीन

1400 में से केवल 325 रजिस्ट्रियां हुई, बिल्डरों की हुई सीईओ के साथ समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिल्डरो की साथ समीक्षा बैठक में नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम।

नोएडा में छूट मिलने के बाद भी खरीदार और बिल्डर रजिस्ट्री करने में उदासीन बने हुए हैं। 57 में से 42 बिल्डरों द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराने की सहमति दी गयी थी। 15 बिल्डरों अभी तक कुल देय धनराशि का 25 प्रतिशत धनराशि जमा करा दी गई है। लगभग 1400 रजिस्ट्रियां करानी है परन्तु अभी तक मात्र 325 रजिस्ट्रियां ही बिल्डरों द्वारा करायी गयी हैं। इन बिल्डर्स के साथ मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा की अध्यक्षता में विस्तृत समीक्षा बैठक की गयी।

बैठक में बिल्डरों ने बताया कि सभी रजिस्ट्रियों जल्द कराने का प्रयास किया जा रहा है परन्तु फ्लैट बायर्स द्वारा रजिस्ट्री कराने में अपेक्षित रूचि नहीं ली जा रही है। कुछ बायर्स देश से बाहर हैं, कुछ बायर्स द्वारा फ्लैट को किराये पर दिया हुआ है। बायर्स को उनके मूल पते पर रजिस्ट्री कराने के लिए नोटिस भेजा जा रहा है। बिल्डरों ने आश्वासन दिया गया कि नवरात्रि में ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रियां करा दी जाएंगी तथा प्रयास रहेगा कि इस माह के अंत तक सभी स्वीकृत रजिस्ट्रियां करा दी जाये।

ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड संख्या जीएच-3, सेक्टर-78, नोएडा के आवंटी मैसर्स आईआईटीएल निम्बस के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें स्वीकृत 218 रजिस्ट्रियों में से 148 रजिस्ट्रियां अवशेष बची हैं जिनमें 41 रजिस्ट्रियों के दस्तावेज तैयार हैं तथा इनका रजिस्ट्रेशन अगले सप्ताह करा दिया जायेगा। शेष रजिस्ट्रियों माह के अन्त तक कराने का आश्वासन दिया गया।

मैसर्स कैपिटल इन्फ्राप्रोजेक्ट प्रालि के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि कुल स्वीकृत 68 रजिस्ट्रियों में से 38 रजिस्ट्रियों के दस्तावेज तैयार हैं तथा इनका रजिस्ट्रेशन अगले सप्ताह करा दिया जायेगा। शेष रजिस्ट्रियों माह के अन्त तक कराने का आश्वासन दिया गया।ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड संख्या जीएच 4, सैक्टर-108 के आवंटी मैसर्स डिवाईन इण्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0लि0 के प्रमोटर द्वारा अवगत कराया गया कि कुल स्वीकृत 35 रजिस्ट्रियों में से 17 रजिस्ट्रियां अवशेष बची हैं, इनका रजिस्ट्रेशन माह के अन्त तक कराने का आश्वासन दिया गया है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बिल्डर्स को निर्देश दिये गए थे कि बिल्डर्स से छूट के उपरान्त प्राधिकरण की देयता जमा कराते हुए फ्लैटस बायर्स के पक्ष में शीघ्र अतिशीघ्र रजिस्ट्रियाँ कराने का अत्यन्त ही महत्वपूर्ण निर्णय है। इस निर्णय के अधीन फ्लैट बायर्स के पक्ष में शत प्रतिशत रजिस्ट्रियां शीघ्र अतिशीघ्र कराने हेतु बिल्डर्स को निर्देश दिये गये। बिल्डरों को यह भी आश्वासन दिया गया कि यदि रजिस्ट्रियां कराने हेतु बिल्डर परियोजना के कैम्पस में अथवा इन्दिरा गाँधी कला केन्द्र, सेक्टर-6, नोएडा में रजिस्ट्री कैम्प भी लगाने की आवश्यकता होगी तो रजिस्ट्री कैम्प का आयोजन किया जायेगा। बिल्डर्स को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने फ्लैट बायर्स से सम्पर्क करते हुए रजिस्ट्री कराएं।

डॉली के प्रचार के लिए गाजियाबाद आएंगे राहुल-प्रियंका और अखिलेश

गाजियाबाद। विपक्ष पूरे तरीके से गाजियाबाद में ताकत झोंकना चाहता है। गाजियाबाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव आएंगे। इसके अलावा गाजियाबाद में बसपा सुप्रीमो मायावती भी आएंगी। इसको लेकर सभी पार्टी का कार्यक्रम बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सभी पार्टी गाजियाबाद में पूरी ताकत लगाना चाहती हैं।

जानकारी के मुताबिक आगामी 21 अप्रैल से लेकर 23 अप्रैल के बीच राहुल गांधी और अखिलेश यादव गाजियाबाद आएंगे। इसको लेकर कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा अखिलेश यादव भी गाजियाबाद पहुंचेंगे। ये सभी दिग्गज नेता कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के लिए वोट मांगेंगे। इसको लेकर फाइनल डेट अभी तैयार नहीं की गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि बहुत जल्द आने वाले हैं।कांग्रेस ने तैयारी तेजी के साथ शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा प्रेक्षक ने हाई राइज सोसाइटियों में बनाए गए मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही हिस्सा लेने की की अपील। मतदाताओं को घर-घर मतदाता पर्ची वितरण की स्थिति को भी सामान्य प्रेक्षक ने देखा।

पार्किंसन से बचाव के लिए बताये उपाय

नोएडा। पार्किंसन बीमारी में शरीर में कंपकंपी, मांसपेशियों में अकड़न, संतुलन और समन्वय में परेशानी होती है। ऐसे में इस बीमारी से बचाव के लिए चाहिए कि स्वयं को व्यस्त रखते हुए स्वस्थ दिनचर्या का पालन करे। यह जानकारी विश्व पार्किंसन दिवस पर ग्रेटर नोएडा स्थित फोर्टिस अस्पताल में न्यूरोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. आतमप्रीत सिंह ने पार्किंसन रोग के बारे में बहुमूल्य और उपयोगी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह बीमारी 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों को प्रभावित करती है। इस बीमारी का कोई स्थाई इलाज नहीं है, डॉ. सिंह दवाओं और दिनचर्या में बदलाव से लक्षणों को कम किया जा सकता है। उपचार के तौर-तरीकों में डोपामाइन के स्तर को नियंत्रित करने के लिए दवाएं, गतिशीलता में सुधार के लिए फिजियोथेरेपी और चुनिंदा केसेज में, डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) जैसे सर्जिकल हस्तक्षेप शामिल हैं। अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार इसके बचाव के लिए इस बीमारी जल्दी पता लगाना और इलाज की सही प्लानिंग करना बहुत ज़रूरी है।

स्कूल में अभिभावकों का हंगामा, पुलिस से नोकझोंक

गाजियाबाद। आश्वासन के बाद भी बच्चों को दूसरी ब्रांच भेजने पर संजनगर डीडीपीएस स्कूल के अभिभावकों ने शुक्रवार को फिर स्कूल परिसर में जमकर हंगामा किया। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि दो दिन पूर्व ही उन्हें स्कूल मैनेजमेंट की ओर से उनके बच्चों को बिना परमिशन दूसरी ब्रांच में न भेजे जाने का आश्वासन दिया था। लेकिन शुक्रवार सुबह जब वह अपने बच्चों को स्कूल छोडकर गए, उसके बाद बस द्वारा बच्चों को मधुबन-बापूधाम की ब्रांच में भेज दिया गया। जब बच्चों की क्लास में अभिभावक पहुंचे, तो वहां उनके बच्चे उन्हें नहीं मिले। इसके बाद अभिभावकों ने परिसर में जमकर हंगामा किया।

गौतमबुद्ध नगर में 267 स्कूल बसों को ब्लैक लिस्ट में डाला

परमिट और फिटेनस नहीं होने पर परिवहन ने उठाया कदम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में 267 स्कूल बसों को ब्लैक लिस्ट में डाला गया है। इन बसों को इसलिए ब्लैक लिस्ट में डाला गया, क्योंकि इनका ना तो फिटनेस था और ना ही परमिट था। अधिकारियों ने कहा है कि अगर ये बसें दोबारा से सड़क पर दिखाई देंगी तो जब्त कर ली जाएगी।

गौतमबुद्ध नगर परिवहन विभाग ने बताया कि जिले में 1619 स्कूल बसें हैं। इनमें से केवल 1352 बसें ठीक-ठाक है और बाकी की बसों में फिटनेस की कमी है, इसलिए यह एक्शन लिया गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फिटनेस नहीं होने की वजह से 142 बसों को काली सूची में डाला गया है और परमिट नहीं होने की वजह से 125 बसों को ब्लैक लिस्ट किया गया है। कुल मिलाकर 257 बसों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि 15 साल की सीमा अवधि भी इन बसों की पूरी हो चुकी है। स्कूलों के द्वारा इनका पंजीकरण निरस्त नहीं करवाने के कारण परिवहन विभाग में खुद निरस्त कर दिया है। इस मामले में एआरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा का कहना है।

ईद पर नमो भारत में सर्वाधिक यात्रियों ने किया सफर

गुरुवार को 13500 लोगों ने की यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

देश के पहले आरआरटीएस कॉरिडॉर पर नमो भारत ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या दैनिक आधार पर लगातार बढ़ रही है। गुरुवार यानि ईद के दिन अभी तक के सर्वाधिक यात्रियों ने नमो भारत ट्रेन में सफर किया। लगभग 13500 लोगों ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा की। मोदीनगर नॉर्थ, मुरादनगर और गाजियाबाद से सबसे ज्यादा यात्रियों ने यात्रा की। यात्रियों मे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग आदि शामिल थे। आठ मार्च से अतिरिक्त 17 किलोमीटर सेक्शन के खुलने के बाद से ही यात्रियों की संख्या 4 गुणी हो गई थी यानी दैनिक औसत यात्री संख्या 3000 से बढ़कर 12000 हो गई।

गुरुवार को सबसे ज्यादा लगभग 13500 यात्रियों ने नमो भारत ट्रेन में सफर किया है। दिल्ली- गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडॉर अभी दिल्ली या मेरठ से नहीं जुड़ा है, बल्कि गाजियाबाद मे ही अपनी सेवाएं दे रहा है। 21 अक्टूबर से 7 मार्च की अवधि मे 5 स्टेशन के साथ सिर्फ 17 किलोमीटर का सेक्शन ही जनता के लिए परिचालित था। एनसीआरटीसी यात्रियों की सुविधा के लिए आरआरटीएस कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल क्यूआर कोड-आधारित टिकट, वन-टैप या ऑरिजिन-डेस्टिनेशन चयन द्वारा पेपर क्यूआर कोड-आधारित टिकट जैसे विभिन्न टिकटिंग विकल्प प्रदान कर रहा है। आरआरटीएस स्टेशनों पर व्हीलचेयर की सुविधा भी उपलब्ध है और आवश्यकतानुसार इसका उपयोग किया जा सकता है। स्टेशनों पर व्हीलचेयर और स्ट्रेचर को आसानी से लाने-ले जाने लिए रैंप एवं बड़ी लिफ्ट लगाई गई हैं। साथ ही दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, स्टेशन के डिज़ाइन में टैकटाइल पाथ को शामिल किया गया है, जो नेविगेशन में सहायता करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसकी मदद से यात्री स्टेशन में प्रवेश से लेकर ट्रेन में चढ़ने तक की यात्रा आसानी से कर सकते हैं।

इमारत से गिरकर 12वीं कक्षा के छात्र ने की मौत

पुलिस को सुसाइड नोट में एग्जाम में फेल होने की बात पर शक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम स्थित एटीएस एडवांटेज सोसाइटी में गुरुवार देर रात बारहवीं के छात्र की 23वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। जांच के दौरान उसके पास से मिले सुसाइड नोट ने सभी को चौंका दिया।

सुसाइड नोट में लिखा था, आई फियर कि सुसाइड फेल न हो जाए, फ्लोर 24, डेथ कन्फर्म। इस नोट को छोड़कर छात्र खुद कूदकर मरा है या फिर उसको नीचे फेंका गया है, पुलिस इन सभी एंगल को ध्यान में रखते हुए जांच पड़ताल कर रही है। इस मौत के दौरान कुछ और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जिसको लेकर गाजियाबाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। इंदिरापुरम नीतिखंड-3 स्थित एटीएस एडवांटेज सोसाईटी में गुरुवार की रात करीब पौने 10 बजे 12वीं के छात्र नव खन्ना उर्फ कविश की 23वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब छात्र की जेब खंगाली तो उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला। जिसने सबको चौंका दिया, इसमें लिखा है, आई फियर कि सुसाइड फेल न हो जाए, फ्लोर 24, डेथ कन्फर्म। सामने आया है कि यह घटना उस वक्त हुई, जब नव और उसके दो दोस्त 24वें फ्लोर के टेरिस पर खड़े होकर मोबाइल से फोटोग्राफी कर रहे थे। जिसके बाद यह मामला हत्या, हादसा या फिर आत्महत्या पर उलझ गया है। जिसको लेकर पुलिस की जांच पड़ताल कर रही है। इंदिरापुरम में नीतिखंड-तीन में रहने वाले 17 साल के नव खन्ना उर्फ कविश ने इसी साल 12वीं के एग्जाम दिए थे। अभी उसका रिजल्ट आना बाकी था। वहीं 11 अप्रैल को देर शाम वो अपने दो दोस्तों ईशान और कार्तिक संग एटीएस एडवांटेज सोसाइटी में था। वहीं, इस कॉलोनी में 21 नंबर टॉवर में उसका दोस्त प्रणय भी रहता है। सामने आया है कि चारों दोस्त 24वें फ्लोर पर गए थे, जहां टेरिस है।

इसी दौरान नव खन्ना 23वें फ्लोर से नीचे गिर गया। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आरडब्लूए और सिक्योरिटी द्वारा सूचना मिलते ही इंदिरापुरम थाने की पुलिस व फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। वहां उसके दोस्तों से पूछताछ की गई। दोस्तों ने बताया कि वे सभी 24वें फ्लोर टेरिस पर मोबाइल से फोटोग्राफी कर रहे थे। इसके बाद एटीएस सोसाइटी में रहने वाला दोस्त प्रणय अपने फ्लैट पर चला गया। उसके जाने के बाद टेरिस पर नव खन्ना सहित ईशान और कार्तिक ही थे। इन दोनों दोस्तों ने बताया कि प्रणय के जाने के बाद नव ये कहकर नीचे चला गया कि वो अभी थोड़ी देर में आ रहा है। 24वें फ्लोर से वो सीधा 23वें फ्लोर पर आया और बालकनी से नीचे कूद गया।

मां का पांचवां स्वरूप

स्कंदमाता

मंत्र
या देवी सर्वभूतेषु मां
स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमो नमः।।

मां का पांचवा स्वरूप है स्कंदमाता। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा अर्चना की जाती है। स्कंदमाता को सृष्टि की पहली प्रसूता स्त्री माना जाता है। भगवान स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता होने के कारण इन्हें स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है। पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्र में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। इस देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है। शास्त्रों में इसका काफी महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है। माता की पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है।

चढ़ावा
मां को केले का भोग अति प्रिय है। इन्हें केसर डालकर खीर का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।

पूजा
मां के श्रृंगार के लिए खूबसूरत रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। स्कंदमाता और भगवान कार्तिकेय की पूजा विनम्रता के साथ करनी चाहिए। पूजा में कुमकुम, अक्षत से पूजा करें। चंदन लगाएं। तुलसी माता के सामने दीपक जलाएं। पीले रंग के कपड़ें पहनें।

मनोकामना
मां स्कंदमाता की पूजा पवित्र और एकाग्र मन से करनी चाहिए। स्कंदमाता की उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। इसके अलावा जिनके संतान नहीं हैं उन्हें संतान की प्राप्ति होती है।

दुर्गा महिमा की पावन लोककथा

कौशल देश में सुशील नामक का एक निर्धन ब्राह्मण रहता था। प्रतिदिन मिलने वाली भिक्षा से वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके कई बच्चे थे। प्रातःकाल वह भिक्षा लेने घर से निकलता और सायंकाल लौट आता था। देवताओं, पितरों और अतिथियों की पूजा करने के बाद आश्रितजन को खिलाकर ही वह स्वयं भोजन ग्रहण करता था। इस प्रकार भिक्षा को वह भगवान का प्रसाद समझकर स्वीकार करता था। इतना दुःखी होने पर भी वह दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता था। यद्यपि उसके मन में अपार चिंता रहती थी, तथापि वह सदैव धर्म-कर्म में लगा रहता था। अपनी इंद्रियों पर उसका पूर्ण नियंत्रण था। वह सदाचारी, धर्मात्मा और सत्यवादी था। उसके हृदय में कभी क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या जैसे तुच्छ विकार उत्पन्न नहीं होते थे। एक बार उसके घर के निकट सत्यव्रत नामक एक तेजस्वी ऋषि आकर ठहरे। वे एक प्रसिद्ध तपस्वी थे। मंत्रों और विद्याओं का ज्ञाता उनके समान आसपास दूसरा कोई नहीं था। शीघ्र ही अनेक व्यक्ति उनके दर्शनों को आने लगे। सुशील के हृदय में भी उनसे मिलने की इच्छा जागृत हुई और वह उनकी सेवा में उपस्थित हुआ। सत्यव्रत को प्रणाम कर वह बोला, 'ऋषिवर! आपकी बुद्धि अत्यंत विलक्षण है। आप अनेक शास्त्रों, विद्याओं और मंत्रों के ज्ञाता हैं। मैं एक निर्धन, दरिद्र और असहाय ब्राह्मण हूं। कृपया मुझे बताएं कि मेरी दरिद्रता किस प्रकार समाप्त हो सकती है।' सत्यव्रत ने आगे कहा कि, 'मुनिवर! आपसे यह पूछने का केवल इतना ही अभिप्राय है कि मुझ में कुटुम्ब का भरण-पोषण करने की शक्ति आ जाए। धनाभाव के कारण मैं उन्हें समुचित सुविधाएं और अन्य सुख नहीं दे पा रहा हूं। दयानिधान! तप, दान, व्रत, मंत्र अथवा जप-आप कोई ऐसा उपाय बताने का कष्ट करें, जिससे कि मैं अपने परिवार का यथोचित भरण-पोषण कर सकूं। मुझे केवल इतने ही धन का अभिलाषा है, जिससे कि मेरा परिवार सुखी हो जाए।' सत्यव्रत ने सुशील को भगवती दुर्गा की महिमा बताते हुए नवरात्रि व्रत करने का परामर्श दिया। सुशील ने सत्यव्रत को अपना गुरु बनाकर उनसे मायाबीज नामक भुवनेश्वरी मंत्र की दीक्षा ली। तत्पश्चात नवरात्रि व्रत रखकर उस मंत्र का नियमित जप आरंभ कर दिया। उसने भगवती दुर्गा की श्रद्धा और भक्तिपूर्वक आराधना की। नौ वर्षों तक प्रत्येक नवरात्रि में वह भगवती दुर्गा के मायाबीज मंत्र का निरंतर जप करता रहा। सुशील की भक्ति से प्रसन्न होकर नौवें वर्ष की नवरात्रि में, अष्टमी की आधी रात को देवी भगवती साक्षात प्रकट हुईं और सुशील को उसका अभीष्ट वर प्रदान करते हुए उसे संसार का समस्त वैभव, ऐश्वर्य और मोक्ष प्रदान किया। इस प्रकार भगवती दुर्गा ने प्रसन्न होकर अपने भक्त सुशील के सभी कष्टों को दूर कर दिया और उसे अतुल धन-संपदा, मान-सम्मान और समृद्धि प्रदान की। इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी कार्य को श्रद्धा, भक्ति और निष्ठा से करने पर उसका फल सदैव अनुकूल ही प्राप्त होता है।

मुरादाबाद में सप्लाई के लिए ला रहा था हरियाणा से शराब स्टेशन पर हुआ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आबकारी विभाग एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ट्रेनों में शराब तस्करी पर रोक लगाने को लेकर चौकस हो गई है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लंबी दूरी की ट्रेनों से शराब की तस्करी शुरू होने की आशंका के मद्देनजर चौकसी बढ़ गई है। मगर लोकसभा चुनाव में तस्करों के लिए रेल मार्ग कुछ हद तक सेफ जोन साबित हो रहा है। क्योंकि सड़कों पर पुलिस-प्रशासन का सख्त पहरा होने के कारण तस्करों ने भी शराब पहुंचाने के लिए ट्रेन को तस्करी का अड्डा बना लिया है। मगर अब शायद ट्रेन भी उनके लिए सुरक्षित जगह नहीं है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में शराब तस्करी रोकने के लिए जीआरपी के साथ आबकारी विभाग की टीम ने भी अपना पहरा बढ़ा दिया है। प्रतिदिन अभियान चलाकर पंजाब, हरियाणा व दिल्ली से आने वाली सभी ट्रेनों की चेकिंग की जा रही है।

साथ ही बाहरी राज्यों से शराब लेकर गाजियाबाद से दूसरी ट्रेन बदलने वाले को जेल भेजने के लिए प्लेटफार्म पर भी यात्रियों के सामानों की चेकिंग की जा रही है। चुनाव को सकुशल संपन्न कराने और शराब मुक्त बनाने के लिए आबकारी विभाग हर दिन नई रणनीति के तहत कार्य कर रहा है। जिसकी कमान खुद जिला आबकारी अधिकारी संभाले हुए है। दिन भर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट की भी जांच की जा रही है। दरअसल आबकारी अधिकारी के स्पष्ट निर्देश है लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी आबकारी निरीक्षक फील्ड में उतर कर काम करें। दिन हो या रात सब भूलकर सिर्फ एक ही उद्देश्य शराब तस्करों का जनपद से खात्मा करने पर काम किया जाए। जिसके लिए अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ भी समन्वय स्थापित कर अपनी कार्रवाई में सहयोग लें। जिससे जनपद से अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह से मुक्त किया जा सकें। इसी क्रम में आबकारी विभाग एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया तस्कर ट्रेन से हरियाणा से शराब की तस्करी कर रहा था। उक्त शराब को वह मुरादाबाद में सप्लाई के लिए लेकर जा रहा था।

जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार ने बताया लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए आदेश के तहत जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीमें द्वारा लगातार चेकिंग एवं छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को आबकारी निरीक्षक त्रिवेणी प्रसाद मौर्य एवं जीआरपी प्रभारी अनुज मलिक की संयुक्त टीम द्वारा गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म नंबर 1/2 अलीगढ़ लगे साइन बोर्ड के पास से फिरोज पुत्र बहार हुसैन निवासी ग्राम दौलतपुर मूंढापांडे जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार किया गया।

जिसके कब्जे से पिट्ठू बैग में छिपाकर रखी गई 12 बोतल रॉयल स्टैग ब्रांड की विदेशी मदिरा हरियाणा मार्का बरामद किया गया। पकड़ा गया उक्त शराब को हरियाणा से तस्करी मुरादाबाद में सप्लाई के लिए लेकर जा रहा था। जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। जो कि आगे भी जारी रहेगी। बाहरी राज्यों से होने वाली शराब तस्करी रोकने के लिए दुहाई एवं डासना चेक पोस्ट पर वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

गर्भवती महिलाओं के लिए पैथोलॉजी लैब को ग्राउंड फ्लोर पर लाने की योजना

महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के अनुसार जल्द ही लैब को निजी कंपनी का सहयोग मिलेगा

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

महिला अस्पताल में पैथोलॉजी लैब को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट करने की योजना है। फिलहाल गर्भवती महिलाओं को पैथोलॉजी जांच के लिए चौथी मंजिल पर जाना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन लैब के लिए ग्राउंड फ्लोर पर जगह चिह्नित करने में जुटा है। जिला महिला अस्पताल में पैथोलॉजी इमरजेंसी सेवा शुरु करने के बाद अब लैब को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट करने की योजना है। महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के अनुसार जल्द ही लैब को निजी कंपनी का सहयोग मिलेगा। जिससे लैब में कई तरह की जांच शुरु हो सकेंगे। फिलहाल लैब में हार्मोलन जांच नहीं हो रही है। हार्मोनल जांच के लिए गर्भवती महिलाओं को एमएमजी अस्पताल या निजी लैब में जाना पड़ता है। महिला अस्पताल में इसकी सुविधा शुरु होने के बाद गर्भवती महिलाओं की सभी जरूरी जांच अस्पताल में ही हो सकेंगी। इसके साथ ही लैब को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया जाएगा। सीएमएस ने बताया कि नियमित टीकाकरण को भी ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया है। लैब को शिफ्ट करने के लिए स्थान का चयन किया जा रहा है।

वाम दल सिर्फ मुझ पर निशाना साध रहे हैं इससे भाजपा को ही फायदा होगा: थरूर

कहा, विपक्षी दलों में एकता होने की बजाय मुझे नीचा दिखाने की होड लगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने वाम दलों पर तिरुवनंतपुरम में भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वाम दल विपक्षी एकता के बारे में बहुत चिंतित होने का दावा करते हैं, लेकिन उनके पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि वे निर्वाचन क्षेत्र में अपनी अधिकांश ऊर्जा भाजपा के कुशासन पर केंद्रित करने के बजाय उन्हें (थरूर) कमजोर करने में क्यों लगा रहे हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम में त्रिकोणीय मुकाबला है जहां थरूर के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पी. रवींद्रन चुनाव मैदान में हैं। थरूर ने कहा कि यह विडंबना है कि वाम दल संसदीय सीट पर भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करना चाहते हैं और वायनाड में गठबंधन धर्म का उपदेश देते हैं, जहां से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर ने एक साक्षात्कार में कहा कि वाम दलों ने उनके खिलाफ हर बार उम्मीदवार खड़ा किया है और वह इसके लिए उनकी आलोचना नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने 2009 में पहली बार उनसे यह सीट छीनी थी। थरूर ने कहा, हालांकि पूरे प्रचार अभियान को मुझ पर हमला करने के लिए समर्पित करना एक ऐसी रणनीति है जिससे केवल भाजपा को मदद मिल सकती है। वाम दल विपक्षी एकता के बारे में बहुत चिंतित होने का दावा करते हैं, लेकिन भाजपा के कुशासन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, जिसका उन्हें विरोध करना चाहिए, वे अपनी अधिकांश ऊर्जा मुझे कमजोर करने में लगा रहे हैं। थरूर ने कहा, जानबूझकर या किसी अन्य कारण से, उनका प्रचार अभियान लगभग पूरी तरह से मेरे खिलाफ रहा है, उदाहरण के लिए, मुझ पर फलस्तीन विरोधी और मुस्लिम विरोधी होने का आरोप लगाया गया है, जो पूरी तरह से बकवास है। विडंबना यह है कि वे यहां भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करना चाहते हैं और वायनाड में गठबंधन धर्म का उपदेश देते हैं। थरूर का इशारा परोक्ष तौर पर वायनाड से गांधी की उम्मीदवारी पर भाकपा की आपत्ति की ओर था। थरूर ने यह भी कहा कि वह निर्वाचन

क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ एक बहस चाह रहे थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वे इसमें शामिल होने को लेकर "अनिच्छुक हैं और उन्होंने बहस के लिए विभिन्न संगठनों के कई निमंत्रणों को ठुकरा दिया है।

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) सदस्य थरूर ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे नहीं पता कि उन्हें झिझक क्यों है। मैं केवल अपने लिए बोल सकता हूं, किसी भी बहस में अपनी बात रखने का मेरा आत्मविश्वास मेरे द्वारा अपने मतदाताओं के लिए किए गए कार्यों और राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर मेरे द्वारा अपनाए गए रुख के प्रति मेरे दृढ़ विश्वास से उपजा है। उन्होंने कहा, आइए हम राजनीति और विकास पर बहस करें। आइए हम मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता और भाजपा के 10 वर्षों की नफरत की राजनीति पर बहस करें। आइए हम तिरुवनंतपुरम के विकास और पिछले 15 वर्षों में हमने जो दृश्यमान प्रगति की है, उस पर भी चर्चा करें। उन्होंने चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वियों को इन मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, मेरी प्राथमिक चिंता मेरे मतदाताओं का कल्याण है और मुझे विश्वास है कि तिरुवनंतपुरम के लोग फिर से मुझ पर अपना विश्वास जताएंगे। उन्होंने कहा, जिन्होंने मुझे 15 साल तक काम करते हुए देखा है, उनके पास निर्वाचन क्षेत्र के लिए मेरी सेवाओं और संसद एवं विश्व मंच पर राष्ट्रीय मुद्दों पर मेरे द्वारा अपनाए गए रुख की सराहना करने के कई कारण हैं। थरूर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनकी उपलब्धियों के लिए, उन्होंने 68 पृष्ठ की एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। कांग्रेस और भाकपा इंडियन नेशनल डेवलप्मेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक हैं और दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन में शामिल हैं, लेकिन केरल में वे प्रतिद्वंद्वी समूहों - संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के हिस्से के रूप में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। थरूर वर्ष 2009 में इस सीट से निर्वाचित हुए थे और वे कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-। और संप्रग-2 सरकारों में मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री और विदेश राज्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। थरूर ने 2019 के आम चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 99,989 मतों के अंतर से हराकर हैट्रिक (लगातार तीसरी जीत) बनाई थी। केरल में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा और देशभर में मतों की गिनती चार जून को होगी।

मैसूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में राजा बनाम आम आदमी के बीच कड़ा मुकाबला

पायनियर समाचार सेवा। मैसूर

कर्नाटक के मैसूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी मुकाबला राजा बनाम आम आदमी के बीच है और क्षेत्र के लोगों के बीच इस बात की दुविधा है कि वे भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के उम्मीदवार यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार तथा कांग्रेस के एम लक्ष्मण के बीच किसे चुनें। पूर्ववर्ती मैसूरु शाही परिवार के वंशज वाडियार मैसूर लोकसभा क्षेत्र से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर रहे हैं जहां उनका मुकाबला कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रवक्ता और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के करीबी लक्ष्मण से है। सिद्धरमैया ने इस क्षेत्र में जितने दौरे किए हैं और प्रचार अभियान किया है उससे सर्वविदित है कि उन्होंने अपना पूरा ध्यान इन क्षेत्र पर केंद्रित किया है। जिले के वरुणा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिद्धरमैया कह चुके हैं, लक्ष्मण को वोट देना मेरे लिए वोट करने जैसा है। उनकी जीत का मतलब मेरी जीत है। कांग्रेस ने लक्ष्मण को चुनाव मैदान में उतार कर जाति कार्ड भी खेलने की कोशिश की है। उसने इस बात पर जोर दिया है कि लक्ष्मण इस क्षेत्र में प्रभुत्व रखने वाले कृषक समुदाय वोक्कालिगा से ताल्लुक रखते हैं। मैसूर शहर के बाहरी इलाके थालुरु में पीपल के पेड़ के नीचे बने चबूतरे अश्वत्थ कट्टे पर बैठे किसान राजू गौड़ा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, राष्ट्रीय मुद्दे मायने रखते हैं लेकिन हमें स्थानीय स्तर पर भी सोचना होगा। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बीच ही मुकाबला नहीं है, बल्कि यह मैसूर के महाराजा और लक्ष्मण के बीच भी मुकाबला है। जनता दल (सेक्युलर) का निर्वाचन क्षेत्र में काफी वोट-आधार है और उसने भाजपा के साथ गठबंधन किया है। इसे एक ऐसा कदम माना जा रहा है जिससे 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव में 32 वर्षीय वाडियार को काफी फायदा होगा। मैसूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र दो जिलों मैसूर और कोडागु में फैला हुआ है। 2023 के विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने पांच, जद (एस) ने दो और भाजपा ने एक सीट जीती थी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस चुनाव में स्थानीय मुद्दे भी मायने रखेंगे जिनमें पिछले 10 वर्षों में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का प्रदर्शन और अपने गृह जिले में सिद्धरमैया का काम शामिल है। अमेरिका से शिक्षा प्राप्त वाडियार चुनावी राजनीति जल्दी सीखने की कोशिश करते प्रतीत हो रहे हैं, वे मतदाताओं से कन्नड़ भाषा में बात कर रहे हैं जिससे लोग उनसे जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। सिद्धरमैया, लक्ष्मण और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार वोक्कालिगा के लिए वोट अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं। शिवकुमार खुद भी वोक्कालिगा हैं और उन्होंने लक्ष्मण के लिए समर्थन जुटाने के लिए समुदाय के नेताओं के साथ बैठकें की हैं। वहीं इस सप्ताह की शुरुआत में वाडियार, भाजपा और जद (एस) के कई लोकसभा उम्मीदवारों ने प्रभावशाली आदि चुंचनगिरि मठ के वोक्कालिगा पुजारी डॉ निर्मलानंद नाथ स्वामीजी के दर्शन किए थे। कर्नाटक में दो चरणों में चुनाव हो रहे हैं। राज्य के दक्षिणी हिस्सों में 14 लोकसभा क्षेत्रों में 26 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं शेष 14 निर्वाचन क्षेत्रों में सात मई को दूसरे चरण में मतदान होगा।

निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री पर स्टालिन के तंज पर आपत्ति जताई

पायनियर समाचार सेवा। कृष्णागिरी, तमिलनाडु

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य के हालिया दौरों को लेकर किए गए प्रवासी पक्षी वाले तंज पर आपत्ति जताई और कहा कि इसका इस्तेमाल उचित नहीं था। उन्होंने राज्य में मादक पदार्थों के खतरे सहित अन्य मुद्दों पर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की आलोचना भी की।

उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, "मुख्यमंत्री कहते हैं कि प्रधानमंत्री प्रवासी पक्षी की तरह तमिलनाडु आ रहे हैं। देश में कोई भी, कहीं भी यात्रा कर सकता है। इसका इस्तेमाल ही गलत है.. मुख्यमंत्री ऐसी स्थिति में हैं कि वह इस तरह की टिप्पणी करते हैं। सीतारमण यहां 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कृष्णागिरि सीट से पार्टी के उम्मीदवार सी. नरसिम्हन के पक्ष में प्रचार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री निवेश और रक्षा गलियारा लाए हैं, जिससे जिले में होसुर को फायदा हुआ है लेकिन वे (द्रमुक) केवल संग्रह के लिए यहां आए हैं। सीतारमण ने कहा कि इस बात के कई सबूत हैं कि हाल ही में दिल्ली में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा गिरफ्तार किए गए कथित मादक पदार्थ तस्कर जफर सादिक का स्टालिन परिवार के साथ संपर्क था। स्टालिन ने बुधवार को राज्य में मोदी के चुनावी अभियान पर कड़ी आपत्ति जताई थी और मोदी के दौरे की तुलना अनुकूल मौसम के दौरान अभयारण्य में आने वाले एक प्रवासी पक्षी से करते हुए उनसे कई मुद्दों पर सवाल पूछे थे।

चरमपंथी तत्वों के तुष्टीकरण के कारण माकपा और कांग्रेस का वोट-आधार ध्वस्त हो गया है: जावड़ेकर

पायनियर समाचार सेवा। तिरुवनंतपुरम।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रकाश जावड़ेकर ने दावा किया कि केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी कांग्रेस का परंपरागत वोट-आधार पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है क्योंकि ए दोनों पार्टियां राज्य में चरमपंथी तत्वों का वोट हासिल करने के लिए राज्य में तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में भाजपा के केरल प्रभारी जावड़ेकर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और माकपा के नेतृत्व वाला वाम जनतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पूरी तरह से चरमपंथी तत्वों के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहा हैं और वे विकास के एजेंडे को प्राथमिकता देने के बजाय नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और फलस्तीन जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके कारण वाम दल और कांग्रेस की रीढ़ माने जाने वाले समाज के अन्य वर्ग उनसे बहुत नाराज हैं। जावड़ेकर ने दावा किया केरल का चुनाव प्रचार के एक बहुत ही रोमांचक चरण में प्रवेश कर गया है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि पहले के कई समीकरण ध्वस्त हो रहे हैं। पहले यूडीएफ के लिए मुस्लिम और ईसाई मतदाता खास होते थे, जबकि माकपा के लिए एझावा और अन्य हिंदू खास थे। लेकिन इस बार समीकरण बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया एलडीएफ और यूडीएफ दोनों भारत के विकास के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। वे नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वे फलस्तीन पर चर्चा कर रहे हैं। आज धर्मनिरपेक्षता सर्व धर्म सम भावना है और सभी धर्मों के लिए सम्मान है। लेकिन इसके बजाय वे उपदेश दे रहे हैं...उनका एजेंडा पूरी तरह से चरमपंथी तत्वों के प्रतिस्पर्धी तुष्टिकरण पर केंद्रित है। जावड़ेकर लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के अभियान के लिए पिछले कई महीनों से केरल में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर लगाए गए प्रतिबंध का केरल के एक पूरे वर्ग ने स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा पीएफआई की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) द्वारा लोकसभा चुनावों में सबसे पुरानी पार्टी को अपना समर्थन देने के बाद इसाई अब कांग्रेस से नाराज हैं और वे अब नरेन्द्र मोदी जी के साथ आ रहे हैं। जावड़ेकर ने आरोप लगाया एझावा समुदाय माकपा से बहुत नाराज है।

भागीदारी बढ़ाने को गुजरात के मतदाताओं को भेजेंगे 20 लाख निमंत्रण

अहमदाबाद। गुजरात में निर्वाचन अधिकारी लोकसभा चुनाव में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के अपने प्रयास के तहत राज्य भर में मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं को 20 लाख से अधिक निमंत्रण भेजेंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि इस पहल में 13,000 से अधिक ऐसे मतदान केंद्रों को दायरे में लाया गया है जहां पुरुष और महिला मतदाताओं के बीच अंतर 10 प्रतिशत से अधिक है और जहां पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान कुल मतदान 50 प्रतिशत से कम था।

विज्ञप्ति में कहा गया कि गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी भारती लगभग 20.3 लाख मतदाताओं को निमंत्रण देंगे जिसमें मुख्य रूप से महिलाएं शामिल हैं और उनसे लोकसभा चुनावों में परिवार से साथ मतदान करने का अनुरोध किया जाएगा। गुजरात की 26 लोकसभा सीटों पर सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गुजरात में 64.11 प्रतिशत मतदान हुआ।

गोवा के 70 फीसदी लोग भाजपा के खिलाफ: आप विधायक वेन्जी वीगास

पायनियर समाचार सेवा। पणजी

गोवा से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक वेन्जी वीगास ने दावा किया कि तटीय राज्य में 70 प्रतिशत मतदाता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ हैं। बेनौलिम सीट से आप विधायक विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के कांग्रेस के उम्मीदवार विरियाटो फर्नांडीस के लिए दक्षिण गोवा में चुनाव प्रचार कर रहे थे। भाजपा ने इस सीट से महिला व्यापारी पल्लवी डेम्पो को उम्मीदवार बनाया है जबकि रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी ने रूबर्ट परेरा को इस सीट से मैदान में उतारा है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के फ्रांसिस्को सरदिन्हा ने दक्षिण गोवा सीट से भाजपा के उम्मीदवार नरेन्द्र सावरकर को हराया था। वीगास ने दावा किया, हम गोवा के हर क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मैंने दक्षिण गोवा के कम से कम 15 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया है। भाजपा से लोग तंग आ चुके हैं और 70 फीसदी मतदाता पार्टी के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के लोग आजीविका और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, यहां तक कि उनकी पार्टी की बैठकों में शामिल होने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को भी यात्रा के लिए अपने वाहन में महंगा पेट्रोल भरवाना पड़ता है। घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। मोटे तौर पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से लोग खुश नहीं हैं। वीगास ने कहा कि सभी विपक्षी दल इंडिया के तहत एक साथ आए और वे 2027 के गोवा विधानसभा चुनावों के लिए भी इस एकता को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा, इस तरह हम गोवा की सरकार बदलेंगे। गोवा की दो लोकसभा सीटों- दक्षिण गोवा और उत्तरी गोवा पर सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। उत्तरी गोवा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद श्रीपद नाइक को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने रमाकांत खलप को उम्मीदवार बनाया है।

बंगाल में गेंदू और बाघू मतदाताओं को कर रहे प्रेरित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के वास्ते गेंदू से लेकर बाघू जैसे पशुओं के शुभंकरों का सहारा लिया जा रहा है। राज्य भर में जिला चुनाव अनुभाग मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक ले जाने के लिए विभिन्न शुभंकरों का उपयोग कर रहे हैं और उनमें से अधिकांश शुभंकर पशु हैं।

अलीपुरद्वार जिले में मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए दुआर्स क्षेत्र के गैंडों को ध्यान में रखते हुए गेंदू का इस्तेमाल किया जा है। कूचबिहार जिले में यह शुभंकर मोहनबाओ है। मोहनबाओ एक कछुआ है जो मतदान केंद्रों पर लोगों का मार्गदर्शन करेगा। बंगाल टाइगर बाघू दक्षिण 24 परगना जिले के लोगों से आग्रह कर रहा है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का मौका न चूकें। वहीं दार्जिलिंग की पहाड़ियों में यही काम एक लाल पांडा कर रहा है। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा, हमारे अभियान से बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता पर प्रकाश डाला गया है और इसका उद्देश्य मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा, बोलचाल की भाषा के बजाय हम उन पात्रों के साथ मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जो उनके दिल के करीब हैं। हमारा मानना है कि इससे काफी प्रभाव पड़ेगा। जलपाईगुड़ी जिले में चुनावी शुभंकर तीस्ता है। यह नदी क्षेत्र की जीवन रेखा है और एक लड़की का नाम तीस्ता रखा गया है, जो लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर रही है।

उत्तराखंड : अग्निपथ योजना, अंकिता भंडारी मामले का भाजपा के मत प्रतिशत पर पड़ सकता है असर

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के लोगों का मानना है कि देवभूमि के सबसे चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड और सेना में अल्पकालिक भर्ती की अग्निपथ योजना का इस लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मत प्रतिशत पर असर पड़ेगा क्योंकि पिछले कुछ सालों से युवा वर्ग में पार्टी के खिलाफ नाराजगी है। चमोली जिले के निवासी अंकित नेगी ने कहा कि सेना में भर्ती होना यहां के हर युवा की प्राथमिकता होती है, खासकर पहाड़ी या ग्रामीण इलाकों के युवाओं की।

उन्होंने कहा, प्रत्एक युवा के लिए आठ साल (17 से 25 वर्ष) महत्वपूर्ण होते हैं जो यह तय करते हैं कि उन्हें जीवन में कहां जाना है। यह कदम व्यक्ति और उसके परिवार का भविष्य भी तय करता है। लेकिन अग्निपथ योजना के शुरू होने के बाद युवा वर्ग में काफी गुस्सा है। नेगी ने कहा, पहाड़ी इलाकों में रहने वाले युवा अपनी शारीरिक ताकत के लिए जाने जाते हैं। यहां का हर युवा सेना को अपने करियर विकल्प के रूप में चुनने को लेकर काफी उत्साहित रहता है, लेकिन भाजपा इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रही है और यह उनके चुनावी एजेंडे में भी शामिल नहीं है, जिसके चलते यहां के ज्यादातर युवा पार्टी के लिए मतदान करने के पक्ष में नहीं हैं। पौड़ी जिले के निवासी अभिनव पटवाल ने कहा कि दो साल पहले घोषित हुई अग्निपथ योजना से युवा वर्ग में नाराजगी है। उन्होंने कहा, हम पर जो योजना थोपी गई और हमने इसका बहुत विरोध किया और अपनी नाराजगी जताई। पटवाल ने कहा, हमने कई तरीकों से केंद्र सरकार के साथ योजना के बारे में अपने विचार साझा करने का भी प्रयास किया है। हमारे मन में स्पष्ट है कि यदि योजना को रद्द नहीं

किया गया तो हम भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं करेंगे। केंद्र सरकार ने जून 2022 में अग्निपथ योजना की शुरू की थी। इसके तहत देश की तीनों सेवाओं में युवाओं की भर्ती की जाती है। योजना के तहत साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को चार साल के लिए भर्ती करने का प्रावधान है, जिसमें से 25 प्रतिशत को 15 और वर्षों तक बनाए रखा जाएगा।

श्रीनगर (उत्तराखंड) के निवासी उमेश राणा ने कहा कि युवा अग्निपथ योजना से परेशानै हैं, जबकि महिलाएं अंकिता भंडारी हत्याकांड के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ऋषिकेश के पास स्थित एक होटल में 19 वर्षीय अंकिता भंडारी रिसेप्शनिस्ट थी, लेकिन साल 2022 में होटल के मालिक और उसके दो साथियों ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी थी। गढ़वाल के रुद्रप्रयाग जिले की रहने वाली शिखा गुसाईं ने कहा, भंडारी हमारी बेटी थी, लेकिन उसे अभी तक न्याय नहीं मिला है। हर राजनीतिक दल हर चुनाव प्रचार में महिला सुरक्षा की बात करता है, लेकिन अगर हमारी बेटियों या बहनों के साथ ऐसा होगा तो महिलाएं कैसे सुरक्षित रहेंगी...

यहां तक कि चमोली जिले के कर्णप्रयाग में कांग्रेस और भाजपा के स्थानीय नेता भी इस बात से सहमत हैं कि जब मतदाता वोट डालने जाएंगे तो उनके दिमाग में ए दो मुद्दे होंगे। स्थानीय कांग्रेस नेता ईश्वरी प्रसाद मैखोरी ने कहा कि पार्टी इन मुद्दों को जोर-शोर से उठा रही है। उन्होंने कहा, भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़ना चाहती है, लेकिन इस विषय पर उसने ध्यान नहीं दिया और इसे अपने चुनावी एजेंडे में भी शामिल नहीं किया। पहाड़ी राज्य के युवा इसे चुपचाप देख रहे हैं और वे 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में इसका जवाब देंगे। कांग्रेस पार्टी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से भंडारी हत्याकांड मामले की जांच कराने की मांग कर रही है। स्थानीय भाजपा नेता हरीश सती ने कहा, हम यह मानते हैं कि चुनाव पर इन मुद्दों का असर पड़ेगा क्योंकि उत्तराखंड में लोग सेना की नौकरियों और अंकिता भंडारी मामले से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। हालांकि, भाजपा द्वारा किए गए विकास कार्य भी यहां अहम भूमिका निभाएंगे। पौड़ी निवासी नरेश शर्मा ने कहा, भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि 2014 के लोकसभा चुनाव में युवाओं ने अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद एक दशक के बाद भाजपा सत्ता में आई थी। 2014 के बाद से एक और दशक बीत चुका है और अग्निपथ योजना का देश भर के चुनावों पर प्रभाव पड़ेगा, जबकि भंडारी मामले से निश्चित रूप से पार्टी को नुकसान पहुंचेगा।

बुजुर्ग मतदाताओं के लिए निर्वाचन अधिकारियों ने तय किया 107 किमी का रास्ता

बुजुर्ग अपने घरों से करेंगे मतदान

पायनियर समाचार सेवा। गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में दो बुजुर्ग अपने घरों से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके लिए निर्वाचन अधिकारियों ने जोखिम भरे रास्तों और जंगलों से होकर 107 किलोमीटर लंबी यात्रा की। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गढ़चिरौली-चिमूर निर्वाचन क्षेत्र के इन दो बुजर्ग मतदाताओं में से एक की उम्र 100 वर्ष जबकि दूसरे की 86 वर्ष है। यहां लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा। गढ़चिरौली में जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को आगामी लोकसभा चुनाव में घर से मतदान करने का विकल्प दिया है।

एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल के तहत चुनाव अधिकारियों ने 100 वर्षीय किश्तय्या मदारबोइना और 86 वर्षीय किश्तय्या कोमेरा के घर तक पहुंचने के लिए अहेरी से सिरोंचा तक 107 किलोमीटर की यात्रा की। इन बुजुर्गों को चलने-फिरने में समस्या है, लेकिन वे अपने मताधिकार का उपयोग करने के इच्छुक हैं।

अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों ने गढ़चिरौली-चिमूर निर्वाचन क्षेत्र में घर से मतदान करने के लिए 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,037 मतदाताओं और 338 दिव्यांगों के आवेदनों को मंजूरी दे दी है। अब तक, कुल 1,205 मतदाताओं ने घर से अपने मताधिकार का उपयोग कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव के तीसरे चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। देशभर में 94 निर्वाचन क्षेत्रों पर सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई। निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रपति की ओर से एक अधिसूचना जारी की जिसके बाद यह प्रक्रिया शुरू हो गई। तीसरे चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 19 अप्रैल है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि मध्य प्रदेश के बैतूल निर्वाचन क्षेत्र में स्थगित चुनाव के लिए भी अलग से एक अधिसूचना जारी की गई है। बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार के निधन के बाद बैतूल लोकसभा सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। अगर चुनाव से पहले किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राज्ईय पार्टी के उम्मीदवार की मौत हो जाती है तो चुनाव स्थगित कर दिया जाता है ताकि पार्टी को किसी नए उम्मीदवार के चुनाव के लिए वक्त मिल सके। पहले बैतूल लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था। तीसरे चरण में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव होना है उनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, गुजरात, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। देश में 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सात चरणों में होने वाला मतदान 19 अप्रैल को शुरू होगा और एक जून को समाप्त होगा। मतगणना चार जून को होगी।

पीएम पर बयान मीडिया ने तोड़-मरोड़ कर पेश किया

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर हाल में की गई अपनी विवादास्पद टिप्पणी के बारे में शुक्रवार को स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मीडिया द्वारा उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भारती ने कहा, सत्ता पक्ष में जो लोग हैं, भाजपा या प्रधानमंत्री, उनके पास क्या मुद्दा है? क्या वे महंगाई और बेरोजगारी पर बात कर रहे हैं? मेरे बयान को मीडिया द्वारा तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। मीडिया भाजपा का एजेंडा सेट कर रहा है। यह देश की जनता के सामने नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, मैंने इलेक्टोरल बांड को लेकर उच्चतम न्यायालय के आदेश के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि अगर हमारी सरकार केंद्र में सत्ता में आती है तो जो लोग भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्वाई की जाएगी। मीसा ने कहा था कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) केंद्र की सत्ता से बाहर हुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेल में होंगे। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में मीसा को ऐसी टिप्पणी करते हुए सुना गया है। राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बृहस्पतिवार को अपनी सबसे बड़ी बहन मीसा भारती की प्रधानमंत्री को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर किए गए सवालों से बचते नजर आए। भारती की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा था, किसी ने किसी और के बारे में क्या कहा है, उस पर बोलने की मुझे क्या जरूरत है। हमें मुद्दों पर बात करनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य भारती पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। मीसा के बयान की भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आलोचना की है।

संक्षिप्त समाचार

जोकोविच मोंटे कार्लो मास्टर्स के अंतिम-8 में

मोनाको। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लोरेंजो मुसेत्ती से मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए उन्हें हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के चैम्पियन जोकोविच को पिछले साल तीसरे दौर में मुसेत्ती ने हराया था। उन्होंने छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट तब्दील करके 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। जोकोविच ने यहां 2013 और 2015 में खिताब जीता है लेकिन उसके बाद से क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके। दूसरी रैंकिंग वाले यानिक सिनेर ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना होल्गर रूने से होगा जिसने ग्रिगोर दिमित्रोव को 7-6, 3-6, 7-6 से हराया।

'टी-20 में धीमी गेंद डालना भी जरूरी'

मुंबई। बल्लेबाजों पर दबाव बनाने के लिए वैरिएशन पर लगातार काम कर रहे जसप्रीत बुमराह एक तेज गेंदबाज के तौर पर अपने अहं को तिलांजलि देने को तैयार है और उन्हें विविधता की तलाश के लिए धीमी गेंद डालने से भी गुरेज नहीं है। बुमराह ने रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ जीत में मुंबई इंडियंस के लिए 21 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अब दस विकेट लेकर युजवेंद्र चहल के साथ गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। बुमराह ने मैच के बाद कहा , आपको हमेशा यॉर्कर डालने की जरूरत नहीं है। कई बार यॉर्कर और कई बार धीमी गेंद भी डालनी होती है। इस प्रारूप में अहं के लिए जगह नहीं है। आप 145 किमी की रफ्तार से भी गेंद डाल सकते हैं लेकिन कई बार धीमी गेंद डालना जरूरी होता है।

शीर्ष वरीय आकांक्षा अमेरिका में हारी

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की आकांक्षा सालुंके अमेरिका के सेंट लुईस में चल रहे आर सी प्रो सीरिज स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में मिस्र की जाना साफी से 2-3 से हार गई। राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता आकांक्षा को 11-8, 3-11, 11-9, 5-11, 3-11 से पराजय झेलनी पड़ी।

किंग्स के खिलाफ रॉयल्स को रणनीति पर करना होगा बेहतर अमल

अब तक आशा के अनुरूप खेल नहीं दिखा सके हैं पंजाब के सीनियर बल्लेबाज, राजस्थान के सामने अपनी लय को कायम रखने की चुनौती

एजेंसी। मुल्लांपुर

पिछले मैच में जीत की दहलीज पर पहुंचकर हारी राजस्थान रॉयल्स को शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ रणनीति पर बेहतर अमल करना होगा, क्योंकि मेजबान टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद बेहद सक्षम है।

रॉयल्स के पास लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका था लेकिन राशिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने बुधवार को आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की। रॉयल्स के लिए अपने गढ़ जयपुर में हारना किसी झटके से कम नहीं था। वे इसे भुलाकर अब जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेंगे। संजू सैमसन की कप्तानी वाली

रॉयल्स के गेंदबाज कुलदीप सेन (19वां ओवर) और आवेश खान (20वां ओवर) ने 12 गेंदों के भीतर 35 रन दे डाले। सैमसन ने ट्रेंट बोल्ट से चार ओवर का कोटा पूरा नहीं कराके बड़ी चूक की जबकि बोल्ट ने दो ओवर में सिर्फ आठ रन दिए थे। दबाव के क्षणों में उनका

अनुभव काफी काम आता।

दूसरी ओर शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब टीम ने पांच में से दो मैच जीते और तीन गंवाए हैं। उसके धाकड़ बल्लेबाज चल नहीं पा रहे और शशांक सिंह तथा अभिषेक शर्मा जैसे गुमनाम बल्लेबाजों पर रन बनाने की सारी जिम्मेदारी आ गई है। सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (पांच मैचों में 81 रन) और मध्यक्रम के बल्लेबाज जितेश शर्मा (पांच मैचों में 77 रन) अपेक्षा के अनुरूप नहीं खेल पाए हैं जिससे टीम को अच्छी शुरूआत नहीं मिल सकी। सैम कुरेन गेंदबाजी में औसत रहे हैं और बल्ले से भी अपनी क्षमता के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं। मध्यक्रम में टीम को चोटिल लियाम लिविंगस्टोन की कमी खल रही है।

पंजाब के गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतर रहा है लेकिन पहले गेंदबाजी करने पर उन्होंने काफी रन लुटाए हैं। पिछले तीन मैचों में पंजाब के खिलाफ विरोधी टीम ने 199, 199 और 182 रन बनाए हैं जबकि कैगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाज टीम में हैं। रॉयल्स के सामने चुनौती अच्छी लय बनाए रखने की भी है क्योंकि टूर्नामेंट में आम तौर पर अच्छी शुरूआत के बाद वे लड़खड़ा जाते हैं। यही वजह है कि पिछले छह सत्र में सिर्फ दो बार प्लेआफ में पहुंच सके।

गुकेश हारे, प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश फ्रांस के फिरोजा अलीरजा के हाथों पहली हार के बाद कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर के बाद शीर्ष स्थान से खिसक गए, लेकिन आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला। इस हार के बाद 17 वर्ष के गुकेश अब कारूआना और प्रज्ञानानंदा के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

टेस्ट श्रृंखला में भारतीय हॉकी टीम की लगातार चौथी हार

4-0 की अजेय बढ़त बनाकर क्लीनस्वीप की ओर बढ़ी आस्ट्रेलियाई टीम

मैच के सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए

एजेंसी। पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के अहम दौरे पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है जहां पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच में उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ ही श्रृंखला में अपनी बढ़त को 4-0 कर लिया। अब टीम का इरादा क्लीन स्वीप करने का है। चौथे टेस्ट का परिणाम भारतीयों के पक्ष में नहीं रहा, लेकिन टीम के प्रदर्शन के स्तर में काफी सुधार दिखा। मेजबान टीम हालांकि हर मामले में भारत से बेहतर साबित हुई। आकाशीय बिजली के कारण 40 मिनट देर से शुरू हुए मैच में सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए।

भारत ने 12वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की बदौलत बढ़त बना ली, लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वें, 47वें) और जैक वेल्च (54वें) के गोल ने ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में लगातार चौथी जीत दिला दी। भारत शुरुआती टेस्ट में 1-5 से हार गया था, जबकि दूसरा और तीसरा टेस्ट क्रमश: 2-4 और 1-

2 से हार गया था। मैच का शुरुआती क्वार्टर काफी प्रतिस्पर्धी रहा जहां दोनों टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ गोल के कई मौके बनाए। मनदीप सिंह ने मैच पहले मिनट में ही भारत के लिए मौका बनाया। हरमनप्रीत सिंह के पास पर सर्कल के पास से किए गए उनके प्रहार को ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर ने बचा लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने जवाबी हमला करते हुए दूसरे मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन अनुभवी भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार बचाव से उनका दोनों प्रयास विफल हो गया। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में मिडफील्ड का चतुराई से उपयोग कर गोल करने के मौके बनाए। भारत को 10वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जुगराज सिंह मौके को भुनाने में नाकाम रहे। इसके एक मिनट बाद, ऑस्ट्रेलिया को तीसरा और चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला।

जेहन में चस्पा हो गए हैं ढेरों साहसी शॉट्स: सूर्या

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में ढेरो साहसी शॉट्स खेलने वाले सूर्यकुमार यादव ने कहा कि ये सारे शॉट उनके जेहन में चस्पा हैं और वे नेट्स पर इनका लगातार अभ्यास करते हैं। नंबर वन टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार ने 19 गेंद में चार छक्कों और पांच चौकों की मदद से 52 रन बनाए थे।

निजी कारणों से ओलंपिक में अभियान प्रमुख पद से हटीं मैरी कॉम

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम शुक्रवार को आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के अभियान प्रमुख के पद से हट गई है। उन्होंने कहा कि निजी कारणों से उनके पास अब कोई विकल्प नहीं है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से फारिग करने के लिए कहा है। मैरी कॉम ने उषा को लिखे पत्र में कहा , देश की किसी भी रूप में सेवा करना फख्र की बात है और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी। लेकिन मुझे खेद है कि मैं यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकूंगी। मैं निजी कारणों से पीछे हट रही हूं। उन्होंने कहा, इस तरह से पीछे हटने से शर्मिंदा हूं क्योंकि मैं ऐसा करती नहीं हूं लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिए हमेशा रहूंगी।

मुझे ओलंपिक जाने से रोकना चाहते हैं डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष : विनेश

डोपिंग की साजिश रचे जाने की आशंका जताई

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह उन्हें हर हालत में ओलंपिक खेलने से रोकना चाहते हैं और उन्हें अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने का भी डर है।

29 वर्ष की विनेश ने 2019 और 2022 विश्व चैम्पियनशिप में 53 किलो में कांस्य और 2018 एशियाई खेलों में 50 किलो में स्वर्ण पदक जीता था। वह अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए 50 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती है। पटियाला में चयन ट्रायल में उन्होंने 53 किलो में भी भाग लिया था लेकिन सेमीफाइनल में हार गई थी।

विनेश ने एक्स पर लंबी पोस्ट में लिखा , बृजभूषण और उसके द्वारा बिठाया गया डमी

संजय सिंह हर तरीके से प्रयास कर रहे हैं कि कैसे मुझे ओलंपिक में खेलने से रोका जा सके। जो टीम के साथ कोच लगाए गए हैं, वे सभी बृजभूषण और उसकी टीम के चहेते हैं तो इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि वो मेरे मैच के दौरान मेरे पानी में कुछ मिला कर पिला दें। उन्होंने कहा , अगर मैं ऐसा कहूं कि मुझे डोप में फंसाने की साजिश हो सकती है तो गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। ऐसे मानसिक उत्पीड़न कहां तक जायज हैं।

बडोनी का नाबाद अर्धशतक लखनऊ ने दिल्ली को दिया 168 रन का लक्ष्य

एजेंसी। लखनऊ

आयुष बडोनी (नाबाद 55) की नाबाद अर्धशतकीय पारी और आठवें विकेट के लिए अरशद खान (नाबाद 20) के साथ 42 गेंद में 73 रन की अटूट साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने आईपीएल टी-20 मैच में शुक्रवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 167 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बडोनी और अरशद की यह साझेदारी आईपीएल इतिहास में आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

कुलदीप यादव (20 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम 13 ओवर के बाद 94 रन पर सात विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन बडोनी ने 35 गेंद की नाबाद पारी में पांच छक्का और एक छक्का लगाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। कुलदीप ने लोकेश राहुल (39), मार्कस स्टोइनिस (आठ) और निकोल्स पूरन (शून्य) के अहम विकेट चटकाकर लखनऊ को बड़े झटके दिए। खलील अहमद को दो सफलता मिली, जबकि इशांत शर्मा और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिए। डिकॉक ने पारी की पहली ही गेंद पर खलील के खिलाफ चौका जड़ने के बाद ओवर का अंत भी इसी अंदाज में किया।

बुमराह आईपीएल के सुपरस्टार हैं : हरभजन

अपने दम पर मैच जिताने की काबिलियत रखने वाला इकलौता गेंदबाज बताया

एजेंसी। मुंबई

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि अब खेल को अलविदा कह चुके लसिथ मलिंगा के अलावा कोई और गेंदबाज अकेले दम पर मैच जिताने की जसप्रीत बुमराह की काबिलियत का मुकाबला नहीं कर सकता और यही वजह है कि बुमराह आईपीएल के इस सत्र में सुपरस्टार हैं।

बुमराह ने रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ पांच विकेट हासिल किए, जिसके दम पर मुंबई ने सात विकेट से जीत दर्ज की। हरभजन ने कहा, पहले दिन से आज तक मैने उसे गेंदबाजी करते देखा है और उसकी गेंदबाजी में काफी बदलाव आया है। वह सीखने

को लालायित रहता है। उसने भले ही आज पांच विकेट ले लिए लेकिन वह फिर जाकर वीडियो देखेगा कि कहां सुधार हो सकता है।

उन्होंने कहा , वह इतना शांत रहता है और दबाव के क्षणों में उससे बेहतर कोई नहीं खेल सकता। लोग अक्सर विराट कोहली और एम एस धोनी की बात करते हैं क्योंकि यह बल्लेबाजों का खेल है लेकिन अगर कोई आईपीएल के सुपरस्टार की बात करे तो वह बुमराह है। उन्होंने कहा , अपना दिन होने पर वह मैच जिताता है और ऐसा कितने बल्लेबाज कर पाते हैं। हरभजन ने कहा , बल्लेबाजों की बात करें तो तीन या चार हैं लेकिन गेंदबाजों में सिर्फ बुमराह या मलिंगा हैं। हर प्रारूप में। अविश्वसनीय प्रदर्शन। सबसे अच्छी बात तो यह है कि वह सीखना और बेहतर करते रहना चाहता है। उन्होंने अर्धशतक जमाने वाले सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा , जब सूर्यकुमार यादव फॉर्म में होता है तो आप किसी और को देखना नहीं चाहते।